3 राजधानी
विद्युतकर्मी इलाज न मिलने पर पीएचसी प्रभारी हटे

6 अभिमत
एक साथ चुनाव की ओर बढ़ता भारत

11 विदेश
इजराइल हिजबुल्ला पर हमले जारी रखेगा

12 स्पोर्ट्स
बारिश के बीच आकाशदीप और अश्विन का जलवा

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 14 अंक 333
लखनऊ, शनिवार, 28 सितंबर, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ
नगर संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

झारखंड में बिना पैसे के कुछ नहीं होता
राष्ट्रीय-10

सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता आयोग को लगाई फटकार

पराली जलाने से प्रदूषण पर रोक न लगा पाने को लेकर अदालत गंभीर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली के पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने के चलते राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण पर रोक लगाने में नाकाम रहने को लेकर शुक्रवार को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को फटकार लगाई तथा कहा कि इसे और अधिक सक्रिय होने की जरूरत है।

न्यायमूर्ति अभय एस.ओका और न्यायमूर्ति अगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने प्रदूषण नियंत्रण के लिए गठित आयोग द्वारा उठाए गए कदमों पर असंतोष जताते हुए कहा कि सीएक्यूएम को वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम, 2021 के तहत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और इसके आसपास के क्षेत्रों में अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करने की आवश्यकता है। पीठ ने कहा, अधिनियम का बिल्कुल ही अनुपालन नहीं किया गया है। कृपया हमें एक भी निर्देश दिखाएं जो किसी हितधारक को अधिनियम के तहत जारी किया गया हो। शीर्ष अदालत ने कहा, हमारा मानना है कि हालांकि आयोग ने कदम उठाए हैं लेकिन उसे और सक्रिय होने की जरूरत है। आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसकी कोशिशें और उसके द्वारा जारी निर्देश प्रदूषण की समस्या को कम करे।

न्यायालय ने कहा कि आयोग को यह सुनिश्चित करने की कोशिश करनी चाहिए कि पराली जलाने के विकल्प के रूप में उपकरणों का इस्तेमाल जमीनी स्तर पर हो। पीठ ने कहा कि आयोग को यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए कि पराली जलाने से रोकने के लिए केंद्र सरकार द्वारा मुहैया कराए गए उपकरणों का किसानों द्वारा इस्तेमाल किया जाए। शीर्ष अदालत ने आयोग को एक बेहतर अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया और विषय की सुनवाई तीन अक्टूबर के लिए निर्धारित कर दी। केंद्र की ओर से पेश हुईं अतिरिक्त सॉलिसीटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने पराली जलाने से रोकने के लिए जारी परामर्श और दिशानिर्देश सहित अन्य कदमों की जानकारी शीर्ष अदालत को दी।हालांकि, शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की, यह सब हवा में है, कुछ भी नहीं दिख रहा है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के लिए क्या किया गया है। सुनवाई के दौरान वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से (शेष पृष्ठ 9)

बिहार में बाढ़ का खतरा मुंबई व हिमाचल में भारी बारिश का अनुमान

पीएनएस। मुंबई/पटना/शिमला

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को बिहार, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान जताया है और अगले 24 घंटों में बिहार के 13 जिलों में कम से मध्यम 'आकस्मिक बाढ़ का खतरा' होने की चेतावनी दी है। आईएमडी ने मुंबई और महाराष्ट्र में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिसका आने वाले दिनों में काफी असर होने की उम्मीद है। अनियमित मानसून के हालिया रुझान के बाद, मुंबई में व्यापक बारिश की आशंका है, खासकर कोंकण क्षेत्र में, जहां आज भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के नवीनतम बुलेटिन के अनुसार, उत्तर-मध्य महाराष्ट्र पर एक चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है, और इसके प्रभाव के कारण, आने वाले दिनों में महाराष्ट्र में और अधिक (शेष पृष्ठ 9)

भाजपा का दामाद, दलाल पर सवाल कांग्रेस ने बेरोजगारी का मुद्दा उठाया

हरियाणा चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। रेवाड़ी/नई दिल्ली।

चुनाव नजदीक आते ही भाजपा ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाड्रा पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए विपक्षी पार्टी पर फिर से हमला बोला। हरियाणा में कांग्रेस के सत्ता में रहने के दौरान उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे। मोदी ने हाल ही में हरियाणा में अपने प्रचार अभियान के दौरान कांग्रेस और उसके नेतृत्व पर निशाना साधा था। वाड्रा ने लगातार किसी भी तरह के गलत काम के आरोपों से इनकार किया है और भाजपा पर राजनीतिक प्रतिशोध के कारण उन्हें निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

मोदी के शब्दों को दोहराते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि भाजपा के सत्ता में आने से पहले राज्य में 'डीलर, दलाल और दामाद' राज करते थे। उन्होंने राहुल गांधी से यह भी पूछा कि क्या उन्हें एमएसपी का फुल फॉर्म पता है, क्योंकि उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हरियाणा में भाजपा सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 24 फसलों की खरीद कर रही है। लोकसभा चुनावों में प्रभावशाली प्रदर्शन करने के पश्चात कांग्रेस द्वारा कड़ी चुनौती पेश किए जाने के बाद, भाजपा ने जानना चाहा कि यदि पार्टी फिर से सत्ता में आती है तो वाड्रा को कौन रोकेगा। उन्होंने कहा कि 2004 से 2014 के बीच जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब हरियाणा भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दावा किया कि राज्य में चुनाव 'हरियाणा के लाल' और गांधी परिवार के 'दलाल' के बीच की लड़ाई है, क्योंकि उन्होंने वाड्रा और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व वाली पार्टी की तत्कालीन सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों पर कांग्रेस नेतृत्व की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों ने भाजपा को लगातार तीसरी बार सत्ता में लाने का मन बना लिया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने किसानों के कल्याण के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि एक मामले में वाड्रा की कंपनी ने कथित तौर पर किसानों की 3.5 एकड़ जमीन अधिग्रहित की और तत्कालीन हुड्डा सरकार ने भूमि उपयोग बदल दिया, जिससे उन्हें खरीद मूल्य से चार गुना अधिक कीमत पर जमीन बेचकर भारी मुनाफा कमाने का मौका मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि एक अन्य मामले में, राज्य की कांग्रेस सरकार द्वारा उनकी जमीन अधिग्रहित करने की अधिसूचना जारी करने और फिर वाड्रा से जुड़े एक बिल्डर द्वारा उनकी जमीन खरीदने के बाद उसे गैर-अधिसूचित करने के बाद किसानों ने अपनी जमीन को संकट में बेच दिया। राहुल ने अपनी ओर से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को सरल बनाने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए छोटे व्यवसायों के लिए बैंकिंग प्रणाली खोलने की आवश्यकता पर बल दिया और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (शेष पृष्ठ 9)

कानपुर टेस्ट मैच में बांग्लादेशी प्रशंसक से बदसलूकी का आरोप

पीएनएस। कानपुर

शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश क्रिकेट टेस्ट मैच देखने आए एक बांग्लादेशी प्रशंसक को स्टेडियम के अंदर कथित तौर पर बदसलूकी और मारपीट के बाद अस्पताल ले जाया गया। 'टाइगर रॉबी' नाम से मशहूर इस प्रशंसक ने बाघ की पोशाक पहनी हुई थी - बाघ बांग्लादेश क्रिकेट टीम का प्रतीक है - और ग्रीन पार्क स्टेडियम की सी ब्लॉक बालकनी में खड़ा था, जहां यह घटना हुई।

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो क्लिप के अनुसार, प्रशंसक ने इशारों से संकेत दिया कि उसकी पीठ के निचले हिस्से पर मुक्का मारा गया है। हालांकि, कानपुर पुलिस ने इस आरोप से साफ इनकार किया और कहा कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए उसके बयान की जांच की जाएगी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून और व्यवस्था) हरीश चंदर ने कहा कि बांग्लादेशी प्रशंसक को डिहाइड्रेशन की समस्या थी और उसे अस्पताल ले जाया गया और अब वह ठीक है। अधिकारी ने कहा, जब वह एक कांस्टेबल से मिला तो बांग्लादेशी प्रशंसक सांस लेने के लिए हांफ रहा था और उससे बात करने से पहले ही बेहोश हो गया, लेकिन अब वह ठीक है। घटना से संबंधित अन्य विवरण अभी पता नहीं चल पाए हैं।

यह घटना ग्रीन पार्क के पास दक्षिणपंथी समूहों के विरोध प्रदर्शन के बीच हुई है, जिसमें प्रदर्शनकारी टेस्ट मैच को रद्द करने की मांग कर रहे थे। पुलिस ने कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मैच के मद्देनजर इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है। कई दक्षिणपंथी समूहों के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को सद्भावना चौराहे पर विरोध प्रदर्शन किया, जो ग्रीन (शेष पृष्ठ 9)

धमाकों से दहला बेरुत, इजराइल के निशाने पर हिजबुल्ला मुख्यालय

पीटीआई। बेरूत

इजराइल की सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने बेरूत में हिजबुल्ला के केंद्रीय मुख्यालय पर हमला किया है। इजरायली सेना के प्रवक्ता डैनियल हगारी ने टेलीविजन पर यह घोषणा की। बेरूत में हुए विस्फोट के बाद आसमान में नारंगी और काले रंग के धुएं का गुबार छा गया। यह हमला ऐसे दिन किया गया, जब इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र को संबोधित किया है।

इससे पहले लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने जानकारी देते हुए बताया कि लेबनान में इस सप्ताह इजराइल के हमलों में करीब 700 लोग मारे गए हैं। इजराइल ने लेबनान पर यह कहते हुए हमले तेज कर दिए हैं कि वह हिज्बुल्ला की सैन्य क्षमताओं और उसके वरिष्ठ कमांडरों को निशाना बना रहा है। शीर्ष इजराइली अधिकारियों ने धमकी दी है कि यदि हिज्बुल्ला की ओर से गोलीबारी जारी रही, तो वह लेबनान में भी गाजा जैसे विध्वंस को दोहराएगा। इससे इस बात की आशंका पैदा हो गई है कि सात अक्टूबर से गाजा में हुई इजराइली सैन्य कार्रवाई लेबनान में दोहराई जाएगी। इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन ने बृहस्पतिवार को अनुमान व्यक्त किया कि हमास के पक्ष में उत्तरी इजराइल में हिज्बुल्ला द्वारा रॉकेट दागना शुरू किए जाने के बाद से लेबनान में 200,000 से अधिक लोग (शेष पृष्ठ 9)

जमीन घोटाले में कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया के खिलाफ केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। बेंगलुरु

लोकायुक्त पुलिस ने शुक्रवार को मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) साइट आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और अन्य के खिलाफ अदालत के आदेश के बाद प्राथमिकी दर्ज की। बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने बुधवार को मामले में सिद्धारमैया के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस जांच का आदेश दिया, जिससे उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया।

विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट का यह आदेश उच्च न्यायालय द्वारा राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा सिद्धरमैया के खिलाफ जांच करने की मंजूरी को बरकरार रखने के एक दिन बाद आया है। सिद्धरमैया पर एमयूडीए द्वारा उनकी पत्नी बी एम पार्वती को 14 साइटों के आवंटन में अनियमितताओं के आरोप हैं।पूर्व और निर्वाचित सांसदों/विधायकों से संबंधित आपराधिक मामलों से निपटने के लिए विशेष न्यायालय ने मैसूर में लोकायुक्त पुलिस को आरटीआई कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा द्वारा दायर शिकायत पर जांच शुरू करने का निर्देश देते हुए आदेश जारी किया। न्यायालय ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 156 (3) (जो मजिस्ट्रेट को संज्ञेय अपराध की जांच का आदेश देने की शक्ति देता है) के तहत जांच करने और 24 दिसंबर तक जांच रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश जारी किए। न्यायालय ने कहा, दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156 (3) के तहत कार्य करते हुए, क्षेत्राधिकार वाले पुलिस अधीक्षक, कर्नाटक लोकायुक्त, मैसूर को मामला दर्ज करने, जांच करने और सीआरपीसी की धारा 173 के तहत आज से 3 महीने की अवधि के भीतर रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है। इसमें धारा 120बी (आपराधिक षड्यंत्र की सजा), 166 (किसी व्यक्ति को चोट पहुंचाने के इरादे से लोक सेवक द्वारा कानून की अवहेलना), 403 (संपत्ति का बेईमानी से दुरुपयोग), 406 (आपराधिक विश्वासघात के लिए सजा), 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति का वितरण), 426 (शरारत के लिए सजा), 465 (जालसाजी के लिए सजा), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी), 340 (गलत तरीके से कारावास), 351 (हमला) और भारतीय दंड संहिता की अन्य प्रासंगिक धाराओं के तहत दंडनीय अपराधों को सूचीबद्ध किया गया था। अदालत ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 9 और 13 तथा बेनामी संपत्ति लेनदेन निषेध अधिनियम, 1988 की धारा 3, 53 और 54 तथा कर्नाटक भूमि हड़पने निषेध अधिनियम, 2011 की धारा 3, 4 के तहत दंडनीय अपराधों को भी सूचीबद्ध किया था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सिद्धरमैया की पत्नी पार्वती, साले मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू (जिनसे मल्लिकार्जुन स्वामी ने जमीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी) और अन्य के नाम एफआईआर में हैं।

दुनियाभर के पर्यटकों को आज लुभा रहा यूपी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व पर्यटन दिवस पर प्रदेशवासियों को अपनी शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के पर्यटकों को अपनी ओर लुभा रहा है। बीते साल 46 करोड़ से अधिक पर्यटक उत्तर प्रदेश आए। यूपी धार्मिक, आध्यात्मिक, हेरिटेज और ईको टूरिज्म का हब बन चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगले साल मकर संक्रांति से 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ 2025 के दौरान 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आएंगे। सीएम योगी शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपरा का हृदय स्थल उत्तर प्रदेश आज देश ही नहीं बल्कि दुनियाभर के पर्यटकों को लुभाने में सफल हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व में गत वर्ष यूपी में 46 करोड़ से अधिक पर्यटकों ने यूपी के अलग अलग धार्मिक आध्यात्मिक, ईको टूरिज्म या हेरिटेज टूरिज्म के साइट्स का भ्रमण किया है। ये पर्यटक यूपी के अंदर केवल पर्यटन की दृष्टि से नहीं आते बल्कि रोजगार सृजन में भी इनकी बड़ी भूमिका है। पर्यटन गतिविधियां विरासत और विकास के बेहतरीन समन्वय को आगे बढ़ाने का काम करती हैं। स्पिरिच्युअल टूरिज्म की दृष्टि से देखें तो रामायण सर्किट, कृष्ण सर्किट, बुद्धिस्ट सर्किट, जैन सर्किट आदि हमारे पास हैं। आज काशी में बाबा विश्वनाथ धाम करोड़ों पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। अयोध्या, वृंदावन, गोकुल, बरसाना ने दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित किया है। उन्होंने बताया कि बौद्ध पर्यटन की दृष्टि से सारनाथ, कुशीनगर, श्रावस्ती, कौशाम्बी, संकिसा दुनिया भर के बौद्ध श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। वहीं जैन टूरिज्म की दृष्टि से यूपी में (शेष पृष्ठ 9)

दुर्गा पूजा से पहले बांग्लादेशी हिल्सा की खेप कोलकाता पहुंची

सौगर सेनगुप्ता।कोलकाता

बंगाल में बहुप्रतीक्षित 'सिल्वर क्रॉप' जैसा कि वे इसे कहते हैं, आखिरकार आ ही गई है। बहुप्रतीक्षित पद्म हिल्सा या शक्तिशाली पद्मा नदी की हिल्सा मछली, शायद दुनिया की सबसे स्वादिष्ट मछली, आखिरकार कोलकातावासियों के व्यंजनों की शोभा बढ़ाने के लिए आ ही गई है।

बंगाली भद्रलोक के लिए बहुत खुशी की बात है कि शुक्रवार को लगभग 50 टन पद्म हिल्सा प्रतिष्ठित हावड़ा स्टेशन के पास स्थित थोक बाजार में पहुंची। यह 2,420 टन हिल्सा की पहली खेप है, जिसका वजन 800 ग्राम से लेकर लगभग 2 किलोग्राम के बीच है और इसे अक्टूबर के मध्य तक भारत भेजे जाने की संभावना है।

बांग्लादेशी हिल्सा भारत में बहस और विवादों के बीच आई हैं, क्योंकि नई बांग्लादेशी सरकार में बड़ी संख्या में लोग निर्यात पर आपत्ति जताते हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि इस सौदे से वहां इसकी कीमतें बढ़ सकती हैं। हालांकि, उस देश की नई सरकार में एक शीर्ष महिला राजनीतिज्ञ ने प्रदर्शनकारियों को यह कहते हुए मना लिया कि 'केवल भारतीय ही अपनी राष्ट्रीय मछली के लिए सबसे अच्छी कीमत दे सकते हैं।' यह सच है कि हिल्सा का मुंह में पानी लाने वाला स्वाद वही है, लेकिन पिछले कुछ

फाइल फोटो

वर्षों में इस पर कूटनीति बदलती रही है। पिछली शेख हसीना सरकार की तरह इस बेहतरीन मछली की खेप दोस्ती के तौर पर भारत आई थी। लेकिन इस बार सीमा के इस तरफ के एक वरिष्ठ सेवानिवृत्त राजनयिक का कहना है कि यह 'अर्थव्यवस्था की खुराक' के साथ भी आई है। बांग्लादेश से हिल्सा के निर्यात में पिछले कुछ वर्षों में उतार-चढ़ाव देखा गया है, 2012 से 2018 के बीच इस पर प्रतिबंध लगा हुआ था। ढाका विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर ने कहा, हालांकि, बांग्लादेश ने सद्भावना और सांस्कृतिक कूटनीति के संकेत के रूप में हाल के वर्षों में दुर्गा पूजा के लिए विशेष अपवाद बनाए हैं।

दक्षिण कोलकाता दुर्गा पूजा समिति के एक आयोजक ने कहा, भारत के अन्य भागों के विपरीत बंगाल में मछली देवी को चढ़ाई जाने वाली वस्तु है और इसलिए 'हिलसा दुर्गा को चढ़ाई जाएगी, जिनकी पूजा माता के अलावा घर आने वाली बेटी के रूप में भी की जाती है।' वे कहते हैं कि पद्मा हिल्सा सभी मछलियों की नूरजहाँ (महारानी) है। इसकी चांदी जैसी चमक के लिए नहीं बल्कि इसकी मादक गंध के लिए। इतना अधिक कि पकाए जाने पर पद्मा हिल्सा की सुगंध कई घरों की दूरी पर रहने वाले पड़ोसी को भी पागल कर सकती है। कोई आश्चर्य नहीं कि पूर्वी बंगाल के पूर्ववर्ती ज़मीदार एक-दूसरे की हिल्सा खेप लूटने के लिए देशी लुटेरों को नियुक्त करते थे। किंवदंती है कि दिल्ली के सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक हिल्सा के लालच में आ गए थे। अगर कहानियों पर विश्वास किया जाए, तो तुगलक ने जब इस मछली को चखा था, तब वह पहले से ही कई बीमारियों से पीड़ित था। इसके अनोखे स्वाद और सुगंध से मंत्रमुग्ध होकर, वह कई दिनों तक इसे खाता रहा, जब तक कि वह अपनी भूख से पागल नहीं हो गया।

थोक बाजार में यह मछली फिलहाल 1,400 से 1,600 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच बिक रही है --- इसका आकार 800 ग्राम से 1.2 किलोग्राम के बीच है। आयातक नेताई प्रमाणिक ने कहा, जब बड़ा आकार आएगा तो कीमत 2,500 रुपये की सीमा को पार कर जाएगी। जादवपुर विश्वविद्यालय के एक प्रोफेसर, जिनके पूर्वज सीमा के दूसरी ओर से आए थे, ने कहा, हालांकि हम पिछले कई महीनों से हिल्सा खा रहे हैं, लेकिन (शेष पृष्ठ 9)

आतंकवाद व सिंध नदी का जल प्रवाह साथ-साथ नहीं चल सकता

● कहा, टेररिस्ट स्टेट नहीं, अब टूरिज्म स्टेट बन गया है जम्मू-कश्मीर

दूसरे दिन भी जम्मू-कश्मीर के चुनावी दौरे पर पहुंचे यूपी के मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ जम्मू

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम लोग बचपन में गाते रहे हैं कि 'बिना सिंध के हिंद कहां है, रावी बिन पंजाब नहीं, गंगा आखिर खुश हो कैसे, जब तक संग चिनाब नहीं।' भारत सरकार ने 1960 के सिंधु बंटवारे की समीक्षा का आदेश देते हुए टो टूक कहा है कि 'वॉटर एंड टेररिज्म डॉंट फ्लो टूगेदर' यानी आतंकवाद और सिंध नदी का जल प्रवाह साथ-साथ नहीं चल सकता। अभी तक पाकिस्तान के हाथों में कटोरा आया है, अब वह एक-एक बूंद पानी के लिए तरसने वाला है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दूसरे दिन भी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव अभियान में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के

प्रचार में पहुंचे। शुक्रवार को उन्होंने रामनगर से उम्मीदवार सुनील भारद्वाज, उधमपुर ईस्ट से प्रत्याशी रणवीर सिंह पठानिया, कठुआ से प्रत्याशी भारत भूषण, किश्तवाड़ से उम्मीदवार शगुन परिहार के लिए कमल खिलाने की अपील की।

सीएम योगी को देखने-सुनने के लिए दोनों जनसभा में जबर्दस्त भीड़ उमड़ी।

सीएम योगी ने कहा कि पाकिस्तान आज दो कारणों से परेशान है। पहला तो वह अपने कर्मों की सजा भुगत रहा है। बलूचिस्तान कहता है कि हमें पाकिस्तान में नहीं रहना है, क्योंकि वहां की हुकूमत हमें विदेशी कहती है। पाक अधिकृत कश्मीर भी कहता है कि हमें अब पाकिस्तान हुकूमत नहीं चाहिए। भूखों मरने से अच्छा है कि जम्मू-कश्मीर का हिस्सा बनकर अखंड भारत के सपनों को साकार बनाने में सहभागी बनेंगे। सीएम ने चेतावनी दी कि पाकिस्तान की शह पर आतंक फैलाने वालों को न ढकने के लिए कफन मिलेगा और न ही दफन करने के लिए दो गज जमीन ही नसीब होगी। पाकिस्तान परस्त आतंकी जानते हैं कि आतंकवाद की कीमत किस रूप में चुकानी पड़ेगी। तीन भागों में बंट जाएगा, पाकिस्तान का अता-पता नहीं चलेगा। योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार की ताकत का उदाहरण उत्तर प्रदेश में देखा जा सकता है, जहां 500 वर्ष बाद अयोध्या धाम में रामलला विराजमान हो गए। कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो खून की नदियां बहेंगी। हमने कहा कि नए भारत में खून की नदियां नहीं बहती हैं, बल्कि यह अपनी सुरक्षा करना जानता है। सीएम योगी ने कहा कि साढ़े सात वर्ष में यूपी में एक भी दंगा नहीं हुआ। यूपी की तरह ही जम्मू-कश्मीर भी विकास का हकदार है। योगी ने कहा कि कांग्रेस, पीडीपी व नेशनल कॉन्फ्रेंस ने धरती के स्वर्ग को मजहबी उन्माद के पाप का वेयर हाउस बनाकर जनता का शोषण किया। इन लोगों ने राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद, भ्रष्टाचार को पनपाया, लेकिन अब 370 व 35 ए को हटाने के साथ ही जम्मू-कश्मीर में विकास तेजी से बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर में देश का सबसे बड़ा और ऊंचा ब्रिज बन रहा है तो वंदे भारत जैसी विश्व स्तरीय ट्रेन भी जम्मू से दिल्ली तक शुरू हुई है। नेकां. कांग्रेस व पीडीपी ने युवाओं को तमंचा थमाया था, लेकिन पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार टैबलेट देकर नौजवानों को रोजगार दे रही है। सीएम योगी ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि हमारी सरकार आएगी तो 370 बहाल करेंगे यानी यह लोग फिर से आतंकवाद, परिवारवाद, भ्रष्टाचार के पुराने दौर को लाना चाहते हैं। इन्हें शांति-सौहार्द व विकास नहीं, बल्कि सत्ता चाहिए, लेकिन इन तीनों दल के लिए यहां जगह नहीं है। जनता तिकड़ी को विदा करने का संकल्प ले चुकी है। सत्ता मिलने पर कांग्रेस, नेकां व पीडीपी के नेता 12 में से 8 महीने यूरोप-इंग्लैंड और तीन महीने दिल्ली रहते थे। आखिर एक महीने में जम्मू का विकास कैसे होगा।

योगी ने कहा कि कांग्रेस, नेकां व पीडीपी की तिकड़ी ने यहां अराजकता, भ्रष्टाचार, परिवारवाद और आतंकवाद को बढ़ाया। बकरवाल, गुज्जर, दलित, वाल्मीकि समाज के लोगों को हक से वंचित कर रखा था।

चंदौली के रामनगर औद्योगिक क्षेत्र का व्यापक कायाकल्प कराएगी प्रदेश सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● 53.04 करोड़ रुपए की लागत से व्यापक स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर उन्नयन प्रक्रिया को किया जाएगा पूरा

उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार ने अब चंदौली के रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के व्यापक कायाकल्प की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सीएम योगी की मंशा के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने में रामनगर औद्योगिक क्षेत्र के विकास की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। योजना के अनुसार, 53.04 करोड़ रुपए की लागत से इस कार्य को पूरा किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अटल इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत व्यापक स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर के उन्नयन की प्रक्रिया को पूरा करने की रूपरेखा तय की गई है। रामनगर औद्योगिक क्षेत्र को वर्ष 1978 में स्थापित व 2006-07 में विकसित किया गया था। यह औद्योगिक क्षेत्र प्रयागराज-कोलकाता राष्ट्रीय राजमार्ग-19 से जुड़ा है और मुगलसराय रेलवे स्टेशन से लगभग 13 किमी की दूरी पर स्थित है। इसके अलावा, वाराणसी से इसकी दूरी करीब 30 किमी है, और राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर स्थित लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डा, बाबतपुर, यहां से लगभग 51 किमी की दूरी पर है। यह क्षेत्र दोनों तरफ से राष्ट्रीय राजमार्ग-19 से जुड़ा हुआ है, और अपनी बेहतर कनेक्टिविटी के कारण आवागमन की दृष्टि से बहुत सुगम है। यह औद्योगिक क्षेत्र करीब 515 एकड़ में फैला हुआ है, जिसमें 16.8 किमी का विकसित सड़क नेटवर्क और 15.8 किमी लंबा ड्रेनेज सिस्टम भी शामिल है। इन तमाम खूबियों के कारण रामनगर औद्योगिक क्षेत्र बेहतर कनेक्टिविटी युक्त स्ट्रेटेजिक लोकेशन के तौर पर अपनी पहचान को भविष्य के उभरते केंद्र के तौर पर विकसित कर रहा है। सड़क सुधार के अंतर्गत लगभग 3 किमी और 2.09 किमी की सड़कों का उच्चीकरण किया जाएगा, जिसमें सड़कों की चौड़ीकरण, इंटरलॉकिंग व पेव्ड फुटपाथ भी शामिल है।

अखिलेश सुर्खियां बटोरने के चक्कर में जातियों के बीच नफरत फैला रहें: भूपेन्द्र सिंह चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने शुक्रवार को कहा कि समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सुर्खियां बटोरने के चक्कर में भ्रम फैलाकर जातियों के बीच वैमनस्यता और नफरत फैला रहे हैं। उन्होंने कहा सोशल मीडिया पर कुछ भी अनर्गल पोस्ट करने से पहले सपा प्रमुख को थोड़ा रिसर्च वर्क और सोच विचार भी कर लेना चाहिए। इस तरह से सोशल मीडिया का दुरुपयोग करना अखिलेश यादव को शोभा नहीं देता।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चार साल पहले अखबार में छपी एक खबर को अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट करते हुए यूपी लोकसेवा आयोग की आरक्षण व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगाया है। इस पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रदेश

अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि अखिलेश यादव को कुछ भी पोस्ट करने से पहले थोड़ा रिसर्च कर लेना चाहिए। यूपीपीएससी की पीसीएस समेत अन्य सभी परीक्षाओं के अंतिम चयन परिणाम में अनारक्षित वर्ग में आरक्षित वर्ग की ओवरलैपिंग न होने का आदेश माननीय हाईकोर्ट के आदेश के क्रम में उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग द्वारा 9-01-2020 को लिया गया था। यही नहीं ये व्यवस्था संघ लोकसेवा आयोग की आईएएस, आईपीएस सहित अन्य सिविल सेवाओं के चयन में भी लागू है। ऐसे में सपा प्रमुख द्वारा चार साल (19 फरवरी 2020) पहले अखबार में छपी खबर को अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट करना बेहद गैर जिम्मेदाराना हरकत है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि अखिलेश यादव चार साल पुरानी खबर डालकर समाज में जातियों के बीच नफरत और वैमनस्यता फैला रहे हैं। बार बार हार का मुंह देखने के बाद सपा प्रमुख और उनकी टीम पूरी तरह से बौखला गई है और समाज को भ्रमित करने वाले ऐसे पोस्ट के जरिए सामाजिक समरसता को बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सपा प्रमुख पहले भी बेवजह की पुरानी तस्वीरों को पोस्ट करके झूठ और भ्रम फैलाने की अपनी कोशिशें जगजाहिर कर चुके हैं। ऐसी ही एक तस्वीर उन्होंने वाराणसी में वरुणा नदी को लेकर अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी, बाद में पता लगा कि वो तस्वीर उनके ही कार्यकाल की थी। अखिलेश एक राजनीतिक दल के मुखिया हैं और सांसद भी, ऐसी गैर जिम्मेदाराना हरकत उन्हें शोभा नहीं देती। इस प्रकार से सामाजिक समरसता को चोट पहुंचाने की हर कोशिश का भारतीय जनता पार्टी पुरजोर विरोध करती है।

अयोध्या के 14 गांवों में निर्माण से सेना के अभ्यास में क्या समस्या

● हाईकोर्ट ने सेना के सक्षम अधिकारी को सुनवाई में सहयोग के लिए बुलाया

विधि संवाददाता। लखनऊ

अयोध्या जनपद के कैंट क्षेत्र में सेना के अभ्यास क्षेत्र से लगे 14 गांवों की जमीनों में यदि निर्माण के लिए नक्शे पास किए जाते हैं अथवा निर्माण की अनुमति दी जाती है, तो क्या समस्या आ सकती है। हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने सेना से इस सवाल का जवाब मांगा है। पीठ ने अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव को भी हाजिर होकर यह बताने को कहा है कि क्या उक्त गांवों के लिए नक्शे की संस्तुति करना संभव है और क्या इसके लिए सेना से एनओसी लेने की आवश्यकता पड़ेगी। मामले की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी।

जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ ने यह आदेश 'प्रोटेक्शन ऑफ डिफेंस लैंड एट अयोध्या' शीर्षक से दर्ज सुओ मोटो याचिका पर दिया है।

पीठ ने इस मामले में दाखिल एक जनहित याचिका पर आदेश पारित करते हुए कहा था कि बेहतर होगा कि सुनवाई के बजाय स्वतः संज्ञान (सुओ मोटो) याचिका दर्ज की जाए। पीठ के समक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल, स्टेशन हेडक्वार्टर, अयोध्या कैंट की ओर से 11 फरवरी 2023 को अयोध्या के जिलाधिकारी को भेजे गए एक पत्र का हवाला दिया गया था। साथ ही जिलाधिकारी द्वारा 19 फरवरी 2024 को डिफेंस अधिकारियों को उक्त मामले में भेजे गए पत्र को भी पेश करते हुए दावा किया गया है कि लगभग 13391 एकड़ जमीन सेना के रायफल रेंज के तौर पर संरक्षित है। जो कैंट क्षेत्र के कई गांवों में विस्तारित है। आरोप है कि उक्त जमीनों पर अवैध कब्जे किए जा रहे हैं।

पीठ को सेना की ओर से बताया गया कि उसके फायरिंग रेंज की जमीनों पर कोई अतिक्रमण नहीं हुआ है। बताया गया कि राज्य सरकार ने 20 जनवरी 2021 को उक्त 14 गांवों की जमीनों के सम्बन्ध में एक अधिसूचना जारी की थी। जिसका मकसद फायरिंग रेंज होने के कारण किसी दुर्घटना से नागरिकों को बचाना था।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने कोर्ट रूम में ही सील किया चायनीज लहसुन

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के समक्ष शुक्रवार को उपस्थित हुए फूड सेफ्टी व ड्रग प्रशासन विभाग के अधिकारी विजय सिंह ने कोर्ट रूम में ही कथित चायनीज लहसुन को सील किया। बीते गुरुवार को पीठ के समक्ष एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान आधा किलो प्रतिबंधित चायनीज लहसुन प्रस्तुत किया गया था। याचिकाकर्ता मोतीलाल यादव का कहना है कि यह चायनीज लहसुन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। वर्ष 2014 से ही यह भारत में प्रतिबंधित है। बावजूद इसके यह बाजारों में धड़ल्ले से बिक रहा है। पीठ के समक्ष हाजिर हुए अधिकारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि चायनीज लहसुन की सूचना देने के लिए विभाग द्वारा एक टोल फ्री नंबर 18001805533 जारी किया गया है। उनका यह भी कहना था कि तीन टीमें बनाकर राजधानी के तमाम मंडियों में छापेमारी भी की गई है। लेकिन अब तक चायनीज लहसुन की बरामदगी नहीं हो सकी है। जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ला की पीठ ने इस पर मामले की अगली सुनवाई एक अक्टूबर के लिए नियत कर दी है। साथ ही वर्ष 2014 के उक्त आदेश को रिकॉर्ड पर लाने का भी आदेश दिया। पीठ ने यह भी पता करने को कहा है कि प्रतिबन्ध के बावजूद उक्त लहसुन की सप्लाई कैसे हो रही है।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
शाखा कार्यालयः इंडियन बैंक, सीपी 198, प्रथम तल, अमाया ग्रीन्स, विराज खंड, लखनऊ
शुद्धि पत्र
सूचित किया जाता है कि दिनांक- 27.09.2024 को प्रकाशित **सोने की नीलामी सह आमंत्रण सूचना में "श्री इमरान, खाता सं. 7355582223 एवं 7362986250"** में आभूषण नीलामी की तिथि व समय: 05.10.2024 दोपहर 03:00 बजे से सायं 04.00 बजे, निरीक्षण की तिथि: 05.10.2024, सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक एवं ईएमडी की तिथि: 05.10.2024 त्रुटिवश गलत प्रकाशित हो गया उसके स्थान पर **आभूषण नीलामी की तिथि व समय:** 15.10.2024 दोपहर 03:00 बजे से सायं 04.00 बजे, **निरीक्षण की तिथि:** 15.10.2024, सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक एवं **ईएमडी की तिथि:** 15.10.2024 माना व पढ़ा जाये। शेष नियम व शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

बजाज आलियान्ज़ लाइफ़ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय: बजाज आलियांज हाउस, एयरपोर्ट रोड, येरवडा, पुणे - 411006. फोन: 020 66026777,
सार्वजनिक सूचना
इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि, बजाज आलियान्ज़ लाइफ़ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का ओजल मॉल, यूटीआई बैंक के ऊपर, होटल मुकुंद पैलेस के सामने जंक्शन रोड मथुरा, जिला - मथुरा, उत्तर प्रदेश - २८१००१ पर स्थित कार्यालय ०१-दिसंबर-२०२४ से उसके नए पते बजाज आलियान्ज़ लाइफ़ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड, प्रथम तल, जे-११, चार्टर्ड चैंबर, डैम्पियर नगर, मथुरा, उत्तर प्रदेश- २८१००१ पर स्थानांतरित होगा।

अनुसूचित जाति-जनजाति आयोग गठित

लखनऊ। राज्य सरकार की तरफ से अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष के रूप में पूर्व विधायक बैजनाथ रावत को मनोनीत किया गया है। बैजनाथ भुलभुलिया, मजरा व पोस्ट सेमराबां, भामा कोठी, विकास खण्ड सिधौर, बाराबंकी के रहने वाले हैं। वहीं उपाध्यक्ष पद पर जीत सिंह खरवार निवासी ग्राम कुशमहा, पोस्ट गोविन्दपुर, सोनभद्र को मनोनीत किया गया है। जबकि सदस्यों में हरेन्द्र जाटव निवासी ग्राम फ्लेहड़ा, पोस्ट मोदीपुरम, मेरठ, महिपाल वाल्मीकि निवासी ग्राम व पोस्ट हरौड़ा, सहारनपुर, संजय सिंह निवासी सेक्टर 3, हाउस नं. 12, ग्रेटर ग्रीन पार्क, बरेली, दिनेश भारत निवासी ग्राम मन्दरा, पोस्ट नगला सबला, आगरा, शिव नारायण सोनकर निवासी ग्राम भरूआ सुमेरपुर, पोस्ट सुमेरपुर, हमीरपुर, नीरज गौतम निवासी ग्राम व पोस्ट सेहुद, औरैया, रमेश कुमार तूफानी निवासी बारा घसियारी मण्डी, काली बाड़ी मार्ग, लखनऊ, नरेन्द्र सिंह खजूरी निवासी 188, मानसरोवर, गली नम्बर जीरो, निकट मवाना बस अड्डा, मेरठ, तीजाराम ग्राम गुरेहठा, पोस्ट खरगपुर, आजमगढ़, विनय राम गुलौरी रतनपुरा, थाना हलधरपुर, मऊ, अनिता गौतम निवासी ग्राम मुडेरवाकलॉं, थाना इटियाथोक, गोण्डा, रमेश चन्द्र ग्राम व पोस्ट गोविन्दपुर, कानपुर, मिठाई लाल ग्राम सभा रामकिशुनपुर बसही, पोस्ट ऊज, भदोही, उमेश कठेरिया 575, बालजती, कठरा चॉंदखौं, पुराना शहर, बरेली, जितेन्द्र कुमार निवासी ग्राम सैवढ़ा, पोस्ट शेरगढ़, तहसील चायल, कौशाम्बी, अनिता कमल निवासी ग्राम व पोस्ट जहांगीरगंज, अम्बेडकरनगर को मनोनीत किया गया है।

पायनियर वर्गीकृत
सूचना
सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र अमित कुमार के गलत कृत्यों व चाल चलन ठीक ना होने के कारण उसे अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। मेरे पुत्र अमित कुमार का कृत्य परिवार के प्रति अत्यंत क्रूरता पूर्ण हो गया है उसके किसी भी कृत्य व लेन देन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं है हरिश्चंद्र राम पुत्र शिवराम निवासी मकान संख्या 590 पी0के0-233 के0एन0 1090 यमुनापुरम कॉलोनी हैबतमऊ मवैया लखनऊ

भाजपा सरकार में अन्नदाता चौतरफा संकटों से घिरा हुआ: अखिलेश यादव

● किसानों को खाद-बीज और अन्य सुविधाएं भी नहीं उपलब्ध करा पा रही सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में किसान उपेक्षा का शिकार है। भाजपा ने किसानों से आय दोगुनी करने से लेकर अन्य कई बड़े-बड़े वादे किये लेकिन कोई भी वादा पूरा नहीं किया। यह सरकार किसानों को खाद-बीज और अन्य सुविधाएं भी नहीं उपलब्ध करा पा रही है। किसानों को आलू, गेहूं और अन्य फसलों की बुआई के लिए डीएपी, एनपीके और अन्य उर्वरकों की आवश्यकता है लेकिन कन्नौज, मैनपुरी, सम्भल समेत अन्य जिलों के किसान डीएपी खाद और उर्वरकों के लिए भटक रहे हैं। सहकारी समितियों पर उर्वरक नहीं है। सम्भल में डीएपी के लिए किसान दिनभर लम्बी-लम्बी लाइन में खड़े दिखाई देते है। फिर भी खाद नहीं मिल रही है। किसान खुद को ठगा महसूस कर रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्नदाता चौतरफा संकटों से घिरा हुआ है। तराई जिलों में किसान बाढ़ से पीड़ित हैं। सैकड़ों गांव बाढ़ की चपेट में हैं। उनकी फसलें बर्बाद हो चुकी है। सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं मिल रही है। बहराइच, लखीमपुर खीरी, बलरामपुर और सीतापुर में भेड़िया और जंगली जानवरों से किसानों और आम लोगों में दहशत और परेशानी है। जंगली जानवरों के हमले में कई लोगों की जान जा चुकी है। इसी तरह से छुट्टा जानवरों के कारण भी किसानों की फसलों को भारी नुकसान हो रहा है लेकिन यह सरकार किसानों की समस्याओं के प्रति पूरी तरह उदासीन है। भाजपा सरकार में पूरे सिस्टम पर भ्रष्टाचार और अकर्मण्यता हावी है। किसानों को लेकर हमेशा इस सरकार का रवैया उपेक्षापूर्ण रहा है। भाजपा सरकार की नीतियां किसान विरोधी और शोषणकारी है। किसानों का हर स्तर पर शोषण हो रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश का किसान भाजपा के झूठ और लूट को समझ चुका है। अब किसान इस सरकार को बर्दाश्त नहीं करेगा। आने वाले समय में भाजपा को सबक सिखाएगा।

मुख्यमंत्री ने जनहानि से प्रभावित परिवारों को तत्काल अनुमन्य राशि प्रदान करने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तेज बारिश के दृष्टिगत संबंधित जनपदों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण करते हुए राहत कार्य पर प्रमुखता से नजर रखें और प्रभावित लोगों को भरपूर मदद प्रदान करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आपदा से हुई जनहानि से प्रभावित परिवारों को अनुमन्य राहत राशि अविलंब प्रदान किए, जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा अथवा पशु हानि हुई, ऐसे प्रभावितों को तत्काल अनुमन्य वित्तीय सहायता प्रदान की जाए।

पर्यटकों को लुभा रही है प्रभु श्री राम की नगरी सूर्यकुंड व गुप्तार घाट बने आकर्षण का केंद्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ अयोध्या

योगी सरकार में अयोध्या में भव्य राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के बाद से लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। राम मंदिर के बाद सबसे बड़े पर्यटन स्थल के रूप में दर्शन नगर स्थित सूर्यकुंड उभरा है। यह दर्शनार्थियों और पर्यटक के आगमन से और चमक उठा है। अकेले सितंबर माह में ही यहां 50 हजार के करीब पर्यटक पहुंच चुके हैं। इसके अलावा गुप्तारघाट का गुप्त हरि गार्डेन भी पर्यटकों की फेहरिस्त में शामिल हो गया है। अगर अयोध्या में तीसरे नम्बर पर सबसे अधिक पसंद किए जाने वाले स्थल की बात करें तो वह गुप्त हरि गार्डेन के रूप में सामने आ रहा है। अयोध्या विकास प्राधिकरण के आंकड़े इस बात की तस्दीक करते हैं। प्रदेश की योगी सरकार ने जब से अयोध्या के लिए खजाना खोला है। तब से रामनगरी विश्व के फलक पर चमक रही है। सीएम योगी आदित्यनाथ खुद अयोध्या के विकास पर नजरें टिकाए हुए हैं। अयोध्या में विकास कार्य चला रहीं करोड़ की परियोजनाओं आये दिन सीएम समीक्षाएं भी करते हैं। इसी का नतीजा है की अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के साथ ही पर्यटन स्थल और मठ-मंदिरों का भी सौन्दर्यीकरण कराया गया है। इनमें सूर्यकुंड और अयोध्या कैंट स्थित गुप्त हरि गार्डन छा गया है। लगभग रोजाना हजारों की संख्या में श्रद्धालु व पर्यटक पहुंच रहे हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को हुई थी। उसके बाद से अब तक तीन करोड़ श्रद्धालुओं ने रामलला के दर्शन किये हैं। वे मंदिर दर्शन के साथ ही अन्य मठ मंदिरों और पर्यटन स्थल पर भी जा रहे हैं। सबसे अधिक पर्यटक सूर्यकुंड में पहुंच रहे हैं। सीएम योगी ने साफ कह दिया था कि अयोध्या को पर्यटन की दृष्टि से इस कदर सजाया और संवारा जाए, ताकि यहां आने वाला हर एक शख्स बार-बार आने की इच्छा जाहिर करे। इसी बात को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ भी अपने हर दौरे पर अधिकारियों को निर्देश देकर जाते हैं।

सूर्यकुंड में सूर्य देव का एक मंदिर है। एक पोखरा है, जिसमें रात के समय फाउंटेन शो होता है। इसमें फव्वारे पर ही सूर्य देव से जुड़ा विजुअल दिखाया जाता है। इसके अलावा लाइटिंग और यहां आधुनिक झूले भी लगाए गए हैं। योगी सरकार ने करोड़ों की लागत से संवारा जो आज सूर्यकुंड अपने आप में अनोखा है।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD
मण्डलीय कार्यालय लखनऊ: न्यू बिल्डिंग, द्वितीय तल, हजरतगंज, लखनऊ-226001
फोन: 0522-2286272, 2287283, फैक्स: 0522-2288033, ई-मेल: zolucknow@indianbank.co.in

ई- नीलामी बिक्री सूचना

वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित के प्रवर्तन अधिनियम (सरफेसी) 2002 के पठित नियम 8(6) के अन्तर्गत बैंक में बंधक रखी अचल सम्पत्तियों की ई-नीलामी की सूचना

जैसाकि, इंडियन बैंक (पूर्ववर्ती इलाहाबाद बैंक) के बकायों के तथा उसमें वर्णितनुसार ब्याज की वसूली हेतु "जहाँ है जो है, जो कुछ भी है वहाँ पर" के आधार पर उसे बेचने के अधिकार के साथ निम्नलिखित ऋण खाता में वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित के प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के धारा 13(2) के अधीन जारी की गई सूचना के अनुपालन में बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने निम्नलिखित सम्पत्ति/यों का रचनात्मक कब्जा ले लिया है और जैसा कि बकायों का पुर्न भुगतान न करने के फलस्वरूप, अधिनियम की धारा 13(4) के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी कथित सम्पत्ति/यों की ई-नीलामी सेवाप्रदाता के माध्यम से बिक्री करके बैंक के बकायों की वसूली का प्रस्ताव रखता है। वर्तमान में सम्पत्तियों का **सांकेतिक कब्जा** उपलब्ध है।

क्र. सं.	ऋणी/प्रोपराइटर/पाटनर्स/निदेशक/जमानतकर्ता का नाम एवं पता	अचल सम्पत्ति बंधक का विवरण	मांग सूचना की तिथि / कब्जा सूचना की तिथि / मांग सूचना के अनुसार बकाया राशि	(क) आरक्षित मूल्य (ख) धरोहर राशि (ग) ईएमडी जमा करने के लिए खाता विवरण (घ) वृद्धि बोली राशि	ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि / ई-निलामी की तिथि व समय
	शाखा: लखनऊ सिटी				
1.	1. मेसर्स श्री कृष्ण ट्रेडर्स (ऋणी, प्रोपराइटर फर्म), कार्यालय का पता: 332/32 घड़ियाली गली, चौक लखनऊ 2. अमित अग्रवाल पुत्र नरेश कुमार अग्रवाल (ऋणी, जमानतकर्ता एवं बंधककर्ता), कार्यालय का पता: 332/32 घड़ियाली गली, चौक लखनऊ निवास का पता: 96/188 पुराना गणेश गंज, लखनऊ 3. अंजू अग्रवाल पत्नी अमित अग्रवाल (जमानतकर्ता एवं बंधककर्ता), कार्यालय का पता: 332/32 घड़ियाली गली, चौक लखनऊ निवास का पता: 96/188 पुराना गणेश गंज, लखनऊ	1. आवासीय भवन के सभी भाग व खण्ड, मकान सं. 408/96 स्थित चौपटिया रोड लखनऊ यूपी, विक्रय विलेख दिनांक 21.12.2011 के अनुसार बही सं. 1, जिल्द संख्या 8624 पृष्ठ संख्या 313 से 354 क्रमांक 16431, रजिस्ट्रार के कार्यालय में पंजीकृत, क्षेत्रफल-120.353 वर्ग मीटर, **मालिक:** श्री अमित अग्रवाल एवं श्रीमती अंजू अग्रवाल, **चौहद्दी: पूर्व:** वारिसान स्व0 पंडित विश्वनाथ गौड़ का मकान एवं शिव शंकर (बब्लू) का मकान, **पश्चिम:** 15 फीट चौड़ी चौपटियां रोड, **उत्तर:** गली 10 फीट चौड़ी, **दक्षिण:** वारिसान स्व0 पंडित विश्वनाथ गौड़ का मकान 2. सम्पत्ति के सभी भाग व खण्ड, दुकान सं. एल-12 लोअर ग्राउंड फ्लोर मकान सं. 215/448 ए कला निवास का भाग, सुभाष मार्ग नाका हिंडोला, लखनऊ, क्षेत्रफल 12.509 वर्ग मीटर, विक्रय विलेख के अनुसार बुक संख्या 1 8577, पृष्ठ 255 से 282, क्रमांक 5536, दिनांक 21.07.2011 को उप रजिस्ट्रार (III) लखनऊ में पंजीकृत, **चौहद्दी: पूर्व:** दुकान सं. एल-11, **पश्चिम:** दुकान सं. एल-13, **उत्तर:** कॉम्प्लेक्स 9.6 फीट का मार्ग, **दक्षिण:** दीगर की संपत्ति	18.05.2024 04.09.2024 रू. 95,68,786.00 दिनांक 18.05.2024 तक + ब्याज + लागत, अन्य शुल्क एवं उस पर खर्चे	(क) रू. 69,68,000/- (ख) रू. 6,98,000/- (ग) 6127853725 IFSC: IDIB000H561 हजरतगंज शाखा (घ) रू. 10,000/- (क) रू. 23,50,000/- (ख) रू. 2,35,000/- (ग) 6127853725 IFSC: IDIB000H561 हजरतगंज शाखा (घ) रू. 10,000/-	दिनांक 29.10.2024 तक दिनांक 30.10.2024 प्रातः 11.00 बजे से दोपहर 03.30 बजे
	शाखा: फैकल्टी ऑफ डेन्टल साइंस, लखनऊ				
2.	1. मेसर्स फेयरमेड इंटरप्राइजेज द्वारा प्रोपराइटर श्री अरुण कनोडिया (ऋणी), पता: 499/366, इंडियन बैंक बिल्डिंग के पास हसनगंज, डालीगंज, लखनऊ, 226020 पता: 521 क/097/5/6 97बी, महानगर लखनऊ, 226001 2. श्री अरुण कनोडिया पुत्र श्री दीप चंद्र कनोडिया (जमानतकर्ता/बंधककर्ता) पता: फ्लैट नं. एफ 3 सी, पहली मंजिल, बिल्डिंग जिसे "टीएमटी इस्टेट" के नाम से जाना जाता है, टी.जी.सिविल लाइन्स, न्यू हैदराबाद, लखनऊ-226007	फ्लैट नं. एफ 3 सी, पहली मंजिल, बिल्डिंग जिसे टीएमटी इस्टेट के नाम से जाना जाता है, टी जी सिविल लाइन्स, न्यू हैदराबाद, लखनऊ 226007, **मालिक:** श्री अरुण कनोडिया, **चौहद्दी: उत्तर:** फ्लैट नं. एफ-2, **दक्षिण:** लेन, **पूर्व:** सड़क, **पश्चिम:** लॉबी	09.11.2022 17.03.2023 रू. 68,67,655.00 दिनांक 09.11.2022 तक + ब्याज + लागत, अन्य शुल्क एवं उस पर खर्चे	(क) रू. 41,50,000/- (ख) रू. 4,15,000/- (ग) 6127853725 IFSC: IDIB000H561 हजरतगंज शाखा (घ) रू. 10,000/-	दिनांक 17.10.2024 तक दिनांक 18.10.2024 प्रातः 11.00 बजे से सायं 03.30 बजे

इच्छुक बोलीदाता शीर्षक दस्तावेज, संपत्ति और उसके निरीक्षण के बारे में सत्यापन के लिए इंडियन बैंक (पूर्ववर्ती इलाहाबाद बैंक), उपरोक्त शाखा से कार्यालय समय में दिनांक 28.10.2024 (क्रम सं. 1 के लिए) एवं 16.10.2024 (क्रम सं. 2 के लिए) से पहले संपर्क कर सकते हैं एवं नीलामी से संबंधित जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाता उपरोक्त शाखा से संपर्क कर सकते हैं।

अधिक जानकारी और नियम एवं शर्तें डाउनलोड करने के लिए कृपया देखें- https://www.ebkray.in
सरफेसी अधिनियम 2002 के तहत उधारकर्ताओं/जमानतकर्ताओं को बिक्री सूचना के बारे में अधिसूचित किया जाता है।

सीन: लखनऊ, दिनांक : 28.09.2024 प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक (पूर्ववर्ती इलाहाबाद बैंक)

मुख्यमंत्री योगी शारदीय नवरात्रि के पहले दिन करेंगे मिशन शक्ति के पांचवे चरण का शुभारंभ

● मुख्य सचिव ने अफसरों सग बैठक कर अभियान के दौरान होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी शारदीय नवरात्रि के पहले दिन मिशन शक्ति फेज-5.0 का शुभारंभ करेंगे। इस संबंध में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शुक्रवार को संबंधित विभाग के अफसरों संग बैठक कर अभियान के दौरान होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने संबंधित विभागों को अभियान की तैयारियों के संबंध में भी निर्देशित किया।

मुख्य सचिव ने कहा कि महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु मिशन शक्ति, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विशेष अभियान है। अभियान की रूपरेखा के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां संबंधित विभाग द्वारा पूरा कर ली जाएं। सभी जनपदों को लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में ऑनलाइन लिंक के माध्यम से जोड़ा जाए। राजधानी लखनऊ के साथ समस्त जनपदों में महिला सशक्तिकरण रैली का आयोजन किया जाए।

उन्होंने कहा कि लखनऊ के तर्ज पर सभी कमिश्नरेट्स में महिलाओं के लिए 'पिंक बूथ' का निर्माण किया जाये 'पिंक स्कूटी/ पिंक पैट्रॉल' की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। प्रत्येक थाने में महिला बैरक की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। सार्वजनिक स्थलों यथा मॉल, सार्वजनिक स्मारक, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, चिड़ियाघर आदि पर शिशुओं के लिये फीडिंग रूम्स की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। इसके अलावा औद्योगिक शहरों में सेल्फ ग्रुप महिलाओं के माध्यम से कैंटीन का संचालन किया जाए।

लखनऊ और नोएडा में वर्किंग वूमेन हॉस्टल बनाया जाए। सभी कार्यस्थलों पर महिलाओं के लिए शौचालय की पृथक से व्यवस्था होनी चाहिए। ऐसे सभी कार्यस्थल जहां महिलाएं कार्यरत हैं, वहां क्रेच की व्यवस्था सुनिश्चित करायी जाये। बैठक में बताया गया कि महिलाओं में स्व-उद्यमिता विकसित करने के दृष्टिकोण से 1090 चौराहे पर वूमेन्स फेस्ट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्वयं महिलाओं एवं विभिन्न सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी एवं स्टाल लगायी जाएगी। साथ ही इस कार्यक्रम के अन्तर्गत साँस्कृतिक संगीत संध्या, वार्ता कार्यक्रम, स्वास्थ्य चेक-अप कैंप, प्रेरणात्मक भाषण, नुक्कड़-नाटक, प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, साफ-सफाई व स्वास्थ्य सत्र, आदि कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, जागरूकता के संबंध में 3 माह (90 दिवस) की अवधि के दौरान 10-10 दिवस के 9 विशेष अभियान संचालित किये जायेंगे। महिलाओं एवं बच्चियों से संबंधित साइबर अपराध के पंजीकृत अभियोगों एवं प्रार्थना पत्रों के शत प्रतिशत निस्तारण के लिए प्रथम 10 दिवस ऑपरेशन गरुड़ संचालित किया जायेगा।

आईजीआरएस के प्रकरणों में भ्रामक आख्या लगाने वालों के खिलाफ करें सख्त कार्रवाईः मुख्य सचिव

● मुख्य सचिव ने सभी मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए की साप्ताहिक बैठक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से समस्त मण्डलायुक्तों व जिलाधिकारियों के साथ शुक्रवार को बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि सभी जिलाधिकारियों द्वारा प्रतिदिन रेंडमली 2 असंतुष्ट फीडबैक प्राप्त आईजीआरएस प्रकरणों की समीक्षा की जाए। भ्रामक आख्या लगाने वाले कर्मियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करें। आगामी साप्ताहिक समीक्षा बैठक से पूर्व सभी जिलाधिकारियों द्वारा प्रथम शिकायत निस्तारणकर्ता अधिकारियों (एल-1) के साथ बैठक कर उन्हें सेंसटाइज किया जाये कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है। शिकायतकर्ता की संतुष्टि का स्तर बढ़ाने के लिए निस्तारण से पूर्व अथवा निस्तारण के समय वह एक बार आवेदक से अवश्य बात करें अथवा स्थलीय निरीक्षण करें।

निराश्रित गोवंश संरक्षण एवं गो आश्रय स्थल निर्माण की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जनपदों में पर्याप्त मात्रा में गो आश्रय स्थल उपलब्ध हैं। एक बार पुनः शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में निरीक्षण कराया जाये और शत-प्रतिशत निराश्रित गोवंश को गो-आश्रय स्थलों में संरक्षित किया जाये। सभी आश्रय स्थलों में भूसा, हरा चारा, पानी आदि की समुचित व्यवस्था होनी चाहिये। उन्होंने राजस्व विभाग को ग्रामवार गोचर भूमि की सूची तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि बारिश के उपरांत गोचर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करने का अभियान चलाया जाये। अतिक्रमण से मुक्त होने के उपरांत भूमि को पशुपालन विभाग द्वारा उपयोग में लिया जाये। बैठक में बताया गया कि 503 वृहद् गो संरक्षण के सापेक्ष 321 का कार्य पूरा हो चुका है। पीएम सूर्यघर-मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि योजना के तहत प्रदेश में 25 लाख घरों के सोलराइजेशन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस योजना में उत्तर प्रदेश को शीर्ष स्थान दिलाना है। रजिस्ट्रेशन के सापेक्ष प्लांटस के इंस्टॉलेशन में प्रगति लायी जाये। इसके अलावा वेण्डर के साथ भी बैठक की जाये। लोगों को जागरूक करने के लिए बैंक, बिजली घर व अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कैंप लगाये जाये। इसी प्रकार उन्होंने 31 दिसंबर, 2025 तक सभी शासकीय भवनों में सोलर पैनल लगाने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये।

सभी चिकित्सा पेशेवरों के लिए जरूरी हैं सुरक्षित इंजेक्शन प्रक्रिया

● केजीएमयू ने स्नातक छात्रों के लिए एनएमसी द्वारा अनिवार्य कौशल कार्यशाला के पहले बैच की मेजबानी की

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने अपने प्रमुख कार्यक्रम केजीएमयू बेस्ट (प्रशिक्षण के माध्यम से आवश्यक कौशल का निर्माण) के तहत 26-27 सितंबर 2024 को स्नातक मेडिकल छात्रों के लिए एक विशेष कौशल विकास कार्यशाला का आयोजन किया। 2 दिवसीय कार्यशाला का फोकस छात्रों को दवा देने के लिए खून की नस और मांसपेशियों के साथ-साथ पेशाब की नली सहित आवश्यक नैदानिक प्रक्रियाओं पर प्रशिक्षित करना था। प्रोफेसर रिदम (संगठन सचिव) ने जोर देकर कहा कि ये कार्यशाला संक्रमण को रोकने और इंजेक्शन के सुरक्षित प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए संक्रमण रहित उपकरणों के उपयोग, उचित हाथ की स्वच्छता और सड़न रोकने वाली तकनीकों जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर केंद्रित है। इस अंतर्संक्रिय, व्यावहारिक सत्र का उद्देश्य भविष्य के स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की नैदानिक दक्षताओं को मजबूत करना है। इन महत्वपूर्ण रोगी-देखभाल तकनीकों में दक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिभागियों को अनुभवी संकाय से व्यापक प्रदर्शन और व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान कराया गया।

प्रोफेसर अंजू अग्रवाल (संगठन अध्यक्ष), ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केजीएमयू बेस्ट, छात्रों को प्रभावी नैदानिक अभ्यास के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल में दक्षता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कार्यशाला उस लक्ष्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो सैद्धांतिक ज्ञान और वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग के बीच अंतर को कम करता है।

एलयू में फार्मेसी की सीट पहली काउंसलिंग में भरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंसेज में बीफार्म की सभी सीटें पहली ही काउंसलिंग में भर चुकी हैं।, फैकल्टी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष 2021 से संचालित है। यह संस्था फार्मेसी कौंसिल ऑफ़ इंडिया से मान्यता प्राप्त है, संस्थान नव निर्मित भवन में संचालित है जिसका उद्घाटन 2 सितम्बर 2024 को प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के द्वारा कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इस भवन में 13 उपकरणों सहित सुसज्जित लैब एवं 2 बड़े लेक्चर थियेटर एवं 8 बड़े लेक्चर रूम सभी सुविधाओं सहित उपलब्ध है। संस्थान में वर्तमान में विभिन्न प्रदेशो के लगभग 500 से अधिक छात्र छात्रायें सुयोग्य शिक्षकों के द्वारा शिक्षा ग्रहण कर रहे है।

विद्युत कर्मी को इलाज न मिलने पर पीएचसी प्रभारी हटे, जताई नाराजगी

● डिप्टी सीएम के निर्देश पर चार सदस्यीय जांच कमेटी गठित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बलरामपुर के रेहरा बाजार स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में करंट से झुलसे बिजलीकर्मी अलगराम प्रजापति को समुचित इलाज न मिलने के प्रकरण को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने गंभीरता से लिया है। आरोप हैं कि जिस समय मरीज इलाज के लिए पहुंचा था, उस वक्त प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. उत्कर्ष मिश्रा ड्यूटी पर उपस्थित नहीं थे। मौके पर अन्य डॉक्टर व फार्मासिस्ट ने लाइनमैन को प्राथमिक उपचार मुहैया कराया। फिर रोगी को अन्य अस्पताल को रेफर कर दिया। रास्ते में लाइनमैन की मृत्यु हो गयी।

सोशल मीडिया से प्राप्त शिकायत का डिप्टी सीएम ने संज्ञान लिया। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को डॉ. उत्कर्ष मिश्रा रेहरा बाजार पीएचसी से हटाने के निर्देश दिए। पीएचसी के समस्त प्रभार सादुल्लाहनगर सीएचसी के डॉ. मंशा लाल को हस्तगत कर दिए गए हैं। डॉ. उत्कर्ष को मथुरा बाजार की पीएचसी में स्थानान्तरित किया गया है। डिप्टी सीएम के निर्देश पर सीएमओ ने चार सदस्यीय कमेटी गठित की है। जिसमें अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनिल कुमार चौधरी, उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रविनंदन त्रिपाठी, जिला मलेरिया अधिकारी राजेश कुमार पांडेय और स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद कुमार मिश्र शामिल हैं। पूरे प्रकरण की जांच रिपोर्ट एक सप्ताह के अन्दर तलब की है। जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषी चिकित्साधिकारी के विरुद्ध शासन स्तर से भी कार्यवाही की जायेगी।

लोहिया के मातृ एवं शिशु रेफरल हॉस्पिटल की व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश

लोहिया संस्थान के शहीद पथ स्थित मातृ शिशु एवं रेफरल हॉस्पिटल में बदइंतजामी पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने नाराजगी जाहिर की है। एक बेड पर तीन रोगियों को लिटाने का मामला सामने आया है। तीमारदार की शिकायत का संज्ञान लेते हुए डिप्टी सीएम ने बदइंतजामी को दूर करने के निर्देश दिए हैं। शहीद पथ स्थित मातृ शिशु एवं रेफरल हॉस्पिटल में महिलाओं और बच्चों को इलाज उपलब्ध कराया जाता है। एक तीमारदार ने हॉस्पिटल में एक बेड पर 3 रोगियों के लिटाने के गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में तीमारदार ने फोटो भी संलग्न किये हैं। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने शिकायत का संज्ञान लेते हुए निदेशक को व्यवस्था सुधारने की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि रोगियों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाये। इस तरह की घटनाओं से सरकार की छवि धूमिल हो रही है। रोगियों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने में किसी भी तरह की लापरवाही ठीक नहीं है।

यह विडम्बना है कि जनहित याचिका में जनहित की योजना को चुनौती दी जाएः हाईकोर्ट

विधि संवाददाता। लखनऊ

सांसद आदर्श ग्राम योजना को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को विस्तृत निर्णय देते हुए हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। पीठ ने अपने निर्णय में टिप्पणी करते हुए कहा है कि यह विडम्बना है कि जनहित याचिका के माध्यम से एक जनहित की योजना को चुनौती दी जा रही है।

जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश नैतिक पार्टी की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। वर्ष 2014 में दाखिल इस याचिका में ग्राम्य विकास मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा सांसद आदर्श ग्राम योजना के सम्बन्ध में जारी 11 अक्टूबर 2014 के दिशा निर्देशों को चुनौती दी गई थी। याचिका में कहा गया था कि इस प्रकार की योजना संविधान के भाग 9 और विशेषतः अनुच्छेद 243जी के तहत ग्राम पंचायतों को दिए गए अधिकारों का स्पष्ट उल्लंघन है। कहा गया कि आदर्श ग्राम का चयन भी सांसद का अधिकार है। याचिका का केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से विरोध किया गया। पीठ ने अपने निर्णय में कहा है कि यह योजना 10 वर्ष से लागू है। लेकिन रिकॉर्ड पर ऐसा कोई भी तथ्य नहीं है, जिससे यह पता चलता हो कि इस योजना को लेकर कोई विधिक अथवा अन्य अड़चन सामने आई हो। याचिकाकर्ता की ओर से भी ऐसा कोई दृष्टांत नहीं प्रस्तुत किया जा सका है।

सौतेले पिता को 20 वर्ष का कठोर कारावास

विधि संवाददाता। लखनऊ

कक्षा आठ में पढ़ने वाली बेटी से दुष्कर्म करने के आरोप में पॉक्सो की विशेष अदालत ने सौतेले पिता ललित कुमार मिश्रा को दोषी करार दिया है। विशेष जज मोहम्मद कमरुज्जमा खान ने इसे 20 वर्ष की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही इस पर 32 हजार रुपए का जुर्माना भी ठोका है। 15 सितंबर 2020 को इस मामले की एफआईआर 13 वर्षीय पीड़िता ने स्वयं थाना मड़ियांव में दर्ज कराई थी। सरकारी वकील शैलेश कुमार सिंह के मुताबिक आरोपी प्राइवेट बस चलाता था। जबकि पीड़िता की मां घरों में खाना बनाने का काम करती थी। 27 अगस्त 2020 को पीड़िता घर में अकेली थी। उसे अकेला पाकर आरोपी सौतेले पिता ने उसका मुंह दबाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान उसे मारापीटा और जानमाल की धमकी भी दी।

लोहिया में सरकारी अधिकारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आज से

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डॉ. राम मनोहर लोहिया नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी उत्तर प्रदेश सरकार के विधायी विभागों और अधिकारियों के लिए एक दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। यह कार्यक्रम 28 और 29 सितंबर 2024 को आयोजित किया जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश के विधान सभा, गृह विभाग, निबंधन विभाग और ड्राफ्टिंग विभाग के अधिकारियों को विधायी ड्राफ्टिंग की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कांस्टीट्यूशनल एंड पार्लियामेंट्री स्टडीज के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर, दोनों संस्थाओं के बीच एक महत्वपूर्ण मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे विधायी प्रशिक्षण के क्षेत्र में और अधिक सहयोगात्मक प्रयासों की नींव रखी जाएगी। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए कुलपति ने एक समिति का गठन किया है। इस समिति के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार गौतम हैं, जबकि समन्वयक के रूप में डॉ. शशांक शेखर कार्य करेंगे। समिति के अन्य सदस्य डॉ. मिताली तिवारी, डॉ. अंकिता यादव और प्रिया अनुरागिनी हैं। बता दें कि अब तक उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 140 अधिकारियों और कर्मचारियों को इस कार्यक्रम में प्रतिभाग करने के लिए नामित किया जा चुका है। कार्यक्रम में विधायी ड्राफ्टिंग के बुनियादी सिद्धांत, तकनीकी पहलू और व्यवहारिक अभ्यास सिखाए जाएंगे। इसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जो अधिकारियों को व्यावहारिक ड्राफ्टिंग कौशल विकसित करने में मदद करेंगे।

भारत सरकार की अपर सचिव ने किया स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव एवं मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, आराधना पटनायक के नेतृत्व में 29 सितम्बर तक उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के निरीक्षण हेतु भ्रमण किया जा रहा है। शुक्रवार को अपर सचिव की टीम द्वारा गोसाईगंज, मोहनलालगंज, सरोजनी नगर व लोकबंधु जिला चिकित्सालय की विभिन्न स्वास्थ्य इकाईयों का पर्यवेक्षण किया गया। जिसके उपरान्त अपर सचिव एवं मिशन निदेशक द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उप्र के सभागार में स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई।

अपर सचिव की टीम शुक्रवार सुबह गोसाईगंज पहुंची जहां पर प्रथम संदर्भन ईकाई (एफआरयू) सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया गया। अपर सचिव ने गोसाईगंज चिकित्सा ईकाई के प्रसव कक्ष (लेबर रूम) को नवीन बिल्डिंग में स्थानांतरित कराये जाने का सुझाव दिया। अपर सचिव महोदया द्वारा मोहनलालगंज के लालपुर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का निरीक्षण करते हुए पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) के द्वारा दी जा रही टेलीकंसल्टेशन सेवाओ का निरीक्षण किया। पटनायक ने निर्देश दिया कि सीएचओ मरीजों को सेवाएं प्रदान करते हुए मरीजों के फालोअप हेतु आशाओं से मरीजों की सूचीं साझा करें जिससे आशाओं द्वारा उपचारित मरीजों का फालोअप किया जा सके।

अपर सचिव ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उप्र सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उप्र की कार्ययोजना के अन्तर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों हेतु समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यदायी सस्थाओं के साथ समय-समय पर बैठक करते हुए प्रगति एवं गुणवत्ता की मॉनिटरिंग व एमओयू के अनुसार समयान्तर्गत कार्यों को पूर्ण कर विभाग को यथाशीघ्र हस्तगत कर लें, ताकि इनका शीघ्रतम संचालन जनकल्याण हेतु किया जा सके।

समीक्षा बैठक के दौरान प्रत्येक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के कार्यों को महत्वपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में तैनात प्रत्येक स्वास्थ्यकर्मी का प्रशिक्षण एवं संवेदीकरण आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में कार्यरत स्वास्थ्यकर्मियों का आप्टीमल उपयोग किये जाने पर बल दिया।

माननीय प्रधानमंत्री जी के 2025 तक टीबी उन्मूलन के स्वप्न को साकार करने के लिए राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत समस्त संभावित मरीजों का चिन्हिकरण करते हुए उनका संपूर्ण उपचार कराए जाने की बात कही। साथ ही उन्होंने गैर संचारी रोगों जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर व पायलेटिव केयर की स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता सुदृणीकरण का सुझाव दिया।

राजधानी में डेंगू के 27 केस आए सामने, 22 घरों को नोटिस

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ जनपद में डेंगू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। शुक्रवार को जनपद में डेंगू के 27 मरीज सामने आये हैं। वहीं माह जनवरी 2024 से अब तक जनपद में डेंगू के कुल 390 एवं मलेरिया के 405 धनात्मक रोगी पाये जा चुके हैं।

जिन इलाकों में डेंगू के मरीजों की पुष्टि हुई है, उनमें इन्दिरानगर-5, दूडियागंज-2, चन्दरनगर-4, अलीगंज-4, सरोजिनी नगर-3, चिनहट- 3,एन के रोड- 2,सिल्वर जुबली-2, ऐशबाग-2 एवं मलेरिया के 4 (अलीगंज, ऐशबाग, चन्दरनगर) धनात्मक रोगी पाये गये। माह जनवरी 2024 से अब तक जनपद में डेंगू के कुल 390 एवं मलेरिया के 405 धनात्मक रोगी पाये गये।

आज लगभग 1488 घरों एवं आस-पास मच्छरजनित स्थितियों का सर्वेक्षण किया गया और कुल 22 घरों में मच्छरजनित स्थितियां पाए जाने पर नोटिस जारी किया गया।

'स्वच्छता सेवा पखवाड़ा' के अन्तर्गत राजभवन में क्विज प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में 'स्वच्छता सेवा पखवाड़ा' के अन्तर्गत आज राजभवन में पर्यावरण और स्वच्छता पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। आयोजन में लखनऊ स्थित 8 विश्वविद्यालयों भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, डा एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, डा राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, डा शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, संजय गाँधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों के पर्यावरण और स्वच्छता के ज्ञान को परखा गया। विभिन्न राउण्ड में सम्पन्न क्विज प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया एवं पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दिये। इस अवसर पर एसजीपीजीआई की टीम ने प्रथम स्थान, एकेटीयू ने द्वितीय स्थान तथा केजीएमयू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विदित है कि स्वच्छता सेवा पखवाड़ा के तहत 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक राजभवन में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

राजधानी में 12 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त

● बीकेटी में ब्लाक स्तरीय टास्क फ़ोर्स की बैठक आयोजित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त पंचायत के क्रम में बक्शी का तालाब(बीकेटी) ब्लाक में ब्लाक स्तरीय टास्क फ़ोर्स की बैठक ब्लाक सभागार कार्यालय में शुक्रवार को हुई। जिला क्षय रोग अधिकारी डा. ए.के.सिंघल ने बताया कि मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला टास्क फ़ोर्स तथा बीडीओ की अध्यक्षता में ब्लाक टास्क फ़ोर्स गठित की गयी है। जनपद में 12 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त हो चुकी हैं।

विकासखंड अधिकारी पूजा पाण्डेय ने बताया कि 50 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त होने की राह में हैं इस क्रम में जो भी कार्यवाही होनी है उसे जल्द से जल्द किया जाये जिससे कि लक्ष्य की प्राप्ति हो। ग्राम पंचायतों में अधिक से अधिक स्वास्थ्य जाँच शिविर लगाकर टीबी मरीजों की स्क्रीनिंग की जाये। लोगों में टीबी के लक्षणों को लेकर अधिक से अधिक जागरूकता फैलाई जाये जिससे कि लोग स्वयं से आकर जाँच कराएं।

इस मौके पर 18 ग्राम पंचायतों के 18 टीबी मरीजों को पोषण पोटली दी गयी। इन टीबी रोगियों को विकास खंड अधिकारी और ग्राम प्रधानों द्वारा लिया गया है। इस मौके पर एडीओ पंचायत विवेक शुक्ला और नीरज , एमओटीसी डा. सब्बन अली,रामजी वर्मा, जिला पीपीएम कोऑर्डिनेटर अजीत यादव, धनेश कुमार, सुरेन्द्र सैनी, एसटीएस जन्मेजय सिंह एसटीएलएस और सीआरएस संस्था के स्टेप प्रोजेक्ट के नीरज एवं रंजन मौजूद रहे।

टीबी के लक्षण

- दो हफ्ते से ज्यादा खांसी और बुखार
- बलगम में खून आना
- रात के समय बुखार का बढ़ना और पसीना आना
- वजन कम होना
- भूख कम लगना

पीएम सूर्य घर योजना का लाभ लेने में लखनऊ अव्वल

वाराणसी, कानपुर, आगरा और प्रयागराज क्रमशः टॉप फाइव में

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सौर ऊर्जा के जरिए देश में बिजली उपलब्धता की समस्या को हमेशा के लिए समाप्त करने और जनता को करीब-करीब निशुल्क बिजली देने का अभियान यूपी में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। घर की छतों पर सोलर रूफ टॉप पैनल लगाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी 75 जिलों के लिए अलग-अलग लक्ष्य तय किया है। सीएम योगी स्वयं इस योजना की सतत मॉनीटरिंग कर रहे हैं। इसी साल शुरू हुई पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत मात्र सात महीने में ही लखनऊ जनपद में सर्वाधिक रूफ टॉप पैनल इंस्टॉल किए गए हैं। वहीं इसी क्रम में वाराणसी, कानपुर, आगरा और कानपुर नगर टॉप फाइव में हैं।

हाल ही में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा भी की है। समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रदेश में लखनऊ जनपद में सर्वाधिक 11,435 सोलर रूफ टॉप पैनल क्रियाशील कर दिये गये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में इस योजना के अंतर्गत अबतक 4088 सोलर पैनल इंस्टॉल हो चुके हैं। ऐसे ही कानपुर में 1909, आगरा में 1364 और प्रयागराज में 1349 रूफ टॉप पैनल लगाये गये हैं। प्रदेश के अन्य जनपदों में भी तेजी से अभियान को आगे बढ़ाया जा रहा है। मुख्य सचिव ने बिजली विभाग के अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिये हैं।

उत्तर प्रदेश में पीएम सूर्य घर योजना के लिए अबतक 17 लाख 75 हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन हो चुके हैं। इनमें से 32 हजार से अधिक घरों में रूफ टॉप पैनल इंस्टाल किये जा चुके हैं। बता दें कि पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत एक किलोवॉट क्षमता के रूफ टॉप पर केंद्र सरकार की ओर से 30 हजार रुपए और प्रदेश सरकार की ओर से 15 हजार रुपए यानी कुल 45 हजार रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। ऐसे ही दो किलोवॉट के लिए केंद्र द्वारा 60 हजार रुपए और प्रदेश सरकार द्वारा 30 हजार रुपए यानी कुल 90 हजार रुपए की सब्सिडी दी जा रही है। वहीं तीन किलोवॉट और उससे ऊपर के लोड के लिए केंद्र द्वारा 78 हजार रुपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपए यानी कुल 1 लाख 8 हजार रुपए की सब्सिडी जी जा रही है।

बता दें कि 15 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम सूर्य घर योजना की शुरुआत की थी। योजना का लक्ष्य 2027 तक देश के 1 करोड़ घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा के जरिए बिजली उत्पादन और उपभोग करना है। जनता पर बिजली के बिल के बोझ को कम करने के लिए शुरू की गई इस योजना को उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने तेजी से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में 25 लाख घरों पर सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके लिए यूपी के सभी सात डिस्कॉम और प्रत्येक जिले के लिए लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इस योजना की मॉनीटरिंग कर रहे हैं।

एक हजार नई दुग्ध समितियों का होगा गठन

● किसानों के दुग्ध मूल्य के भुगतान में किसी भी दशा में विलम्ब न हो: धर्मपाल सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने विभागीय अधिकारियों को दुग्ध उत्पादन बढ़ाये जाने के लिए 1000 नई दुग्ध समितियों के गठन करने के निर्देश दिये हैं। साथ ही प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को एक नई दिशा देने के लिए आवश्यक है कि समितियों की संख्या निरन्तर बढ़ाकर उन्हें मजबूत किया जाए। अक्रियाशील समितियों को क्रियाशील कर संचालित किया जाए। सिंह ने कहा कि किसानों एवं पशुपालकों को उनके दुग्ध मूल्य का भुगतान निर्धारित समयावधि में किया जाए और किसी भी दशा में विलम्ब न होने पाये।

दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह शुक्रवार को विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में विगत 6 माह में विभिन्न योजनाओं में आवंटित बजट व व्यय के विवरण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाये जाने, एनडीडीबी को दिये गये संस्थानों एवं समितियों के संचालन की गहन समीक्षा कर रहे थे। सिंह ने कहा कि माह फरवरी, 2025 तक बजट का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए और अधिकारी सभी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु आवंटित धनराशि को ससमय व्यय करे। किसानों को उनके दुग्ध मूल्य भुगतान प्रति सप्ताह किये जाने के संबंध में दुग्ध संघ वाराणसी, गोण्डा, झांसी, फिरोजाबाद, अयोध्या, बरेली एवं मथुरा को भुगतान किये जाने पर श्री सिंह ने संतोष व्यक्त किया और शेष दुग्ध संघों को यथाशीघ्र भुगतान किये जाने के निर्देश दिये।

दुग्ध विकास मंत्री ने कहा कि किसानों एवं पशुपालकों का हित राज्य सरकार की प्राथमिकता में है और इन कार्यों के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता न बरती जाए। एनआरएलएम/बैंक ऋण से पशुपालन कर रहे लाभार्थियों को दुग्ध समितियों से जोड़ा जाए और इसमें महिला कृषकों को विशेष रूप से सम्मिलित किया जाए। बैठक में बताया गया कि वर्तमान में 18108 निबंधित समितियां हैं, जिसके सापेक्ष 6,849 कार्यरत समितियां हैं। बैठक में दुग्ध विकास विभाग के प्रमुख सचिव के. रवीन्द्र नायक ने मंत्री को आश्वस्त करते हुए कहा कि किसानों एवं पशुपालकों को दुग्ध मूल्य का भुगतान में कोई विलम्ब नहीं किया जायेगा।

चारागाह की भूमि को कब्जामुक्त कराकर हरा चारा उत्पादन किया जाए: पशुधन मंत्री

लखनऊ। पशुधन विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को विगत06 माह में विभिन्न योजनाओं की अद्तन प्रगति, आवंटित बजट व व्यय विवरण की गहन समीक्षा की। श्री सिंह ने विभाग द्वारा 52 प्रतिशत बजट का उपयोग करने की स्थिति से अवगत होते हुए अधिकारियों को माह फरवरी, 2025 तक शत-प्रतिशत बजट के सदुपयोग करने के सख्त निर्देश दिए। सिंह ने कहा कि सभी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु आवंटित धनराशि को ससमय व्यय किया जाए और गोशालाओं हेतु आवंटित धनराशि प्रतिमाह दी जाए और गोसंरक्षण कार्यों में धनराशि के अभाव में किसी प्रकार का विलम्ब न होने पाए। धर्मपाल सिंह ने निर्देश दिये कि पशुओं हेतु उपलब्ध करायी जाने वाली दवाओं और वैक्सीन की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और इसमें किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। पशुओं के उत्तम स्वास्थ्य और पौष्टिक चारे के आधार पर ही कृत्रिम गर्भाधान के लक्ष्यों को पूर्ण और सफल बनाया जा सकता है।

प्रदेश सरकार ने पीड़ित दलित परिवारों के लिए आवंटित किए 1400 करोड़ से अधिक रुपए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● विभिन्न अपराधों से पीड़ित एससी/एसटी परिवारों को यूपी में 85,000 से लेकर 8.25 लाख रुपए तक की दी जाती है वित्तीय सहायता

योगी सरकार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के अधिकारों व हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। योगी सरकार ने हत्या, बलात्कार, सामूहिक बलात्कार की पीड़िताओं को साढ़े सात वर्ष में 1447 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी है। यह सहायता अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण अधिनियम, 1989) और नागरिक अधिकार संरक्षण (पीसीआर) अधिनियम के तहत प्रदान की जाती है। अपराध की गंभीरता के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि पीड़ितों और उनके परिवारों को जरूरत पर सरकार की तरफ से मदद मिले। केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार यह सहायता 85,000 रुपये से 8.25 लाख रुपये तक होती है। समाज कल्याण विभाग के निदेशक कुमार प्रशांत ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य पीड़ितों और उनके परिवारों को समय पर आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जिससे न्यायिक प्रक्रिया के दौरान उन्हें सहायता मिल सके। इस पहल के तहत सरकार यह सुनिश्चित करती है कि परिवारों को जांच और परीक्षण के महत्वपूर्ण बिंदुओं के आधार पर आवश्यक सहायता मिले।

विभिन्न अपराधों से पीड़ित एससी-एसटी की महिलाओं को न्याय मिले। इसके लिए जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सतर्कता व मॉनीटरिंग समिति कार्य करती है, जबकि तहसील स्तर पर उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में उपखंड स्तरीय सतर्कता एवं मॉनीटरिंग समिति की व्यवस्था की गई है।

हत्या या अत्याचार के कारण मृत्यु होने पर परिजनों को 8.25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता मिलती है। इसमें मुआवजा दो चरणों में वितरित किया जाता है। 50 प्रतिशत राशि पोस्टमार्टम के तुरंत बाद और शेष 50 प्रतिशत औपचारिक रूप से अदालत में चार्जशीट जमा होने के बाद प्रदान की जाती है। बलात्कार या सामूहिक बलात्कार (धारा 375, भारतीय दंड संहिता) के मामले में, पीड़ित 5.25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता के हकदार हैं। कानूनी प्रक्रिया के दौरान यह सहायता चरणबद्ध तरीके से प्रदान की जाती है।

पर्यावरण की उपयोगिता व पर्यावरण संरक्षण पर जानकारी साझा की

लखनऊ। अभाविप लखनऊ महानगर के विकासार्थ विद्यार्थी आयाम द्वारा 25 सितंबर से 2 अक्टूबर तक आयोजित विकास चेतना सप्ताह के अंतर्गत जंगल संरक्षण कार्यक्रम में पर्यावरण नैतिकता एवं जंगल विषय पर शुक्रवार को संगोष्ठी का आयोजन गौतम बुद्ध पीजी कॉलेज सरोजिनी नगर में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि अभाविप अवध प्रांत के प्रांत एग्रीविजन प्रमुख प्रो दीपा द्विवेदी, प्रांत विकासार्थ विद्यार्थी (एसएफडी) संयोजक शिवम मिश्रा, महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो रश्मि शर्मा एवं नगर मंत्री अमन दूबे ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय के हार्टिकल्चर संकाय की अध्यक्ष प्रो दीपा द्विवेदी ने मानव जीवन के विकास एवं उनके उत्थान के लिए पर्यावरण की उपयोगिता व पर्यावरण संरक्षण पर जानकारी साझा की।

मंत्री ने विश्व पर्यटन दिवस-2024 का विधिवत शुभारम्भ किया

● बुंदेलखण्ड क्षेत्र पर्यटकां के लिए आकर्षण का केन्द्र: जयवीर सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

विश्व पर्यटन दिवस-2024 रानी लक्ष्मीबाई झांसी की धरती बुंदेलखंड में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि विश्व पर्यटन दिवस-2024 की थीम पर्यटन एवं शांति है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में पर्यटन का महत्वपूर्ण योगदान है। वर्तमान समय में यूरोप व एशिया के कई देशों के बीच युद्ध जैसी स्थिति है, जिससे पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, स्वास्थ्य एवं मानवता को क्षति हो रही है। इस विश्वव्यापी संकट से उबरने में पर्यटकों की भूमिका शांतिदूत के रूप में हो सकती है। भारतीय सदियों से शांति के रास्ते पर चलते आ रहे हैं। जहां दुनिया के कई देशों ने युद्ध दिया है, वहीं भारत ने बुद्ध दिया है।

जयवीर सिंह ने कहा कि बुंदेलखंड का गौरवशाली इतिहास रहा है। इसी धरती से रानी लक्ष्मीबाई ने अपने शौर्य व पराक्रम से अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। बुंदेलखंड के आर्थिक विकास के लिए मा. प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन व मा. मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में बुंदेलखंड के सातों जनपद झांसी, ललितपुर, जालौन, चित्रकूट, महोबा, हमीरपुर और बांदा का निरंतर विकास हो रहा है। पहले की सरकारों में बुंदेलखंड उपेक्षा के साथ बेरोजगारी, किसान आत्महत्या व भुखमरी की चपेट में था, आज यह विकास की नई कहानी लिख रहा है। पर्यटन मंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। इस क्षेत्र में पर्यटकों की समस्त उत्सुकता और उत्साह को पूरा करने की क्षमता है। झांसी का किला, कालिंजर का किला, ललितपुर में स्थित गुप्त कालीन दशावतार मंदिर एवं 31 जैन मंदिरों का समूह पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

जालौन जिले में पांच नदियों का संगम है, जिसे पचनद के नाम से जाना जाता है। पचनद में यमुना, चंबल, सिंध, पहुज, और क्वारी नदियों का मिलन होता है। ऐसे अनेक ऐतिहासिक धरोहरों, ईको पर्यटन स्थलों, धार्मिक आध्यात्मिक स्थलों से बुंदेलखंड भरा पड़ा है। जयवीर सिंह ने कहा कि हमारी सरकार की प्रतिबद्धता का ही उदाहरण है कि जहां 2016 में केवल 16 करोड़ पर्यटक यूपी आए थे, वहीं अब ये आंकड़ा 48 करोड़ के पार जा चुका है। जनवरी से जून 2024 के महीनों में 32 करोड़ से अधिक पर्यटक आ चुके हैं। पर्यटन मंत्री ने कहा, 2017 में जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनी तो प्रदेश की कानून-व्यवस्था और बेहतर हुई।

हेरिटेज श्रेणी में बागपत का 'पुरा महादेव' देश का सर्वश्रेष्ट पर्यटक गांव चुना गया

लखनऊ। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार ने बागपत जिले के पुरा महादेव गांव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव चुना है। विश्व पर्यटन दिवस पर यह सम्मान शुक्रवार को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ द्वारा दिया गया। बागपत जिले के सीडीओ नीरज कुमार श्रीवास्तव, उपनिदेशक पर्यटन मेरठ मंडल प्रीति श्रीवास्तव और ग्राम प्रधान ब्रह्मपाल ने यह सम्मान प्राप्त किया। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि देश भर से विभिन्न श्रेणियों में 36 गांवों को सम्मानित किया गया जिसमें एक पुरा महादेव भी है। हेरिटेज श्रेणी में सम्मानित पुरा महादेव गांव ने राज्य को विशेष पहचान दिलाई। पुरा महादेव ग्राम अपने प्राचीन शिव मंदिर के लिए प्रख्यात है। देश विदेश से लाखों की संख्या में पर्यटक एवं तीर्थ यात्री इस गांव में आते हैं। ग्रामीण पर्यटन विकास योजना के अंतर्गत इस गांव को ग्रामीण पर्यटन के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत होमस्टे सुविधाओं का विकास, स्थानीय व्यंजनों पर आधारित खानपान व्यवस्था तथा स्थानीय हस्तशिल्प को विकसित कर यहां की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने पूछा, कागज पर कुल कितने हेक्टेयर है चारागाह

विधि संवाददाता। लखनऊ

● 28539 हेक्टेयर जमीन चारागाह के लिए हो रही है इस्तेमाल

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में राजस्व विभाग की ओर से बताया गया है कि प्रदेश के 75 जिलों में इस समय कुल 28539.22 हेक्टेयर जमीन चारागाह के लिए इस्तेमाल हो रही है। पीठ ने इस पर पूछा है कि रिकॉर्ड में चारागाह के लिए पूरे प्रदेश में कुल कितनी जमीन सुरक्षित की गई है। पीठ ने चारागाह की जमीनों पर अतिक्रमण व अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही का ब्यौरा भी तलब किया है। पीठ के समक्ष निदेशक, पशुपालन पीएन सिंह वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित हुए। उन्होंने गौशालाओं के बावत बिस्तृत हलफनामा देने के लिए समय की मांग की। पीठ ने इसे स्वीकार कर लिया। पीठ ने उनसे यह भी पूछा था कि 30 रुपए प्रतिदिन में गौशाला के मवेशियों जिनमें मुख्यत: गायें हैं, उन्हें क्या खिलाया जाता है। मामले की अगली सुनवाई नवंबर के पहले हफ्ते में होगी। जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ ने यह आदेश अर्चना सिंह तोमर की जनहित याचिका पर दिया है। पीठ ने इस याचिका पर पिछली सुनवाई के दौरान पूछा था कि क्या हाल में कोई सर्वेक्षण इत्यादि हुआ है, जिससे पता चल सके कि गांवों में कितने चारागाह बचे हैं। क्या वे अब भी अपने पुराने स्वरूप में बचे हैं या कुछ क्षेत्र कम हुआ है अथवा पूरी तरह से गायब हो गए हैं। पीठ ने गौशालाओं के सम्बन्ध में भी कहा था कि हम जानना चाहते हैं कि इन गोशालाओं को चलाने का क्या मैकेनिज्म है। इसमें कितने लोगों को नियुक्त किया गया है। पीठ ने नगर निगम लखनऊ से भी पूछा है कि कांजीहाउस और कान्हा उपवन चलाने का क्या मैकेनिज्म है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने हजरत दादा मियां की दरगाह पर पेश की चादर

लखनऊ। महान सूफी संत हज़रत दादा मियां साहब के 117 वें उर्स के अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने माल एवेन्यू स्थित हजरत दादा मियां की दरगाह पर चादर पेश की तथा प्रदेश वासियों के अमन चैन एवं खुशहाली के लिए दुआ की। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि धार्मिक सद्भव के साथ समाज मे मानव कल्याण के साथ धर्म के आध्यात्मिक पक्ष के पैरोकार रहे सूफी संत, ऋषि मुनियो की परम्परा पर चलकर ही मानव सेवा की जा सकती है। आज हम सबने यहां दुआये मांगी हैं और प्रार्थना की है कि महान सूफी संत हज़रत दादा मियां साहब हमें शक्ति दे कि हम राष्ट्र व समाज के लिए अपनी प्रतिज्ञा और प्रतिबद्धता के नैतिक दायित्वो को पूरा कर सकें। राय ने कहा कि सूफी, संतों ने मानव कल्याण के लिये अपना जीवन समर्पित किया, उनके इसी समर्पण के भाव को कांग्रेस पार्टी ने आत्मसात किया है।

बिजली घरों के निर्माण में लगा ग्रहण, दो साल बाद भी नही मिल सकी जमीन

● मोहनलालगंज तहसील के सिसेंडी बरकतनगर बहरौली और बक्कास में प्रस्तावित है विद्युत उपकेंद्रों का निर्माण

संवाददाता। मोहनलालगंज

आरडीएसएस से प्रस्तावित बिजली घरों के निर्माण में लापरवाही ने ग्रहण लगा रखा है। लिहाजा तकरीबन दो साल बाद भी बिजली घरों के निर्माण के लिए जमीन की समस्या ही दूर नही हो सकी है। जिसकी वजह से हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति मुहैया कराने की राह में तमाम रोड़े आ रहे हैं।

मोहनलालगंज खण्ड में लगभग दो वर्ष पूर्व हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति मुहैया कराने के लिए सिसेंडी बक्कास बरकतनगर और बहरौली में 33/11 केवी विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण कराने का प्रस्ताव पावर कार्पोरेशन को भेजा गया था। लंबी दूरी की लाइनों से विद्युत आपूर्ति में अक्सर व्यवधान की समस्या के स्थाई निदान के लिए आरडीएसएस में इन प्रस्तावों को मंजूरी मिलने की बात भी कही जा रही है। लेकिन जमीन फाइनल नही हो पाने से अब तक उपकेंद्रों के निर्माण की कार्ययोजना धरातल पर नही उतर सकी है। अधिकारियों की मानें तो राजस्व विभाग के अधिकारी तमाम आश्वासनों के बावजूद उपकेन्द्र निर्माण के लिए उपयुक्त जमीनों को अब तक खतौनी पर नही दर्ज करा सके हैं।

मोहनलालगंज के सिसेंडी में विद्युत व्यवधान से छुटकारा पाने के लिए विद्युत विभाग के साथ ही स्थानीय लोग भी उपकेन्द्र निर्माण के लिए तहसील प्रशासन से कई बार गुहार लगा चुके हैं। लेकिन दो साल बाद भी स्थानीय अधिकारी रोड के आसपास बेहतर भूमि नही मुहैया करा सके हैं। बहरौली और बरकतनगर में दो साल बाद भी जमीन की अभी तलाश ही पूरी नही हो सकी है। जबकि बक्कास में भी नगर निगम से जमीन नही ली जा सकी है।

क्या कहते हैं एक्सइएन

अधिशाषी अभियन्ता श्रवण कुमार सिंह ने बताया डिवीजन में आरडीएसएस के तहत चार सबस्टेशन प्रस्तावित हैं। जिनमें बक्कास के लिए जमीन फाइनल हो गई है। विभाग से धनराशि ट्रांसफर होते ही भूमि खतौनी पर अंकित हो जाएगी। जबकि तीन अन्य सबस्टेशन के लिए अभी भूमि नही मिल सकी है।

क्या कहते हैं एसडीएम

एसडीएम बृजेश कुमार वर्मा ने बताया तीन बिजली घरों के निर्माण के लिए भूमि के लिए पत्र प्राप्त हुआ है। जिसमें बक्कास के लिए नगर निगम ने सुरक्षित श्रेणी की भूमि फाइनल की है जिसके सम्बंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। सिसेंडी के लिए भी भूमि पुनर्ग्रहण का प्रस्ताव जिला प्रशासन को भेजा जा रहा है। जबकि बहरौली में बिजली घर निर्माण के लिए भूमि तलाशी जा रही है। बरकतनगर के लिए फिलहाल कोई पत्र प्राप्त नही हुआ है।

भ्रष्टाचार के विरोध में बार एसोसिएशन ने दी अनशन की चेतावनी

मोहनलालगंज। आवास से तहसील चला रहे अधिकारियों की कार्यशैली को लेकर मोहनलालगंज बार एसोसिएशन ने डीएम को पत्र लिखकर शिकायत दर्ज कराई है। बार एसोसिएशन ने तहसील के कार्यालयों से लेकर न्यायालयों तक भ्रष्टाचार व्याप्त होने का गंभीर आरोप लगाकर एक सप्ताह में सुधार न होने पर क्रमिक अनशन की चेतावनी दी है। मोहनलालगंज तहसील में पिछले कुछ माह से एक के बाद एक फर्जीवाड़े के मामले सामने आ रहे हैं। तहसील के आरके दफ्तर में लगभग दो हजार परवाने अमलदरामद के इंतजार में धूल खा रहे हैं। बंटवारे और हदबरारी के मुकदमों में आदेश के बावजूद मेडबंदी के लिए वादकारियों को तहसील के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। लेकिन सुनवाई नही हो रही। इन समस्याओं के विरोध में मोहनलालगंज के वकीलों ने बिगुल फूंक दिया है। तहसील बार एसोसिएशन के पूर्व कोषाध्यक्ष मनोज कुमार व वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश तिवारी ने बताया खतौनी त्रुटि सुधार और पट्टे की जमीनों को संक्रमणीय घोषित करने के मुकदमों में समय से रिपोर्ट नही आने से उनका वक्त पर निस्तारण नही हो पा रहा है। हदबरारी और बंटवारे के मुकदमों में पैमाइस रिपोर्ट और कुर्रा फाट भेजने में जानबूझकर देरी की जाती है। आदेश के लिए सुरक्षित मुकदमों में वक्त पर आदेश नही किए जा रहे जिससे भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता धर्मेन्द्र अवस्थी ने बताया अधिकारी कोर्ट के बाद ज्यादातर समय आवास पर बिता रहे हैं जिससे आमजन और अधिवक्ताओं को न्याय के लिए अधिकारियों के आवास की परिक्रमा करनी पड़ रही है। तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कौशलेंद्र शुक्ल और महामंत्री रामलखन यादव ने तहसील में हर तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त होने का आरोप लगाया। सुविधा शुल्क के बिना कोई कार्य नहीं होने और अधिकारियों पर आवास से तहसील चलाने का आरोप लगाया। महामंत्री रामलखन यादव ने बताया तहसील में व्याप्त समस्याओं और भ्रष्टाचार को लेकर जिलाधिकारी को पत्र भेजकर वकीलों की नाराजगी से अवगत कराया गया है। एक सप्ताह में समस्याओं का निराकरण और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए ठोस कार्रवाई न होने पर दो अक्टूबर से सभी अधिवक्ता तहसील में क्रमिक अनशन पर बैठेंगे।

अनुशासित व्यक्ति ही अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल: राज्यपाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की राज्यपाल एवं राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में शुक्रवार को हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय, कानपुर का छठवां दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। समारोह में राज्यपाल ने प्राविधिक शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों के स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को 899 उपाधियाँ प्रदान कीं।

इस दौरान 48 मेडल मेधावी विद्यार्थियों को दिए गए, जिनमें 04 चांसलर मेडल और 44 उपकुलपति मेडल शामिल थे। मेडल प्राप्त करने वालों में 21 छात्राएं और 27 छात्र शामिल थे। राज्यपाल ने इस अवसर पर छात्राओं की संख्या और उनके प्रदर्शन पर विशेष ध्यान दिलाते हुए कहा कि छात्रों की तुलना में छात्राओं का प्रदर्शन अपेक्षाकृत कम है, जो चिंतनीय है। उन्होंने छात्राओं से कहा की कि वे प्राविधिक शिक्षा के क्षेत्र में और अधिक मेहनत और लगन से अध्ययन करें ताकि अगले दीक्षांत समारोह में उनके उत्कृष्ट परिणाम और अधिक स्पष्ट रूप से दिखें। उन्होंने ने यह भी कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनके बेहतर प्रदर्शन से समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

विजिटर्स को हो रहे 'रामायण दर्शन', एआई से सृजित किए गए अद्भुत प्रसंग

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा

सनातन धर्म में मान्यता है कि भगवान हर कहीं हैं। वो सर्वत्र हैं, कण-कण में हैं तो ऐसा कैसे हो सकता है कि प्रदेश में कोई आयोजन हो और भगवान राम वहां न हों। ग्रेटर नोएडा में 25 सितंबर से 29 सितंबर तक आयोजित किए जा रहे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के द्वितीय संस्करण (यूपीआईटीएस 2024) में भी विश्व की सनातन संस्कृति के प्राण प्रभु श्रीराम और उनकी नगरी अयोध्या को सृजित किया गया है और वो भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के माध्यम से। एआई रामायण दर्शन के नाम से एक पवेलियन को यहां स्थापित किया गया है, जिसमें सभी इमेजेस को एआई की मदद से जेनरेट किया गया है। इस पवेलियन में अयोध्या को उसके पुरातन वैभव की कल्पना के अनुरूप वास्तविक छवि में प्रस्तुत किया गया है तो भगवान राम के जीवनकाल से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को भी भव्य तरीके से दर्शाया गया है। इस मनोरम पवेलियन में इन सभी छवियों के बीच बैकग्राउंड में बजता राम सिया राम का म्यूजिक इसकी आभा को और निखार रहा है तो वहीं यह लोगों की आस्था और आकर्षण का केंद्र भी बना हुआ है। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश के संस्कृति विभाग की तरफ से 'रामायण दर्शन' नाम के स्टॉल को स्थापित किया गया है। यह एआई जेनरेटेड रामायण है, जिसमें भगवान श्री राम के जीवन चरित्र के सभी प्रमुख प्रसंगों की झलक विजिटर्स को देखने को मिल रही है। जिन प्रसंगों को यहां पर दिखाया गया है उसमें भगवान श्रीराम द्वारा भाइयों के साथ गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण, सीता स्वयंवर, वनवास, सीता हरण, लंका दहन और रावण वध प्रमुख रूप से शामिल हैं। एआई के माध्यम से निर्मित छवियों में रामायण के सभी पात्रों में सादगी और वैभव, वास्तविकता और विरासत तथा अध्यात्म व आधुनिकता का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यही कारण है कि यूपीआईटीएस में हर जगह इस प्रदर्शनी की चर्चा हो रही है। यही नहीं, देशी और विदेशी विजिटर्स का यहां आना जाना लगा हुआ है। विजिटर्स का कहना है कि प्रदर्शनी को देखकर उन्हें सुकून महसूस होता है और पूरा माहौल राममय हो जाता है। लोग यहां पर आकर सेल्फी भी ले रहे हैं और संपूर्ण रामायण का साक्षात्कार कर प्रभु श्रीराम के प्रेरक प्रसंगों की छवि को खुद में आत्मसात कर रहे हैं।

तीसरे दिन लेजर शो और फैशन शो बने आकर्षण का केंद्र, भीड़ ने बढ़ाया कारोबारियों का उत्साह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ ग्रेटर नोएडा

बड़ी संख्या में जुटे बायर्स और कंज्यूमर्स, साढ़े तीन लाख लोग पहुंचे ट्रेड शो देखने

ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में चल रहा उत्तर-प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। कार्यक्रम के तीसरे दिन नोएडा, ग्रेटर नोएडा, दिल्ली, गुड़गांव, गाजियाबाद फरीदाबाद ही नहीं, बल्कि दूसरे शहरों, राज?यों और विदेशों से आने वाले बॉयर्स की भी काफी भीड़ देखने को मिल रही है। बॉयर्स की अच्छी-खासी भीड़ देखकर कारोबारियों में काफी उत्साह है। एक अनुमान के मुताबिक शुक्रवार को तकरीबन साढ़े तीन लाख लोग ट्रेड शो देखने पहुँचे। उम्मीद की जा रही है कि शनिवार और रविवार को और अधिक भीड़ जुटेगी, क्योंकि वीकंड होने की वजह से लोग छुट्टी का सदुपयोग करेंगे और अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड फेयर में आकर अपने पंसदीदा उत?पादों की प्रदर्शनी देखेंगे। वहीं, तीसरे दिन लेजर शो और खादी फैशन शो आकर्षण का केंद्र रहे। सांस्कृतिक संध्या में कलाकारों की प्रस्तुति ने भी समां बांध दिया। पिछले दो दिनों के मुकाबले शुक्रवार को मेले में अधिक भीड़ देखने को मिली। यहां प्रदर्शनी के अलावा हो रहे अन?य कार्यक्रम भी लोगों को खूब भा रहे हैं, जिनमें संगीत और फैशन शो से जुड़े हुए कार्यक्रम शामिल हैं। वहीं यहां आयोजित हो रहे नॉलेज सेशन उधमियों के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं, क्योंकि उन्हें यहां आसानी से देशी और विदेशी बॉयर्स मिल रहे हैं, जिससे कारोबारियों का उत्साह काफी बढ़ा हुआ है। लोगों द्वारा वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट को काफी पंसद किया जा रहा है। शिक्षा, संस्कृति, कल्चर से लेकर दूसरे तरह के स्टॉल पर भी लोगों की भीड़ जुट रही है। साज-सज्जा से लेकर गारमेंट के उत्पादों को भी लोगों द्वारा खूब पंसद किया जा रहा है। इंडिया एक्सपो मार्ट में उत्तर प्रदेश को 'उत्तम व उद्यम प्रदेश' बनाने की पूरी झलक नजर आ रही है। औधोगिक और स्टार्टअप के पटल पर प्रदेश किस तरह दिन दोगुनी और रात चौगुनी तरक्की कर रहा है, इसकी तस्दीक न केवल यह मेला कर रहा है, बल्कि यहां जुट रही लोगों की भीड़ भी कर रही है। इस दौरान सीएम योगी के विजन में बनीं सेक्टोरल पॉलिसीज पर भी फोकस किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विभिन्न तरह के नॉलेज सेशन आयोजित किए जा रहे हैं। शुक्रवार को फेडरेशन ऑफ एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (एफआईईओ) द्वारा आयोजित नेविगेटिंग द ग्लोबल मार्केट प्लेस: पोटिंशल, चैलेंज एंड स्ट्रेटिजीज फॉर इंडियन एक्सपोटर्स विषय पर आयोजित सेशन में प्रदेश सरकार के माइक्रो, स्मॉल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज, खादी एंड विलेज इंडस्ट्रीज, हैंडलूम एंड टैक्सटाइल मंत्री राकेश सचान ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष में प्रदेश के निर्यात ने 20.57 बिलियन अमेरिकी डॉलर के आकड़े को छू लिया था।

जनप्रतिनिधियों द्वारा भेजे गए पत्रों पर समय से की जाए कार्रवाईः सभापति

●विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति ने अधिकारियों संग की बैठक

संवाददाता। सोनभद्र

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति के सभापति सुरेन्द्र चौधरी, विधान परिषद के सदस्य उमेश द्विवेदी, किरण पाल कश्यप, आशुतोष सिन्हा, हंसराज विश्वकर्मा, जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश विधान परिषद की संसदीय अध्ययन समिति की बैठक की गयी।

इस दौरान जनप्रतिनिधियों के पत्र पर अधिकारियों द्वारा की गयी कार्यवाही की गहन समीक्षा की गयी, सभापति सुरेन्द्र चौधरी ने कहा कि वर्तमान सरकार के गठन के पश्चात् अब तक सांसद विधायक, विधान परिषद के सदस्य, विधान मण्डल के सदस्यों द्वारा प्रदेश के जनपदों के भेजे गये पत्रों पर की गयी कार्यवाही से अवगत कराये जाने सम्बन्धी विषय पर समिति द्वारा विभागवार समीक्षा की गयी।

समीक्षा के दौरान सभापति ने कहा कि वर्तमान सरकार के गठन के पश्चात् से अब तक कितने पत्र जनप्रतिनिधियों से विभागों को प्राप्त हुए तथा उन पत्रों का निस्तारण कब कब किया गया है, के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों से समीक्षा की। कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त पत्रों का निराकरण एक माह के अन्दर अनिवार्य रूप से कर दिया जाये। उन्होंने कहा कि जर्जर विद्युत तारों का मरम्मत किया जाये, कोई भी क्षेत्र विद्युतीकरण से वंचित न रहने पायें, आबकारी विभाग मानक के अनुरूप कार्य करें, अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाये।

सभापति ने कहा कि समीक्षा के दौरान जिन अधिकारियों द्वारा संतोषजनक उत्तर नहीं दिया गया, उन अधिकारियों को जिलाधिकारी द्वारा स्पष्टीकरण जारी किया जाये।

शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने को निकाली गई जागरूकता रैली

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में समर्पित ट्रस्ट और नगर निगम प्रयागराज की ओर से शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने को लेकर जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता रैली में नगर निगम की ब्रांड एंबेसडर और यूपी किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य कौशल्यानंद गिरी टीना मां सहित बड़ी संख्या में किन्नर और ट्रांसजेंडर शिष्य शामिल हुए। सिविल लाइंस के सुभाष चौराहा से पत्थर गिरिजाघर तक स्वच्छता जागरूकता के लिए निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में पोस्टर बैनर के साथ किन्नरों और ट्रांसजेंडर ने हिस्सा लिया।

जागरूकता रैली में शामिल किन्नरों ने लोगों को प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने के लिए जागरूक किया। प्लास्टिक से होने वाले नुकसान के बारे में लोगों को बताया। उन्हें समझाया गया कि प्लास्टिक जल्द नष्ट नहीं होता है और यह पर्यावरण के लिए भी बेहद खतरनाक है। इस मौके पर किन्नरों ने नुक्कड़ नाटक के जरिए भी लोगों को स्वच्छता और पॉलिथीन मुक्त शहर बनाने के लिए जागरूक किया। रैली में नगर निगम की अपर नगर आयुक्त दीपशिखा पांडेय भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि तीन महीने बाद प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। प्रदेश सरकार ने महाकुंभ को प्लास्टिक फ्री घोषित किया है।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए यह जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जाए कि वह प्लास्टिक का प्रयोग बंद करें। इस मौके पर यूपी किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य कौशल्या नंद गिरी टीना मां ने लोगों से अपील की है कि प्लास्टिक के बजाय कपड़े के थैले का प्रयोग करें। इससे हमारा पर्यावरण भी बचेगा और पालीथीन प्रदूषण भी नहीं होगा।

जिलाधिकारी से मिला चिकित्सकों का समूह, लगायी सुरक्षा की गुहार

●अधीक्षक को सुरक्षा व शस्त्र लाइसेंस दिलाने की रखी मांग

संवाददाता। सकलडीहा, चन्दौली

प्रोविंसियल मेडिकल सर्विस एसोसिएट के जिला ईकाई के तत्वाधान में चिकित्सकों की टीम शुक्रवार को जिलाधिकारी निखिल टी फूंडे से मुलाकात किया। इस दौरान एसोसिएट के जनरल सेक्रटी व सीएचसी अधीक्षक सकलडीहा डा. संजय यादव को बीते दिनों फोन पर मिली धमकी और ऑनकॉलिंग प्रसव की सुविधा बंद कराये जाने की धमकी से अवगत कराया। टीम के सदस्यों ने अधीक्षक को सुरक्षा और शस्त्र लाइसेंस दिलाने की मांग रखी। जिलाधिकारी ने हर संभव सहयोग का भरोसा दिया। शासन की ओर से ऑनकालिंग चिकित्सक के माध्यम से सीएचसी पर मरीजों को सुविधा दिलाने का निर्देश हुआ है। इस क्रम में सकलडीहा सीएचसी प्रशासन की ओर से ऑनकालिंग महिला चिकित्स के माध्यम से गरीब परिवार के 45 महिलाओं का आपरेशन कराकर प्रसव की सुविधा मुहैया करायी गयी है। सीएचसी पर सुविधा शुरू होने से गरीबों को काफी सहुलियत मिलने लगी है। आरोप है कि वही दूसरी ओर निजी हास्पीटल संचालकों में खलबली मची हुई है। बीते सोमवार की देर रात अज्ञात कॉल से सकलडीहा सीएचसी अधीक्षक को अभ्रद भाषा का प्रयोग करते हुए धमकी और ऑनकालिंग सुविधा बंद करने की अल्टीमेटम से चिकित्सकों में हड़कंप मच गया।

सकलडीहा सीएचसी पर ब्लड बैंक की मिली अनुमति

सकलडीहा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर ऑन कॉलिंग आपरेशन से प्रसव की सुविधा शुरू होने पर जहां गरीब परिवार के लोगों का हजारों हजारों रूपये की बचत हो रही है। वही लगातार आपरेशन से प्रसव की सुविधा सकलडीहा सीएचसी प्रशासन द्वारा शुरू कराये जाने को लेकर औषधि अनुज्ञापन एवं नियंत्रण प्राधिकरण कार्यालय आयुक्त खाद सुरक्षा एंव औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ की ओर से सकलडीहा सीएचसी पर ब्लड स्टोरेज सेंटर हेतु विभागीय अधिकारी द्वारा अनुमति प्रदान किया गया है। इससे आपरेशन के दौरान महिलाओं को आसानी से ब्लड की सुविधा मिलेगी।

सकलडीहा सीएचसी अधीक्षक को धमकी देने वाला युवक गिरफ्तार

सकलडीहा, चन्दौली। सकलडीहा सीएचसी अधीक्षक डा. संजय यादव को बीते सोमवार की देर रात फोन पर धमकी व कार्य सरकार में बाधा डालने और अपशब्दों का प्रयोग करने वाले युवक को कोतवाली पुलिस ने शुक्रवार को बथावर गांव के समीप से गिरफ्तार कर लिया है। जिसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई किया जा रहा है। युवक के गिरफ्तार होने पर पुलिस ने राहत की सांस लिया है। वही आरोपी युवक की गिरफ्तारी पर चिकित्सकों की टीम ने पुलिस अधीक्षक व स्थानीय प्रशासन की प्रशंसा किया है।

सकलडीहा सीएचसी पर शासन की मंशा के अनुरूप ऑनकॉलिंग डाक्टर को बुलाकर बीते मई माह से लगातार 45 गरीब परिवार की महिलाओं का आपरेशन से प्रसव कराया गया। जिससे क्षेत्र के दर्जनों गांव की महिलाओं का हजारों लाखों की बचत हुई है । सीएचसी प्रशासन की सख्ती से प्राइवेट हास्पीटलों के बिचौलिया भी गायब हो गए थे। बीते दिनों सीएचसी अधीक्षक को अज्ञात व्यक्ति की ओर से फोन पर अभ्रद भाषा का प्रयोग करते हुए ऑनकालिंग प्रसव को बंद करने व धमकी दिये जाने की घटना पर पूरे जिले के चिकित्साधिकारियों में हड़कंप मच गया।

चिकित्सकों की ओर से आरोपी युवक की गिरफ्तारी को लेकर विरोध भी शुरू कर दिया गया। चिकित्सकों की नाराजगी को लेकर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपी युवक को पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए शुक्रवार को दोपहर में दरियापुर बथावर गांव से गिरफ्तार कर लिया है।

इस बाबत कोतवाल संजय कुमार सिंह ने बताया कि सीएचसी अधीक्षक को धमकी देने वाला दरियापुर गांव निवासी दिव्य प्रकाश यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

हिमांशु की हत्या के चार आरोपी गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

संवाददाता। सोनभद्र

राबर्ट्सगंज थाना अर्न्तगत कम्हारी निवासी हिमांशु गुप्ता की हुई मौत के मामलें में पुलिस नें चार आरोपियो को गिरफ्तार कर लिया। 26 सितम्बर को रीता गुप्ता पत्नी राजेश गुप्ता नि0 कम्हारी थाना राबर्ट्सगंज द्वारा अपनें लड़के हिमांशु गुप्ता उम्र करीब 20 वर्ष को गाली गलौज देते लाठी डण्डे से मारने पिटने जिससे बेहोश हो जाने के सम्बन्ध में एक लिखित तहरीर दी गयी जिसके सम्बन्ध मे थाना राबर्ट्सगंज पर मुकदमा दर्ज कराया गया था।

अभिजित पुत्र अज्ञात नि0 सन्तनगर थाना राबर्ट्सगंज व 6-7 लड़के नाम पता अज्ञात पंजीकृत किया गया एवं घायल हिमांशु को इलाज हेतु जिला अस्पताल भेजा गया, जहा गंभीर हालत को देखतें हुए वाराणसी रेफर कर दिया जहाँ पर इलाज के दौरान हिमांशु की 27 सितम्बर को मृत्यु हो गयी। जाच के दौरान अभिजीत गोस्वामी पुत्र संजय गोस्वामी अवधेश जायसवाल पुत्र राम बृक्ष जायसवाल अमनदेव पाण्डेय पुत्र वकील देव पाण्डेय शनि कुमार पुत्र सुनील कुमार समस्त निवासी सन्तनगर थाना रा0गंज शिवा पुत्र अज्ञात व विक्की पुत्र अज्ञात का नाम प्रकाश मे आया।

उक्त घटना में वाछिंत अभियुक्तो की शीघ्र गिरफ्तारी के लिये पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा द्वारा निर्देश दिया गया। उक्त निर्देश के क्रम में राबर्ट्सगंज उ0नि0 श्री राम सिंहासन शर्मा दीनानाथ यादव का0 अजीत यादव हे0का0 अनुपचन्द्र दूबे रणन्जय सिंह द्वारा वांछित अभियुक्त अभिजीत गोस्वामी पुत्र संजय गोस्वामी अवधेश जायसवाल पुत्र राम बृक्ष जायसवाल अमनदेव पाण्डेय पुत्र वकील देव पाण्डेय शनि कुमार पुत्र सुनील कुमार समस्त निवासी सन्तनगर थाना राबर्ट्सगंज को उनके घर से गिरफ्तार किया गया तथा वांछित अभियुक्त शिवा विक्की एवं अन्य की तलाश की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में न्यायालय भेजा गया।

समग्र अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में कदम

प्रयागराज। अपनी नेटवर्क क्षमता और कवरेज बढ़ाने के प्रयासों को जारी रखते हुए जाने माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने आज उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में क्षमता और कवरेज बढ़ाने की घोषणा की है। कंपनी ने उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के सभी जिलों में 7900 से अधिक साईटस पर अतिरिक्त 900 मेगाहर्टज और 2100 मेगाहर्टज स्पैक्ट्रम की तैनाती की है। यह अपग्रेड विभिन्न शहरों और नगरों जैसे लखनऊ प्रयागराज कानपुर वाराणसी गोरखपुर आगरा देहरादून मेरठ बरेली में बेहतर इंडोर कवरेज और तेज़ डेटा स्पीड के द्वारा वी के उपभोक्ताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करेंगे। प्रवीर कुमार ऑपरेशन्स डायरेक्टर वोडाफोन आइडिया ने कहा जुलाई के बाद यूपी और उत्तराखण्ड में 17800 से अधिक साईट्स पर सबसे प्रभावी 900 मेगाहर्टज और 2100 मेगाहर्टज स्पैक्ट्रम की तैनाती हमारे उपभोक्ताओं के लिए नेटवर्क के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

क्विक न्यूज

आयोग के सचिव को भर्ती परीक्षा की ओएमआर सीट पेश करने का उच्च न्यायालय ने दिया निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उ प्र अधीनस्थ सेवा चयन आयोग गोमतीनगर लखनऊ के सचिव से एक हफ्ते में संक्षिप्त हलफनामा मांगा है और 2019 की 655 फारेस्ट गार्ड व वाइल्ड लाइफ गार्ड भर्ती की याचीगण की मूल ओ एम आर सीट सील बंद लिफाफे में पेश करने का निर्देश दिया है। याचिका की अगली सुनवाई 30 सितंबर को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति जे जे मुनीर ने रामाशंकर और एक अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याचिका पर अधिवक्ता मुजीब अहमद सिद्दीकी ने बहस की। इनका कहना है कि याचीगण ओ बी सी व ई डब्ल्यू एस के अभ्यर्थी है। पद के लिए योग्य है। 21 अगस्त 22 को लिखित परीक्षा में तीन ओ एम आर सीट दी गई। एक याची की एक ट्रेज़री कार्यालय व एक आयोग की थी। दस्तावेजों का सत्यापन किया गया। किंतु याची का चयन नहीं किया गया।याची ने आयोग को 2 सितंबर 24 को प्रत्यावेदन भी दिया किंतु कोई जानकारी नहीं दी गई। याची का कहना है कि उसने चयनित होने के अंक प्राप्त किए हैं। इसलिए ओ एम आर सीट मंगाई जाए।

आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

बीजपुर, सोनभद्र। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर, शक्तिनगर में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत गुरुवार को आत्मनिर्भर भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर से गांधी जी के जन्म जयंती 2 अक्टूबर 2024 तक होने वाली इस प्रतियोगिता में गुरुवार को छात्र व छात्राओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रतिभागी छात्र छात्राओं ने भारत को कैसे आत्मनिर्भर बनाया जाए के संदर्भ में अपना पक्ष मजबुती के साथ रखा। आयोजन में शामिल छात्राओं के प्रदर्शन की संस्था के प्रभारी डॉ0 प्रदीप कुमार यादव ने सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से देश को आत्मनिर्भर बनानें में बल मिलेगा। प्रतियोगिता में सहभागिता कर रहे छात्रों ने भी देश को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को दोहराया। इस अवसर पर हिंदी विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉक्टर मानिकचंद पाण्डेय ने प्रतियोगिता में शामिल छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। ललित कला विभाग के प्राध्यापक प्रशांत कुमार विश्वकर्मा ने भी भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में इसे सराहनीय कदम बताया। प्रतियोगिता में मीनाक्षी विश्वकर्मा प्रीति गुप्ता काजल सानिया सिद्दीकी समेत अन्य छात्राओं ने भाग लिया।

डायग्नोस्टिक सेंटर लिंग-परीक्षण की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करें: डॉ. वीके चौधरी

संवाददाता। मीरज़ापुर

अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं पीसीपीएनडीटी के प्रभारी डॉ वी के चौधरी ने डायग्नोस्टिक सेंटरों के संचालकों से कहा कि वे लिंग परीक्षण के किसी भी प्रयास को सफल न होने दें और आधुनिक टेक्नोलॉजी का प्रयोग सिर्फ आमजन के बेहतर स्वास्थ्य के लिए ही करें।

यह बात डॉक्टर चौधरी ने शुक्रवार को अल्ट्रासाउंड मशीनों के पंजीकरण एवं नवीनीकरण के लिए आहूत पीसीपीएनडीटी की सलाहकार समिति की बैठक में कहीं। बैठक में गैरसरकारी सदस्य सलिल पाण्डेय, शासकीय अधिवक्ता अनिल कुमार सिंह एवं संध्या वर्मा ने मांग की कि समिति के सदस्यों की सहमति से जब डायग्नोस्टिक सेंटरों को अल्ट्रासाउंड मशीन लगाने की अनुमति दी जाती है तो इन सेंटरों के बेहतर सन्चालन के बारे में भी समय-समय पर राय ली जानी चाहिए एवं तद्नुसार कार्रवाई करनी चाहिए। बैठक में अपर सीएमओ डॉक्टर चौधरी ने कहा कि आमजनता की ओर से आने वाले सुझावों का वे स्वागत करेंगे। जिले के कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसरों को चुस्त दुरुस्त किया जाना चाहिए ताकि वे बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए लोगों को जागरूक कर सकें, के सुझाव पर चौधरी ने कहा कि इसे अमल में लाया जाएगा। बैठक में रामकृष्ण अस्पताल, ओझला एवं जीवन सुरक्षा हॉस्पिटल, बल्ली का अड्डा में अल्ट्रासाउंड सन्चालन के डॉक्टर बदलने की मांग को अनुमति दी गई तथा सतीश डायग्नोस्टिक सेंटर, रामबाग के नवीनीकरण, रुद्र डायग्नोस्टिक सेंटर, रमईपट्टी एवं ग्लैक्सी डायग्नोस्टिक सेंटर, दीपनगर के नवीन पंजीकरण पर गहन विचार विमर्श के बाद स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर एल एस सिंह, दिलीप कुमार एवं सुप्रिया मिश्र उपस्थित थीं। पहला अवसर था जब समिति की बैठक में सदस्यों के सुझावों को ध्यान से सुना गया एवं बैठक को सुरुचिपूर्ण ढंग से आयोजित किया गया।

दबंग के खिलाफ कार्रवाई न होने से उपजा आक्रोश

प्रयागराज। नवाबगंज थाना क्षेत्र के कमालापुर निवासी देवेन्द्र त्रिपाठी ने पड़ोसी दबंग अनुज तिवारी के खिलाफ अराजकता फैलाने घर में आग लगाने पथराव करने शराब पीकर गाली गलौज करने और घर में आग लगाने का प्रयास करने की शिकायत की है। इस मामले की एफआईआर 21 सितम्बर को नवाबगंज थाना में दर्ज की गई है लेकिन पुलिस दबंग अनुज तिवारी और उसके गैंग के लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। जिससे पीड़ित परिवार आक्रोशित है। पीड़ित देवेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि अनुज तिवारी दबंग प्रवृत्ति का है जो आये दिन गांव वालों को परेशान करता है। उन्होंने बताया कि सोमवार को पुलिस कमिश्नर से मिलकर क्षेत्रीय दबंग अनुज तिवारी और गैंग के लोगों के गिरफ्तारी की मांग की जाएगी। उन्होंने कहा कि अनुज तिवारी दबंग प्रवृत्ति का है जो लोगों को परेशान करता है और उनके साथ दुर्व्यवहार मारपीट और अभद्रता करता है।

पूर्व भाजपा विधायक नीलम करवरिया का निधन

●लीवर सिरोसिस की बीमारी से पीड़ित थीं

संवाददाता। प्रयागराज

यमुनापार की मेजा विधानसभा से पूर्व विधायक नीलम उदयभान करवरिया का हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार रात निधन हो गया। उनके निधन से यमुनापार सहित प्रयागराज और उत्तर प्रदेश के तमाम भाजपाइयों सहित आम जनमानस में शोक की लहर दौड़ गई। पूर्व विधायक का अंतिम संस्कार इलाज के दौरान मध्य रात्रि निधन होने की खबर ने सभी को झकझोर कर रख दिया। किसी को विश्वास ही नहीं हो रहा था सभी एक दूसरे से जानकारी लेकर सुबह से ही कल्याणी देवी कोठी प्रयागराज पर समर्थकों भाजपाइयों का हुजूम उमड़ने लगा। सायं अपने सहज मृदूभाषी पूर्व विधायक नीलम करवरिया के अंतिम दर्शन पाने का हूजूम उमड़ पड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष विनोद प्रजापति ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि आज हमने अपने ऐसे मार्गदर्शक संरक्षण नेता को खो दिया जिसकी जगह कोइ नहीं ले सकता उनकी सदैव कमी खलेगी।

यह पार्टी की और हम सब की अपूरणीय क्षति है। साथ ही परिजनों समर्थकों को इस अटूट दुख को सहने की शक्ति संबल देने की ईश्वर से प्रार्थना किया। काशी क्षेत्र महामंत्री

नीलम ने पति, जेठ और देवर के जेल जाने के बाद संभाली राजनीतिक विरासत

प्रयागराज। मेजा विधानसभा सीट से वर्ष 2017 में भाजपा के टिकट पर विधानसभा पहुंचीं पूर्व विधायक नीलम करवरिया ने पति पूर्व विधायक उदयभान करवरिया के जेल जाने के बाद राजनीति में कदम रखा था। पति उदयभान करवरिया बारा से दो बार विधायक रह चुके हैं। जेठ कपिलमुनि करवरिया फूलपुर से बसपा के टिकट पर सांसद रह चुके हैं और देवर सूरजभान करवरिया भी विधान परिषद सदस्य रहे हैं। जवाहर पंडित हत्याकांड में तीनों को आजीवन कारावास की सजा होने के बाद नीलम करवरिया ने परिवार की राजनीतिक विरासत को संभाल लिया था। नीलम करवरिया ने मेजा विधानसभा क्षेत्र में काफी मेहनत कर लोकप्रियता हासिल की। 2017 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने जीत हासिल की हालांकि 2022 में वह मामूली अंतर से सपा प्रत्याशी से चुनाव हार गईं। बावजूद इसके क्षेत्र में उनकी मौजूदगी बनी रही और वह लोगों के संपर्क में रहती थीं। जनता की समस्याओं को सुनकर उसका समाधान करती थीं। वर्ष 2017 में मेजा विधानसभा में हुए चुनाव में भाजपा प्रत्याशी रहीं नीलम करवरिया ने 67807 मत हासिल करके अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सपा प्रत्याशी रामसेवक सिंह पटेल को 19843 मतों से पराजित किया था। नीलम करवरिया ने 2017 में चुनाव लड़ने के पहले मेजा विधानसभा के लखनपुर गांव में नौ बिस्वा जमीन में अपना घर बनाकर लोगों की समस्याओं को सुनना और निस्तारण करना शुरू कर दिया था।

शनिवार को रसूलाबाद घाट प्रयागराज में होगा।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि गुरुवार की रात मेजा विधानसभा से भाजपा की पूर्व विधायक नीलम करवरिया की तबियत बिगड़ने के बाद आईसीयू वार्ड में भर्ती होने की खबर सोशल मीडिया पर चलीं तो समूचे यमुनापार में भाजपा कार्यकर्ताओं समर्थकों और आम जनमानस अपने नेता की स्वस्थ कामना के लिए दुआ मांग रहा था। लेकिन कुछ घंटे बाद और जिला प्रभारी सुशील कुमार त्रिपाठी ने भी गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा आज प्रयागराज ने जनप्रिय नेता खो दिया है।

पूर्व जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने कहा ऐसा लोकप्रिय नेता और सहीं मार्ग दिखाने और सहयोग करने वाला अभिभावक को मैंने खो दिया। जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने कहा की मां समान हमने भाभी मां को खो दिया। यह करवरिया परिवार का नही अपितू यमुनापार के सर्वसमाज की अपूर्णीय क्षति है।

श्रमदान कर दिया स्वच्छता ही सेवा का संदेश

सोनभद्र। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष बी. साईराम के नेतृत्व में, शुक्रवार की सुबह झिंगुरदा हनुमान मंदिर में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस दौरान मनीष कुमार, रजनीश नारायण, अजय कुमार, राम प्रताप सिंह एवं पुष्पराज सिंह, बीएमएस से अरुण कुमार दुबे, एचएमएस से अशोक कुमार पाण्डेय सहित 50 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने परिसर की सफाई करते हुए श्रमदान किया। इस अवसर पर सीएमडी बी. साईराम ने स्वच्छता के महत्व पर बल देते हुए एनसीएल कर्मियों एवं हितग्राहियों से दैनिक जीवन में स्वच्छता को प्राथमिकता देने की अपील की। एनसीएल अपने सभी परियोजनाओं एवं इकाइयों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रहा है। इनमें जागरूकता कार्यक्रम चिन्हित स्थलों की सफाई और सृजनात्मक प्रतियोगिताएं शामिल हैं। स्वच्छता अभियान के इस चरण में एनसीएल का उद्देश्य स्वच्छता को जन आंदोलन में परिवर्तित करना है, जिससे हर कर्मचारी और हितग्राही स्वच्छता के महत्व को समझे और इसे अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाए।

अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में चला चेकिंग अभियान

जालौन, उरई। बिजली विभाग की टीम ने अधीक्षण अभियंता के नेतृत्व में सघन चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान टीम ने एक दर्जन लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ लिया है। पकड़े गये आरोपितों के बिजली अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है। बिजली चोरी रोकने के लिए बिजली विभाग प्रयास कर रहा है। इसके बाद भी बिजली चोरी रूक नहीं पा रही है। बिजली चोरी के लिए शुक्रवार को अधीक्षण अभियंता ओमप्रकाश, अधिशासी अभियंता द्वितीय महेंद्रनाथ भारती की नेत्रत्व में विभाग की टीम ने मोहल्ला नारोभास्कर, दलालनपुरा, तोपखाना, सेंगर कालोनी में चेकिंग अभियान चलाया। चेकिंग के दौरान टीम 12 लोगों को बिजली चोरी करते हुए पकड़ लिया। टीम ने बिजली चोरी के आरोप में मु. शरीफपुत्र स्व. असगर भवानीराम, मुनेश कुमार उपाध्याय पुत्र रामरतन सेंगर कालोनी, कमलेश तिवारी पुत्र रामशंकर तिवारी नारोभास्कर, श्रीमती निखद पत्नी तारिक नारोभास्कर, आवेद पुत्र मुख्तार अहमद नारोभास्कर, मकशूद पुत्र स्व. मकदूम अली तोपखाना, महमूद अली पुत्र स्व. मकदूम अली तोपखाना, खलील पुत्र जुम्मन शाह तोपखाना श्रीमती मुन्नी देवी पत्नी अर्जुन सिंह सेंगर कालोनी, मान सिंह पुत्र दुगई प्रसाद दलालनपुरा, श्रीमती परमेश्वरी दयाल पत्नी देवीदीन दलालनपुरा ,विनोद कुमार पुत्र श्यामबाबू दलालनपुरा को पकड़ लिया है।

जिलाधिकारी ने की सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यों की समीक्षा

संवाददाता। अंबेडकर नगर

जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद के विकास कार्यक्रमों की समीक्षा सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शासन के द्वारा विभिन्न विभागों के पोर्टल को क्लब कर एक एकीकृत पोर्टल सी एम डैशबोर्ड बनाया गया है, जिसका नियमित मुख्यमंत्री कार्यालय से निगरानी की जाती है।

जिसके आधार पर जनपद तथा अधिकारियों की रैंकिंग निर्धारित की जा रही है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न विकास कार्यक्रमों से संबंधित विभागों यथा, समाज कल्याण विभाग, लघु सिंचाई, पशु पालन, महिला कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, अल्पसंख्यक विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, पंचायती राज, श्रम विभाग, कृषि विभाग, लोक निर्माण विभाग, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारियों से प्रत्येक कार्यक्रम की बिंदुवार गहन समीक्षा की गई।

इस दौरान जिलाधिकारी ने समस्त विकास कार्यक्रमों को तीव्र गति से करने के निर्देश दिए। उन्होंने अपने अपने विभाग से संबंधित समस्त प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के उपरांत समय अंतर्गत विभागीय पोर्टल पर फीड कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को प्रत्येक विकास कार्यक्रम के लक्ष्य के सापेक्ष अपेक्षित प्रगति लाने के निर्देश दिए। किसी भी विकास कार्यक्रम में किसी भी प्रकार की लापरवाही व शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

बैठक के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ राजकुमार , जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार तिवारी, परियोजना निदेशक अनिल कुमार सिंह, सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी ,कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्य भूमिका में नजर आयेंगे नए सीजन में कार्यक्रम के कलाकार

प्रयागराज। विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम को लेकर योजना बनाई गई है। जी टीवी के शो सारेगामापा ने एक नए सीज़न के साथ जोरदार वापसी की है और पहले चार एपिसोड में भारत की कुछ बेहतरीन नई आवाजों को पेश किया गया है। सीज़न में पॉपुलर संगीतकार जोड़ी सचिन जिगर ने अपना रियलिटी टीवी डेब्यू किया है जो टैलेंटेड म्यूज़िक कम्पोज़र लिरिसिस्ट जोड़ी सचेत परंपरा और सिंगर एवं सॉन्ग राइटर गुरु रंधावा के साथ मेंटर्स की भूमिका निभा रहे हैं। विपुल रॉय द्वारा होस्ट किए जा रहे शो में भारत के बेमिसाल टैलेंट को पेश किया जा रहे है जिनमें नई आवाज और नया अंदाज की खोज जारी है। देखते रहिए सारेगामापा हर शनिवार और रविवार रात नौ बजे सिर्फ जी टीवी पर आएगा। आने वाले मेगा ऑडिशन एपिसोड में वडोदरा के कंटेस्टेंट महर्षि सनत पंड्या ने गोरी राधा ने काडो कान पर एक दमदार प्रस्तुति देकर मेंटर्स के दिलों दिमाग पर गहरा असर छोड़ दिया।

सिद्धरमैया पर संकट

घोटाले के आरोप

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया को अपने पूर्व कार्यकाल में कथित भूमि घोटाले के कारण राजनीतिक व विधिक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष अदालत द्वारा मैसुरू लोकायुक्त पुलिस को कथित 'मूडा' घोटाले में उनकी संलिप्तता की जांच करने के आदेश के बाद सिद्धरमैया पर संकट गहरा गया है। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने सिद्धरमैया की याचिका खारिज कर दी है जिसमें राज्यपाल द्वारा जांच की सहमति को चुनौती दी गई थी। सिद्धरमैया पर 2013-2018 के अपने पूर्व कार्यकाल में कथित भूमि घोटाले का आरोप है। अब इस मामले के तूल पकड़ने के कारण वे विवाद में घिरे हैं। इन आरोपों का संबंध बैंगलुरू में महत्वपूर्ण जमीन का 'डिनोटीफिकेशन' से है जिसमें सरकारी स्वामित्व वाली भूमि को कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करते हुए निजी डेवलपरों को दिया गया था। इस घटनाक्रम से न केवल राजनीतिक तूफान उठ खड़ा हुआ है, बल्कि इससे कांग्रेस सरकार के स्थायित्व पर भी सवाल उठ रहे हैं जो पहले से ही आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रही है। इस मामले ने विपक्षी दलों और एक्टिविस्टों के आरोपों को उजागर कर दिया है जिन्होंने सिद्धरमैया पर अपने पद का दुरुपयोग कर निजी लोगों के पक्ष में भूमि के डिनोटीफिकेशन का आरोप लगाया था। आरोप है कि इससे सरकारी खजाने को भारी वित्तीय नुकसान हुआ। डिनोटीफिकेशन आमतौर से उन मामलों में किया जाता है जहां सरकार को सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए भूमि की जरूरत न हो। लेकिन विपक्ष का आरोप है कि यह निर्णय निहित स्वार्थों से प्रभावित था।

इस जांच का उद्देश्य सिद्धरमैया की भूमिका और इस बात का पता लगाना है कि क्या उन्होंने कानूनी दायरे में रह कर काम किया। हालांकि, जांच अभी शुरुआती चरण में है, पर इसके राजनीतिक प्रभाव दिखने लगे हैं। भारतीय जनता पार्टी-भाजपा द्वारा गंभीर जांच और यहां तक कि उनके इस्तीफे की मांग करने से सिद्धरमैया पर दबाव बढ़ रहा है। आरोपों के जवाब में सिद्धरमैया ने किसी गलत काम का जोरदार खंडन किया है। उन्होंने जांच को 'राजनीति से प्रेरित', अपनी छवि खराब करने तथा सरकार को अस्थिर करने का प्रयास बताया है। अपने बचाव में सिद्धरमैया का कहना है कि भूमि का डिनोटीफिकेशन कानूनी प्रक्रियाओं के अंतर्गत किया गया था और संबंधित अधिकारियों ने इसकी स्वीकृति दी थी। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे ही मामले कई पार्टियों के अनेक राजनेताओं के खिलाफ दर्ज किए गए हैं। उनका संकेत है कि यह विपक्षी दलों के मुख्यमंत्रियों को परेशान करने का आम राजनीतिक तरीका है और इसका संबंध केवल उनके प्रशासन से नहीं है। लेकिन यदि जांच गति पकड़ती है और उनके खिलाफ ठोस सबूत सामने आते हैं तो पार्टी के भीतर तथा जनता की नजरों में उनकी छवि निश्चित रूप से खराब होगी। कर्नाटक में मुख्य विपक्षी दल के रूप में भाजपा इस भूमि घोटाले का लाभ उठा कर सिद्धरमैया की निष्ठा और उनके नेतृत्व पर सवाल उठाएगी। यदि मामला अदालतों में गया तथा न्यायिक निगरानी की मांग हुई तो भाजपा की जवाबदेही की मांग से लंबी राजनीतिक अनिश्चितता पैदा हो सकती है। कर्नाटक जैसे राज्य में भ्रष्टाचार की कोई आशंका सिद्धरमैया की सार्वजनिक छवि ध्वस्त कर सकती है क्योंकि यहां चुनावी मुकाबला कांटे का होता है। सिद्धरमैया के नेतृत्व वाली सरकार पारदर्शिता और विकास के वादों पर सत्ता में आई थी। ऐसे में यह मामला तूल पकड़ने तथा और ज्यादा सटीक सबूत सामने आने पर सिद्धरमैया का संकट और गहरा सकता है जिसमें वे अपना बचाव करने की स्थिति में नहीं रहेंगे।

एकसाथ चुनाव की ओर बढ़ता भारत

भारत में एकसाथ चुनाव कराने की भूमिका तैयार हो रही है। लेकिन संवैधानिक और राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए इसका सफल क्रियान्वयन अनिश्चित बना हुआ है।

कल्याणी शंकर
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

भारत में एकसाथ चुनाव कराने की भूमिका तैयार हो रही है। इसके लिए 'एक देश, एक चुनाव' का प्रस्ताव तैयार हो चुका है। लेकिन संवैधानिक और राजनीतिक चुनौतियों को देखते हुए इसका सफल क्रियान्वयन अनिश्चित बना हुआ है। 'एक देश, एक चुनाव' का विचार संसदीय व आम जनता में चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार ने पिछले सप्ताह इसे आगे बढ़ाने का निर्णय भी कर लिया है। मोदी कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है और संसद के आगामी सत्र में यह विधेयक पेश करने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पिछले कार्यकाल में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में इस पर विचार-विमर्श के लिए एक समिति गठित की थी जिसकी रिपोर्ट और संस्तुतियों को अब स्वीकार कर लिया गया है।

हालांकि, इस अवधारणा पर अतीत में भी बहुत बार बहस हो चुकी है, पर इस पर कोई राजनीतिक सहमति नहीं बन सकी थी। वर्तमान समय में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी-भाजपा की सरकार लंबे समय से चुनाव सुधारों के पक्ष में रही है और अब वह चुनाव व्यवस्था में परिवर्तनों को गति देने का प्रयास कर रही है। 'एक देश, एक चुनाव' इस दृष्टिकोण से सर्वाधिक परिवर्तनकारी चुनाव सुधार हो सकता है। अतीत में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी तथा बाद में भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने एकसाथ चुनाव कराने का विचार सामने रखा था, लेकिन कांग्रेस ने हमेशा इस विचार को खारिज कर दिया था।

वर्तमान समय में भाजपा द्वारा यह प्रस्ताव आगे बढ़ाने का समय बहुत अच्छा है। यह प्रस्ताव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस समय रखा जब वे पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री के रूप में लगातार अपने तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे कर चुके थे। भाजपा पिछले दो दशक से अधिक समय से इस महत्वपूर्ण चुनाव सुधार की पैरवी कर रही है। हालांकि, यह विचार तार्किक और कारगर दिखता है, पर इसे क्रियान्वित करने पर अनेक सवाल भी उठते रहे हैं। इस संबंध में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या भारत ऐसे सुधार के लिए तैयार है? यह सवाल भी बहुत महत्वपूर्ण है कि क्या प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास आवश्यक दो-तिहाई बहुमत है जिसके द्वारा वे संसद में यह विधेयक पेश कर संविधान संशोधन कराने में सफल होंगे? इसके साथ ही अनेक अन्य सवाल भी हैं जिनके जवाब की आवश्यकता है। सर्वाधिक प्राथमिक और सबसे जरूरी यही तथ्य है कि इस विधेयक को लोकसभा में दो-तिहाई बहुमत होने पर ही आगे बढ़ाया जा सकता है। हालिया, लोकसभा 2024 के चुनाव में भाजपा अपने दम पर सदन में बहुमत से 40 सीटें पीछे रह गई और वह जनता दल युनाईटेड-जदयू तथा तेलगू देशम पार्टी-टीडीपी के सहयोग से ही बहुमत प्राप्त कर सरकार बनाने में सफल हुई। हालांकि, ये दोनों पार्टियां पहले से ही राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन-राजग का हिस्सा थीं और उन्होंने एकसाथ मिल कर लोकसभा चुनाव लड़ा था। लोकसभा की वर्तमान गणित को देखते हुए भाजपा को इन दलों के साथ ही अन्य मैत्रीपूर्ण दलों का समर्थन प्राप्त करना होगा। भाजपा 'एक देश एक चुनाव' के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया में व्यापक परिवर्तन इसीलिए करना चाहती है क्योंकि उसके विचार से ऐसा करने से बार-बार चुनाव कराने से मुक्ति मिल जाएगी। एकसाथ चुनाव होने से सरकार तथा राजनीतिक दलों का चुनावों पर होने वाला खर्च भी घटेगा। लेकिन इन सबके बावजूद अधिकांश विपक्षी दलों ने एकसाथ चुनाव का विचार खारिज कर दिया है। इस विचार को अस्वीकृत करने वाले दलों में कांग्रेस, वामपंथी पार्टियां, तृणमूल कांग्रेस तथा क्षेत्रीय व अन्य छोटी पार्टियां शामिल हैं। उन्होंने इसे यह कह कर अस्वीकार कर दिया है कि इससे सत्तारूढ़ दल को 'राजनीतिक बदला' लेने का अवसर मिल जाएगा। उनको यह आशंका भी है कि इसे भाजपा को लाभ होगा।

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति ने इस मुद्दे पर विचार कर इस बारे में सभी राजनीतिक पार्टियों की राय ली और इसके बाद सर्वसम्मति से इसका समर्थन किया। कोविंद समिति के समक्ष उपस्थित हुई 32 पार्टियों ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया, जबकि 15 ने इसे अस्वीकार कर दिया। समिति ने यह संकेत भी दिया कि केन्द्र को इस प्रस्ताव के क्रियान्वयन के लिए एक समिति का गठन करना चाहिए। इसके साथ ही सभी वर्गों को शामिल करने वाली एक संयुक्त मतदान सूची भी होनी चाहिए जिसका सभी चुनावों में प्रयोग किया जा सके। वर्तमान समय में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के लिए मतदान सूची में बार-बार सुधारों के साथ ही स्थानीय निकायों में मतदान सूची लगभग अलग होती है। इस संयुक्त सूची का प्रयोग कर मतदाता राष्ट्रीय, राज्य व स्थानीय निकाय चुनावों में वोट दे सकेंगे। इससे मतदाताओं के पंजीकरण में आने वाली कमियों को कम किया जा सकेगा। समिति ने इस संबंध में सभी पक्षों से बातचीत की योजना बनाई है।

समिति ने दो हिस्सों में चुनाव कराने का सुझाव दिया है। पहला चुनाव लोकसभा और विधानसभाओं के लिए तथा दूसरा स्थानीय निकायों के लिए होगा। ऐतिहासिक रूप से 1952 में पहले चुनाव होने के बाद से 1967 तक एकसाथ चुनाव होते थे। लेकिन श्रीमती इंदिरा गांधी के सत्ता में आने के बाद से स्थिति बदल गई। उन्होंने विपक्ष शासित राज्य सरकारों को भंग करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 356 का प्रयोग करना शुरू किया जिससे स्वतंत्र चुनावों की शुरुआत हुई। इसके बाद से आज तक यही स्थिति बनी हुई है। लेकिन 'एक देश एक चुनाव' पर विधेयक को अनेक संवैधानिक, विधिक और राजनीतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। समिति ने देश में एकसाथ चुनाव कराने के लिए संविधान के अंतिम पांच अनुच्छेदों में संशोधन का सुझाव दिया है। ये संशोधन अनुच्छेद 83 से 172 तक होंगे। भाजपा को अपने दम पर बहुमत प्राप्त नहीं है, जबकि संविधान संशोधनों के लिए दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता है। इसके साथ ही संविधान इस विषय पर मौन है कि क्या चुनाव एकसाथ होने चाहिए। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती संसद में उपयुक्त संख्या में सांसदों को लामबंद करना होगा। इसके साथ ही अभी 'एक देश एक चुनाव' पर राजनीतिक सहमति बनाने का काम भी बाकी है। भाजपा ने इस दिशा में विपक्षी दलों से बात करने या उनको समझाने-बुझाने का प्रयास नहीं किया है।

विपक्ष इस मुद्दे पर आक्रामक मूड में है क्योंकि उसका विश्वास है कि एकसाथ चुनाव से भाजपा को लाभ होगा। कांग्रेस इसके विरोध में है। इसी प्रकार वामपंथी पार्टियां, तृणमूल कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और आल इंडिया मजलिसे इत्तिहादुल मुसलमीन ने भी यह विचार अस्वीकार कर दिया है। 15 विपक्षी दलों के पास 205 सांसद हैं, जबकि मोदी को 362 मतों की आवश्यकता है। एकसाथ चुनाव के लिए विधिक ढांचा भी जरूरी है जो आवश्यक परिवर्तन कर सके। इसके साथ ही कार्यकाल के बीच में ही गिर जाने वाली राज्य सरकारों की समस्या से भी निपटना होगा। यह विचार अच्छा है और इससे पैसे की बरबादी पर लगाम लग सकती है। इसके ाथ ही हर दे साल में चुनाव से नीतिगत विकलांगता जैसी स्थिति पैदा होती है।

इसलिए विपक्ष को खारिज करने के पहले इस पर विचार करना चाहिए। यदि उनके पास कोई वैकल्पिक योजना हो तो इस पर सार्वजनिक बहस हो सकती है। कुल मिला कर मोदी इस विधायन को संसद में एक रणनीति के अंतर्गत ला रहे हैं। चाहे हारें या जीतें, इससे मोदी को लाभ होगा। यदि वे जीत जाते हैं तो यह एक चुनावी वादा पूरा करना होगा। यदि विधेयक गिर जाता है तो भी वे हमेशा इसे अच्छे इरादे से लाने का दावा कर सकते हैं, लेकिन विपक्ष ने इसे स्वीकार नहीं किया। भले ही यह विधेयक लाने में विलंब हो, पर इस पर बहस होनी चाहिए तथा एकसाथ चुनाव का रास्ता अंतत: निकाला जाना चाहिए। आखिरकार बार-बार चुनावों पर सरकार द्वारा किया जाने वाला खर्च करदाताओं का पैसा है।

क्वाड का स्पष्ट दृष्टिकोण

क्वाड सम्मेलन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति बनाए रखने को अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता माना है।

कुमारदीप बनर्जी
(लेखक, नीति विश्लेषक हैं)

इस सप्ताह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाई-प्रोफाइल अमेरिका यात्रा ने भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों का महत्व रेखांकित करते हुए अनेक प्रमुख निर्णयों के माध्यम से 21वीं शताब्दी में साझेदारी का भविष्य निर्धारित कर दिया। भारतीय प्रधानमंत्री की यह यात्रा रूस और यूक्रेन की उनकी यात्राओं के बाद हुई। यह बहुआयामी दृष्टिकोण उजागर करती है जहां भरत सर्वोच्च स्तर पर राजनयिक संपर्क मजबूत करते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को पवित्रतम मानता है। प्रधानमंत्री मोदी तथा अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने परस्पर मैत्रीपूर्ण ढांचा रेखांकित किया, जबकि प्रधानमंत्री ने 'ओवल आफिस' में उनके पूर्ववर्ती के साथ एक राजनीतिक रोड शो किया था। यह सारी दुनिया को संकेत है कि अमेरिका-भारत द्विपक्षीय संबंधों को सभी पक्षों का समर्थन प्राप्त है। क्वाड नेताओं के सम्मेलन, अनिवासी भारतीयों के साथ मोदी का 'राकस्टार कंसर्ट' शैली के आयोजन तथा अमेरिका में तकनीकी क्षेत्र के सीईओ के साथ बैठक ने यह संकेत दिया है कि अमेरिका और भारत के बीच संबंधों ने बहुत तेज गति प्राप्त कर ली है। ऐसे में पीछे देखने की किसी प्रकार की आशंका का कोई स्थान नहीं है।

क्वाड सम्मेलन की बैठकों में चीन की अदृश्य उपस्थिति रही। क्वाड सम्मेलन ने बिना नाम लिए आक्रामक तथा समुद्री अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन करने वाले के रूप में चीन की ओर संकेत किया। इसमें कहा गया, 'हिंद-प्रशांत क्षेत्र की चार प्रमुख समुद्रतटीय लोकतंत्रों के रूप में हम स्पष्ट रूप से इस परिवर्तनशील क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो वैश्विक सुरक्षा तथा समृद्धि का अपरिहार्य तत्व है। हम इस क्षेत्र को

अस्थिर करने वाले या किसी एकपक्षीय कार्रवाइयों का घोर विरोध करते हैं जो शक्ति या दबाव से यथास्थिति बदलने को लक्षित हो। हम क्षेत्र में ऐसे अवैध मिसाइल प्रक्षेपणों की निन्दा करते हैं जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद प्रस्तावों का उल्लंघन करते हैं। हम समुद्री क्षेत्र में हालिया खतरनाक और आक्रामक कार्रवाइयों की निन्दा करते हैं। हम इस क्षेत्र को ऐसा बनाना चाहते हैं जहां कोई देश प्रभुत्व न बनाए तथा किसी देश पर प्रभुत्व न स्थापित हो। इस क्षेत्र में सभी देश दबाव से मुक्त हों और अपना भविष्य तय करने के लिए अपने अधिकारों का प्रयोग कर सकें। हम एक स्थिर व खुली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्ध हैं जो मानवाधिकारों, स्वतंत्रता के सिद्धान्त, कानून के शासन, लोकतांत्रिक मूल्यों, संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता, विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का दृढ़ समर्थन करे तथा संयुक्त राष्ट्रसंघ चार्टर समेत अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार धमकी या शक्ति प्रयोग न करे। असोसियेशन आफ साउथईस्ट एशियन नेशन्स-आशियान, पैसिफिक आईलैंड्स फोरम-पीआईएफ तथा इंडियन ओसेन रिम असोसियेशन-आईओआरए समेत क्षेत्रीय संस्थानों के नेतृत्व का सम्मान क्वाड के सभी प्रयासों के केन्द्र में है और यह बना रहेगा।'

हालांकि, क्वाड 'नाटो' की तरह कोई रक्षा साझेदारी नहीं है, पर वैश्विक महाशक्ति चीन की उपस्थिति तथा उसके द्वारा पूरे हिंद महासागर क्षेत्र में अपनाई जाने वाली दबाव की रणनीतियों के कारण डेलावेयर सम्मेलन में भाग लेने वाले नेता प्रभवित थे। दिल्ली, राष्ट्रपति बाइडेन के गृह शहर डेलावेयर, सिडनी और टोकियो अंतरराष्ट्रीय समुद्रों पर गहरी नजर बनाए हुए हैं जहां चीन के अनेक उल्लंघन सामने आए हैं। नेताओं ने घोषणा की, 'आज हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए नई क्षेत्रीय समुद्री पहल-मैत्री की घोषणा कर रहे हैं जो इस क्षेत्र में हमारे साझीदारों को आईपीएमडीए तथा अन्य क्वाड साझीदार पहलों से प्राप्त उपकरणों को अधिकतम बनाने में सहायता करेगी।

इससे हम समुद्रों की निगरानी और सुरक्षा सुनिश्चित कर कानूनों को लागू करेंगे तथा अवैध व्यवहारों को निष्प्रभावी करेंगे। हम 2025 में भारत में होने वाली मैत्री कार्यशाला की ओर देख रहे हैं। इसके साथ ही क्वाड साझीदार अगले वर्ष आईपीएमडीए में नई तकनीक और डेटा को समाहित करेंगे जिससे हम इस क्षेत्र में अद्यतन क्षमता और सूचनाओं को उपलब्ध करा सकेंगे।' इस प्रकार चीन क्वाड नेताओं की प्रमुख चिन्ता बना रहेगा और इन चारों देशों को जोड़ने के लिए शक्तिशाली गोंद का काम करेगा।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में प्रमुख हित रखने वाले देश ज्यादा निकट आएंगे। अगला क्वाड सम्मेलन दिल्ली में होने की आशा है, जहां एक नया अमेरिकी राष्ट्रपति प्रमुख सम्मानित अतिथि होगा। पूर्व-राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा क्वाड समूह को प्रोत्साहन देने तथा राष्ट्रपति बाइडेन द्वारा सम्मेलन को उच्च स्तर प्रदान करने से यह कहना उचित होगा कि क्वाड मजबूत होता रहेगा।

आप की बात

एनआरआई कोटा

पंजाब सरकार द्वारा मेडिकल में 15 प्रतिशत एनआरआई कोटा रखने पर देश के प्रधान न्यायाधीश वाई. वी. चंद्रचूड़ ने इसकी जरुरत को ख़ारिज करते हुए कहा कि इससे देश के मेधावी छात्रों के पहले भाई-भतीजावादियों को फ़ायदा मिलेगा जो कि ठीक नहीं है। उन्होंने सरकार को सही तर्क देते हुए एनआरआई कोटे की अनुमति को निरस्त कर दिया। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय स्वागत योग्य है। सवाल है कि आखिर एनआरआई कोटा क्यों दिया जाना चाहिए? इससे एक ओर एनआरआई के रिश्तेदारों के छात्र फ़ायदा उठाते हुए देश के प्रतिभावान छात्रों का हक मारेंगे तो दूसरी ओर भष्टाचार भी बढ़ेगा। विडंबना है कि यह निर्णय उस पंजाब सरकार द्वारा किया गया जो स्वयं को आम आदमी का प्रतिनिधि बताती है। ऐसे समय जब देश में मेडिकल शिक्षा की सीटें कम होने और निजी क्षेत्र में फीस महंगी होने के कारण देश के अनेक छात्र बांग्लादेश, यूक्रेन, चीन व मध्य एशिया के देशों में डाक्टरी पढ़ने जाते हैं, तब पंजाब में चिकित्सा शिक्षा में एनआरआई कोटा अत्यन्त निंदनीय है। मोदी सरकार लगातार नए मेडिकल कालेज खोल रही है जिससे मेडिकल सीटों की संख्या बढ़ी है, पर जनसंख्या के अनुपात में डाक्टरों की संख्या को देखते हुए यह अब भी कम है।

– **शकुंतला महेश नेनावा,** इंदौर

दिसानायके की चुनौतियां

राष्ट्रपति चुनाव में श्रीलंका के मतदाताओं ने श्रमिक के बेटे अनुरा कुमारा दिसानायके को चुना। जनता द्वारा सीधे राष्ट्रपति का चुनाव होने की पद्धति के चलते दिसानायके 50 प्रतिशत से कम वोट पाकर भी राष्ट्रपति चुने गए हैं। वे देश के इतिहास में पहली बार मतगणना के दूसरे दौर में जीते हैं। संसद में उनके मात्र तीन प्रतिनिधि चुनकर आए हैं। स्पष्ट है कि दिसानायके को सत्ता की बागडोर संभालकर श्रीलंका को सुशासन देने में कदम-कदम पर विपक्ष का विरोध सहना पड़ेगा। अतीत में व्यक्त अपनी भारत-विरोधी विचारधारा के चलते उन्हें निष्पक्ष छवि बनानी होगी तथा यह भी सिद्ध करना पड़ेगा कि वह चीन की कठपुतली बनकर नहीं रहेंगे। पहले तमिल-विरोधी होने के कारण उन्हें तमिल जनता को भी विश्वास में लेना होगा। हालांकि उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत-चीन के बीच निष्पक्ष संतुलन बनाकर रखेंगे। विदेशी कर्ज में आकंठ डूबी श्रीलंका की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना मुश्किल होगा। जहां भारत ने उनको पूरे सहयोग का आश्वासन दिया है, वहीं चीन भी उन पर डोरे डालने में लग गया है। ऐसे में देखना होगा कि आने वाले कुछ महीने में दिसानायके देश की राजनीति व अर्थनीति को क्या दिशा देते हैं।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

बाल यौन अपराध

सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया है कि संसद को यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण-पाक्सो कानून में संशोधन को लेकर गंभीरता से विचार करना चाहिए। उसने कहा है कि बाल पोर्नोग्राफी शब्द के स्थान पर बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री शब्द का इस्तेमाल किया जाए। इसके परिणामस्वरूप ऐसे अपराधों की वास्तविकता को और अधिक सटीक रूप से दर्शाया जा सकेगा। पीठ ने कहा कि बाल पोर्नोग्राफी शब्द का इस्तेमाल किसी भी न्यायिक आदेश या फैसले में नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार, बाल पोर्नोग्राफी देखना और उसे डाउनलोड करना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 और सूचना प्रौद्योगिकी-आईटी कानून के तहत अपराध है। पीठ ने सुझावा दिया है कि भारतीय संघ एक विशेषज्ञ समिति गठित करने पर विचार कर सकता है जिसका काम स्वास्थ्य और यौन शिक्षा के लिए एक व्यापक कार्यक्रम या तंत्र तैयार करने के साथ ही देश भर में बच्चों के बीच कम उम्र से ही पाक्सो कानून के बारे में जागरूकता बढ़ाना हो। इससे बाल संरक्षण, शिक्षा और यौन कल्याण के संबंध में मजबूत और सुविचारित दृष्टिकोण बनाना और उसे प्रसारित करना सुनिश्चित किया जा सकता है। यह सुझाव निश्चित रूप से स्वागत योग्य है।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

आर्थिक संतुलन के प्रयास

फेडरल रिजर्व द्वारा अमेरिका में आधा प्रतिशत घटाए जाने और आगामी वर्षों में दो प्रतिशत तक घटाए जाने की संभावना व्यक्त की है। फेडरल रिजर्व के इस कदम ने दुनिया के पूंजी बजार और शेयर बाजार में उथल-पुथल मचाई है। इसके कारण भारतीय शेयर बाजार लगातार रिकार्ड ऊंचाई पर पहुंच रहा है। वैसे फेडरल रिजर्व के ब्याज घटाने वाले कदम के बाद अब भारतीय रिजर्व बैंक को भी ब्याज दरों मे कटौती पर विचार करना चाहिए। डॉलर का अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है और उसी के अनुरूप विश्व की अन्य करेंसियां चलती है। यदि भारत में भी ब्याज दर घटाई जाती है तो इसका फायदा लोन लेने वाले ग्राहकों को भी दिया जाना चाहिए। हालांकि, रिजर्व बैंक मुद्रास्फीति बढ़ने के भय से पिछले काफी समय से ब्याज दरों में कटौती से बच रहा है। इससे कर्ज लेने वाले लोगों की उम्मीदें टूटती हैं तथा अर्थव्यवस्था की प्रगति भी प्रभावित होती है। लेकिन दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में आर्थिक संतुलन बहुत कठिन काम है।

– **विभूति बुपक्या,** खाचरोद

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

अभियोजन अधिकारी एवं शासकीय अधिवक्ताओं की हुई बैठक

●बैठक में डीएम-एसपी ने की सहभागिता

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिलाधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक सत्यजीत गुप्ता द्वारा संयुक्त रुप से अभियोजन अधिकारियों व शासकीय अधिवक्ताओं के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में गोष्ठी की गई। गोष्ठी के दौरान न्यायालय में लंबित अभियोगों गुंडा एक्ट, गैंगेस्टर एक्ट, पाक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट, महिला संबंधी अपराधों आदि के दृष्टिगत अभियोजन पक्ष द्वारा की गई कार्यवाहियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

गोष्ठी में अपराधियों को चिन्हित कर अपराधो मे लिप्त अपराधियों को कठोर सजा दिलाने, अभियोगों का त्वरित निस्तारण व अभियोजन की कार्यवाही को और बेहतर करने के उपायों पर चर्चा की गयी, जिसमें न्यायालय में विचारण के दौरान आने वाली कठिनाईयों का उल्लेख अभियोजन अधिकारियों द्वारा किया गया जिनको संज्ञान में लेते हुए उसे अविलंब दूर करने हेतु संबंधित को हिदायत दी गयी। बैठक में यह भी निर्धारित किया गया कि महिलाओं व बच्चों के साथ हो रहे अपराधों में पंजीकृत अभियोगों में न्यायालय के विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष और बेहतर ढंग से साक्ष्यों को प्रस्तुत करें, जिससे कि अपराधियों को शत प्रतिशत सजा सुनिश्चित की जा सके व अभियोजन पक्ष तथा पुलिस आपस में समन्वय कर मामलों का यथाशीघ्र निस्तारण करायें। गोष्ठी के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद, यातायात अजीत चौहान समस्त थानों के थाना प्रभारी व अभियोजन अधिकारी आदि मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने किया भूमि तथा आवासों का निरीक्षण

श्रावस्ती। मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना (सीएम-वीएनवाई) के अन्तर्गत जनपद के नगर पालिका परिषद भिनगा में विभिन्न निर्माण कार्य कराये जाने है, जिसका जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान उन्होने सिविल लाइन स्थित नव निर्मित राजस्व कालोनी के पास भूमि बगुरैया स्थित डी0पी0आर0सी0 भवन के सामने भूमि एवं आई0टी0आई0 भिनगा के पास भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया तथा भूमि आवंटन बजट मांग पत्र आदि कार्यवाही कराने हेतु सम्बन्धित को निर्देश दिया। उन्होने बताया कि इस योजना के अन्तर्गत शिशु गृह (क्रेच) वर्किंग वूमन हास्टल मैरिज हॉल डिजिटल पुस्तकाल प्रदर्शनकला केन्द्र-आर्ट गैलरी सोलर पार्क स्टडी सेंटर एवं वरिष्ठ नागरिक देखभाल केन्द्र आदि निर्माण कार्य प्रस्तावित है जिनके निर्माण हेतु स्थलों का चयन किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने बताया कि नगर निकायों में बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही उनकी आय में बढ़ोत्तरी के उद्देश्य से मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना शुरू की गई है जिसके तहत जनपद के नगरीय क्षेत्रों में विभिन्न विकास कार्य कराये जाने है। जिसको लेकर स्थानों का चयन आदि प्रक्रिया की जा रही है। नगर पालिका भिनगा में जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय के निकट जिला नगरीय विकास अभिकरण द्वारा आसरा आवास योजना अन्तर्गत बनाये गये आवासों में अवैध तरीके से आवासित लोगों को पूर्व में जिलाधिकारी के निर्देश पर खाली कराने का निर्देश दिया गया था जिसका आज जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने औचक निरीक्षण कर जायजा लिया।

जिला कारागार के बंदियों की विधिक सलाहकार ने सुनीं समस्याएं

संवाददाता। संतकबीरनगर

जिला जज अनिल कुमार वर्मा के निर्देशन व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला जज महेंद्र कुमार सिंह के पहल पर शुक्रवार को लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव जिला कारागार में पहुंचे। उन्होंने बंदी समस्या-समाधान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में बंदियों के समस्या से रूबरू होकर उसके निदान के प्रति उन्हे आश्वस्त किया। इस दौरान एक बंदी ने कहा कि मुझे हत्या के प्रयास के झूठे मुकदमें में जेल भेज दिया गया है, मेरी जमानत करा दीजिए।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार माह के प्रत्येक चौथे शुक्रवार को जिला कारागार में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के द्वारा बंदी समस्या-समाधान दिवस का आयोजन होता है। लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अधिवक्ताओं के द्वारा जिला कारागार में निरुद्ध कैदियों से मिलकर उनकी समस्या को जानकर उनके समाधान के लिए बेहतर प्रयास किया जाता है। शुक्रवार को लीगल एड डिफेंस काउंसिल के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव अपने सहयोगियों के साथ जिला कारागार के प्रत्येक बैरक में पहुंचकर कैदियों से मुलाकात की।

उन्होंने प्रत्येक कैदियों से व्यक्तिगत रुप से मिलकर उनके मुकदमों में की जा रही पैरवी के बारें में पूछताछ कर उनके समस्या के त्वरित समाधान हेतु आश्वस्त किया। कोतवाली खलीलाबाद के बरदहिया बाजार निवासी मो.वकील ने कहा कि वह बीते फरवरी से हत्या के प्रयास के झूठे मुकदमें में कारागार में निरुद्ध है। उन्हे अपने मुकदमें के बारे में कोई जानकारी नही मिल पा रही है। वहीं गड़सरपार गांव निवासी शकील ने कहा कि उनकी जमानत यहां से खारिज हो चुकी है। हाईकोर्ट में जमानत दाखिल न हो पाने के कारण जमानत नही हो पा रही है।

एफजी आईईटी में अनुगम कार्यक्रम का हुआ समापन

रायबरेली। संस्थान में चल रहे अनुगम कार्यक्रम के समापन समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष अतीक अहमद रहे। मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन में नव प्रवेशित छात्र छात्राओं को अग्रिम शुभकामनायें प्रेषित की एवं तकनीकी शिक्षा को अपने जीवन में किस प्रकार उतार सकते हैं के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथि का स्वागत संस्थान के निदेशक डॉ दिग्विजय सिंह चौहान द्वारा पौधा देकर किया गया । कर्यक्रम के संयोजक मनोज वर्मा जी ने बताया की चल रहे अनुगम कार्यक्रम में पेपर प्रेजेंटेशन सिनर्जी-2024, टेक्निकल क्विज ज्ञान चक्षु और साथ ही विभिन्न प्रियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमे विजयी छात्र छात्राओं को मेडल पहना कर एवं सर्टिफिक्ट देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संस्थान के रजिस्ट्रार डॉ अमित पोरवाल, विभागाध्यक्ष डॉ मल्लिका त्रिपाठी, डॉ श्रुति त्रिपाठी राजेश सिंह,डॉ नितिन पांडेय तथा डॉ शिल्पी ऋषि श्रीवास्तव, अनिकेश त्रिपाठी,डॉ आरती श्रीवास्तव, हेमंत सिंह, आनंद अवस्थी आदि समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे ।

सोईया कर्मियों ने विकास भवन में दिया धरना तथा डीएम कार्यालय के समक्ष किया प्रदर्शन

संवाददाता। रायबरेली

रसोईया कर्मियों ने विकास भवन में दिया धरना और बाद में जुलूस निकालकर जिलाधिकारी कार्यालय के सामने जोरदार प्रदर्शन किया। रायबरेली प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सरस्वती ने कहा कि हम बेहद अपमान जनक और कठिन परिस्थितियो मे अपने कर्तव्य का निर्वाह पूरी निष्ठा से कर रहे हैं रसोईया के कार्य के अलावा विद्यालय के सफाई कर्मचारी, चपरासी का भी काम हम से ही लिया जाता है। पूरे देश को धुवां मुक्त करने का दावा करने वाली सरकार अपने विद्यालयो मे अभी भी जुगाड़ की लकडी से खाना बनवा रही है।

उन्होंने कहा कि कितना क्रूर मजाक है कि 2000 मासिक मानदेय का भी समय से भुगतान करने मे पसीने छूटते हैं। आज भी 6 माह का मानदेय बकाया है। किंतु भाषणों और कागजों में प्रदेश समृद्धि की आसमान से ऊंची उडान भर रहा जिला सचिव विद्या देवी ने कहा कि माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय भी सरकार की इस मामले मे मजम्मत कर न्यूनतम वेतन दिये जाने का आदेश कर चुका है माननीय इलाहाबाद हाई कोर्ट के 15 नवम्बर 2020 के निर्णय को 4 माह के अंदर अर्थात 15 अप्रैल, 2020 तक सभी रसोइयों को फैसले को लागू करते हुए न्यूनतम वेतन और 2005 से एरियर का भुगतान करने तथा मिड डे मील वर्कर्स को मिनिमम वेजेज एक्ट के आधार पर न्यूनतम वेतन देने का आदेश पारित किया किंतु सरकार कानो मे रुई लगाकर बहरी बनने का नाटक कर रही है । किसी भी रसोईया वर्कर को आईएसआई, ईपीएफ ग्रेड्यूटी, पेंशन देने की 2013 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी अध्यक्षता में हुए 45वें भारतीय श्रम सम्मेलन में सिफारिश की गई थी किंतु मोदी सरकार पिछले दस वर्ष से उन सिफारिशों को लागू करने के बजाय स्कूलों को बंद करने इस योजना का ठेकाकरण करने में जुटी हुई है।

सभा को ऐक्टू नेता कृष्ण आत्मा शर्मा, इंकलाबी नौजवान सभा के नेता अहमद सिद्दीकी, ऐक्टू जिला सचिव राम गोपाल ने भी संबोधित किया ।बाद में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन देकर रसोईया वर्कर्स के बकाया 6 माह के मानदेय के तत्काल भुगतान करने , सेवा नियमावली बनाए जाने, 45 वें भारतीय श्रम सम्मेलन की सिफारिशों को लागू करने आदि मांगों को पूरा करने की मांग की!

क्विक न्यूज

खाद्य सुरक्षा विभाग ने कारोबारियों को किया जागरूक

अमेठी। आज खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जगदीशपुर में एम बी रिजॉर्ट में आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत विभिन्न थोक एवं फुटकर किराना व्यवसाईयों, मिठाई एवं होटल, रेस्टोरेंट कारोबारियों के साथ एक जागरूकता कैम्प का आयोजन किया। इस मौके पर खाद्य कारोबारियों को विस्तार से बताया गया कि किस प्रकार कुछ सामान्य सतर्कता एवं जागरूकता से इस क्षेत्र में होने वाली लापरवाही से बचा जा सकता है। इस अवसर पर आयोजित पंजीकरण कैम्प का लाभ लेते हुए कई लोगों ने एफएसएसएआई से स्वयं को पंजीकृत कराया। क्षेत्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारी युगल किशोर ने मिठाईयों इत्यादि में रंग का प्रयोग मानक के अनुसार एवं कम से कम करने की सलाह दी। खाद्य तेल का प्रयोग तीन बार से अधिक न करके उसे अलग संरक्षित कर बायोडीजल बनाने वाली कंपनियों को सप्लाई करने से संबन्धित रूको योजना की जानकारी भी दी गई। यहां तक कि मौके पर ही जनपद अमेठी के सहायक आयुक्त खाद्य राजेश द्विवेदी द्वारा ऐसे बचे हुए तेल का व्यापारियों को कम से कम 50रु प्रति लीटर का रेट दिलाने का आश्वासन भी दिया गया। उन्होंने बताया योजना से व्यापारी और उपभोक्ता दोनों को लाभ ही लाभ है। व्यापारी के खाद्य की गुणवत्ता में सुधार होगा और उपभोक्ता को ज्यादा सुरक्षित ट्रांसफैट मुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध हो सकेगी।

नर्सों की लापरवाही से नवजात शिशु की मौत

जगदीशपुर, अमेठी। डिलीवरी के दौरान प्रसूता के साथ मारपीट के उपरांत नर्सो की गैर मौजूदगी मे बेहोशी की हालत मे प्रसूता ने एक नवजात शिशु को जन्म दिया ह्न कुछ देर बाद नवजात शिशु ने दम तोड़ दिया जिससे आक्रोशित परिजनो ने थाने मे तहरीर देकर नर्सो पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्यवाई की मांग की। थानाक्षेत्र के अंतर्गत जगदीशपुर कस्बे मे स्थित एक निजी नर्सिंग होम मे माहेमऊ थाना भाले सुल्तान शहीद स्मारक निवासी आमिना बानो प्रसव कराने हेतु गत दिवस भर्ती हुई थी जहां नर्सो द्वारा प्रसव के दौरान प्रसूता से मारपीट करने के बाद प्रसव कक्ष से बाहर निकल गई ह्न परिजनो ने बताया कि बेहोशी की हालत में प्रसूता ने एक नवजात शिशु को जन्म दिया परंतु कुछ समय बाद उसने दम तोड़ दिया जिससे आक्रोशित परिजनो व मौजूद स्टाफ से नोक-झोंक होने के उपरांत भुक्तभोगी ने थाने मे लिखित तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की।

डीएम ने सीएम डैशबोर्ड व विकास कार्यों की बैठक में की समीक्षा

संवाददाता। उरई, जालौन

शुक्रवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में सीएम डैशबोर्ड एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शी एवं बेहतर ढंग से किया जाए ताकि सरकार की योजनाओं से वंचित लोगों को जोड़ा जा सके और उनकी समस्याओं का भी बुनियादी समाधान हो सके। सभी संबंधित अधिकारी लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति में सुधार लाएं और टीम भावना के साथ कार्य करें। यदि किसी भी अधिकारी की प्रगति में शिथिलता पाई गई तो निश्चित ही कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापरक निस्तारण के लिए अधिकारी प्रतिदिन अपना विभागीय पोर्टल चेक करें। उपभोक्ताओं द्वारा विद्युत विभाग को की गई गलत बिलों का त्वरित संज्ञान लेते हुए यथाशीघ्र कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए कि निमार्णाधीन सड़कों एंव परियोजनाओं को समयबद्धता के साथ पूर्ण करें एवं आंकड़े समय-समय पर पोर्टल पर अपलोड किए जाएं।

जल-जीवन मिशन में खराब प्रगति मिलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि सड़कों का बेहतर तरीके से रेस्टोरेशन कार्य कराया जाए। इसके तहत एक सूची तैयार की जाए और समय निर्धारित करते हुए कार्य किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जो कार्य या परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी है उनकी जानकारी जनप्रतिनिधियों को दी जाए जिससे समय से लोकार्पण का कार्य हो सके।

बदहाल स्थिति में लालगंज सीएचसी का महिला वार्ड

लालगंज, रायबरेली। लालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रसोवत्तर सेवाएं पूरी तरह से बदहाल हैं। महिला वार्डों में न तो पंखे हैं और नही प्रकाश की व्यवस्था है। टॉयलेट्स में अधीक्षक का ताला बंद है। गंदगी से जच्चा और बच्चा को सांस लेना दूभर है। सरकार महिला कल्याणार्थ अस्पतालों में व्यापक सुविधाएं मुहैया करा रही है वहीं दूसरी ओर अधीक्षक और सीएमओ महिला स्वास्थ्य के प्रति पूरी तरह से लापरवाह बने हुए हैं। मरीजों की ओर से आने वाली किसी भी शिकायत की सुनवाई एवं व्यवस्था के लिए कोई सुनने वाला नहीं है। महिला मरीजों ने बताया कि लालगंज का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में प्रसव के उपरांत कोई व्यवस्था नहीं है। प्रसवोत्तर सभी वार्ड प्रसवोत्तर के बाद महिलाओं से खचाखच भरे हैं लेकिन किसी भी वार्ड में एक भी पंखा नहीं चल रहा है। भर्ती सभी महिलाएं अपने-अपने बगल मोमबत्ती रख कर अपना काम चला रही हैं। पंखे बंद होने से जच्चा एवं बच्चा दोनो गरम के कारण बेहाल हैं।

मृतक के नाम पर खनन के अनुमति पत्र पर कर दी संस्तुति लेखपाल निलंबित

ऊंचाहार , रायबरेली। गंगा एक्सप्रेस वे में मिट्टी खनन के लिए सारे नियम कानून ताक पर रख दिए गए हैं। बिना अनुमति लिए बड़े पैमाने पर खनन किया गया है , अनुमति पत्र भी मनमाने तरीके से बनाया गया , जिसका एक मामला उजागर हुआ है , जिसमें मृतक के नाम खनन का अनुमति पत्र लेखपाल ने संस्तुति रिपोर्ट लगा दी । इसमें अब एसडीएम ने लेखपाल को निलंबित कर दिया है। ज्ञात हो कि निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेस वे के ठेकेदारों ने मिट्टी खनन में सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों से मिलकर खूब मनमानी की है। एक ठेकेदार ने लेखपाल से मिलकर मृत किसान की भूमि में मिट्टी खनन का अनुमति पत्र बनवा डाला। मामला गैर आबाद गांव शाहाबाद का है । गंगा एक्सप्रेस वे का निर्माण करा रही एक कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठेकेदार ने क्षेत्र के गैर आबाद गांव शाहाबाद में कमोली गांव निवासी रमेश व उनके मृतक भाई भूपेंद्र सिंह के नाम मिट्टी खनन के लिए अनुमति पत्र का आवेदन किया था। जिसमें भूपेंद्र सिंह के मृतक होने के बावजूद भी क्षेत्रीय लेखपाल आलोक अवस्थी ने 16 करोड़ 64 लाख 62 हजार घन मीटर मिट्टी खनन संस्तुति की रिपोर्ट लगा दी ।एसडीएम सिदार्थ चौधरी द्वारा खतौनी का मिलान कराने पर लेखपाल की करतूत सामने आ गई। जिसके बाद एसडीएम ने तहसीलदार से जांच कर आख्या रिपोर्ट मांगी।

जांच में हेराफेरी मिलने पर एसडीएम ने लेखपाल को निलंबित कर दिया। एसडीएम ने बताया कि गलत रिपोर्ट लगाने के मामले में लेखपाल को निलंबित कर नायब तहसीलदार को जांच दी गई है।

अच्छी आदतों को अपनाएं बच्चे: मंडलायुक्त

गोंडा। शुक्रवार को आयुक्त देवीपाटन मंडल शशि भूषण लाल सुशील ने गोविंद प्रकाश शुक्ला इंटर कॉलेज गौरा चौकी में आयोजित संस्कारशाला में छात्र-छात्राओं को बुरी आदतों से दूर रहने व अच्छी आदतों को अपनाने की बात कही। विद्यालय के प्रबंधक ने आयुक्त का स्वागत किया। छात्र-छात्राओं के सम्बोधन में मंडलायुक्त ने कहा कि सभी बच्चों को अपने माता-पिता व गुरु के द्वारा सिखाए गए संस्कारों को अपनाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि बच्चे अपने मन की बात अपने माता-पिता, गुरु व सगे-संबंधी से अवश्य बताएं। अच्छे संस्कारों को अपनायें और समाज में फैली बुराइयों से अपने आप को बचाएं। सदैव माता-पिता व गुरु द्वारा सिखाए गए रास्ते पर ही चलें। आयुक्त ने कहा कि बच्चे कच्ची मिट्टी के समान होते हैं, उन्हें बचपन से उनके आसपास रहने वाले जो संस्कार प्राप्त होंगे, बच्चे उसे ही अपने अंदर ढालेगा। गुरुओं की जिम्मेदारी है कि बच्चों को अच्छे संस्कार दें।

एलबीएस कालेज के छात्र-छात्राओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

गोंडा। श्री लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज के विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं ने नगर पालिका परिषद के स्वच्छता अभियान की ब्रांड एंबेसडर डॉ. रेखा शर्मा के साथ स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। सड़क पर झाड़ू लगाते हुए कालेज के छात्र छात्राओं ने ब्रांड एंबेसडर के मार्गदर्शन में आम जनमानस को स्वच्छता का पाठ पढ़ाया। इस मौके पर डॉ. शर्मा का कहना था केवल सरकारी तंत्र के सक्रिय होने से कभी भी हम अपने वातावरण को स्वच्छ और सुंदर नहीं बना सकते। वातावरण को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए हमें अपना चिंतन और अपनी जीवन शैली बदलनी होगी। हमें अपने नगर को सुंदर बनाना है तो सबसे पहले एक कदम हमें बढ़ाना होगा। हम बदलेंगे तो जग बदलेगा। इस पुनीत कार्य के लिए प्राचार्य रवींद्र कुमार, विश्वविद्यालय शिक्षक संघ महामंत्री प्रोफेसर जीतेंद्र सिंह, छात्र कल्याण अधिकारी प्रोफेसर शिव शरण शुक्ला, प्रोफेसर श्रवण कुमार श्रीवास्तव मुख्य नियंता प्रोफेसर आरबी सिंह बघेल ने इस पहल की सराहना की।

ग्रामीण क्षेत्र में दर्जनों गांवों में रात के अंधेरे में हो रहा मिट्टी का अवैध खनन

संवाददाता। कालपी, जालौन

क्षेत्र में मिट्टी के अवैध खनन पर विराम नही है। दंबग रात के अंधेरे में जेसीबी मशीन के जरिये खनन कर प्रतिदिन सैकड़ों ट्राली मिट्टी बेंच रहे हैं लेकिन पुलिस व प्रशासन को क्षेत्र में चल रहे इस खेल से कोई वास्ता नही है। ज्ञातव्य हो कि शासन ने बालू गिट्टी के साथ मिट्टी के व्यवसायिक इस्तेमाल पर भी रोक लगा रखी है। प्रशासन की अनुमति के बगैर अपनी जमीन से भी मिट्टी खोदकर नही बेंचा जा सकता है।

लेकिन महेवा ब्लॉक क्षेत्र के दर्जनों गावों में शासन का यह नियम लागू नहीं होता है तभी तो काफी दिनों से चुर्खी तथा कालपी कोतवाली क्षेत्र के दर्जनों गावो में मिट्टी का अवैध खनन हो रहा है।

ऐसा भी नहीं है कि मिट्टी माफ्याओं का यह कारोबार चोरी छिपे हो रहा हो बल्कि सब कुछ खुलेआम हो रहा है जिसकी बानगी मंगरोल स्टैण्ड से महज कुछ दूरी पर स्थित खेतो में देखी जा सकती है वही चुर्खी थाना क्षेत्र के कई गांवों में भी बराबर देखी जा रही है। ग्रामीणों की माने तो अर्से से यहां जेसीबी मशीन गर्ज रही है। गुरुवार रात में भी माफ्याओं ने मशीन के जरिये सैकड़ों ट्राली मिट्टी खोदकर बेंची है। ऐसा भी नहीं है कि महेवा ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम मंगरोल, सिम्हारा, चुर्खी, न्यामतपुर, सतराहजू, नूरपुर सहित दर्जनों गांवों में हो रहे मिट्टी के अवैध खनन की जानकारी पुलिस और प्रशासन को न हो लेकिन जिम्मेदारों ने इस कारोबार को बन्द कराने की जहमत नही उठाई है। ग्रामीणों की माने तो इस अवैध कारोबार में इलाकाई पुलिस की भूमिका भी संदेह के दायरे में है।

पॉलीथिन से होने वाले दुष्परिणाम बता किया जागरूक

जालौन, उरई। राष्ट्रीय सेवा योजनान्तर्गत स्वच्छता जागरूकता संबधी गोष्ठी का आयोजन सेठ वीरेंद्र कुमार सातकोत्तर महाविद्यालय में किया गया। जिसमें छात्रों को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया गया। सेठ वीरेन्द्र कुमार महाविद्यालय, गूढ़ा न्यामतपुर में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण से संबंधित संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पॉलिथीन प्रयोग के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों व छात्र-छात्राओं ने शपथ ली कि वे समाज को पॉलिथीन मुक्त कराने का प्रयास करेंगें और स्वयं भी पेपर बैग का प्रयोग करेंगें। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अवनीश दीक्षित ने पॉलिथीन प्रयोग के दुष्परिणामों के विषय में बताते हुए कहा कि पॉलिथीन का प्रयोग कर फेंकने से जानवरों की मृत्यु हो रही है और भूमि की उर्वरा शक्ति भी खत्म हो रही है।

आधा दर्जन गांवों को जोड़ने वाले परवई मार्ग पर गड्ढों की भरमार

जालौन, उरई। बंगरा मार्ग से परवई मार्ग निकला है जो जगम्मनपुर तक जाता है। आधा दर्जन गांवों को जोड़ने वाली सड़क जगह जगह खराब हो गयी। सड़क पर जगह जगह गड्ढे बन गये हैं। सड़क पर गड्ढे होने के कारण राहगीर परेशान हैं।

भिंड मार्ग से सुढ़ार सालाबाद मार्ग के सामने से परवई मार्ग निकला है। बंगरा मार्ग से निकले मार्ग से ग्राम सोने परवई, औरेखी, शेरपुरा, चाकी, अमखेड़ा, सिहारी, मिर्जापुर आदि के ग्रामीण यात्रा करते हैं।बंगरा मार्ग से निकले मार्ग से माधौगढ़ रामपुरा जगम्मनपुर के लिए शार्टकट रास्ता है तथा इस मार्ग पर बसें चलती है। मार्ग पर जगह जगह बने गड्ढे राहगीरों के परेशानी का सबब बने हुए हैं। ग्रामीण अनिल कुमार प्रजापति,रामबाबू रजक ग्राम प्रधान ,संजु खरे, अखिलेश चाकी,टिल्लू दोहरे अनुज राजावत चाकी बताते हैं कि सड़क सड़क जगह जगह खराब हो गयी है। सड़क पर बने गड्ढों के कारण लोग परेशान हैं। गड्ढों के कारण आये दिन दुर्घटनाएं हो रही है तथा लोग घायल हो रहे हैं।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार इस मार्ग को मरम्मत होने वाली सड़कों की सूची में सम्मिलित किया जाये तथा इसकी शीघ्र मरम्मत करायी जाये जिससे यातायात सुगम हो सके तथा आये दिन होने वाली दुर्घटनाएं रुक सकें।

नगर में पैथालॉजी संचालन के नाम पर चल रहा गोरखधंधा

संवाददाता। कालपी, जालौन

नगर में अवैध पैथालाजी केन्द्रों की भरमार है जहां खून एवं अन्य प्रकार की जांचों के नाम पर खेल चल रहा है। जिसमें बगैर को निर्धारित योग्यता के युवक, युवतियां नमूना लेने से लेकर जांच भी कर रहे हैं लेकिन स्वास्थ्य विभाग को चल रहे इस गोरखधंधे से कोई वास्ता नही है।

विदित हो कि स्वास्थ्य विभाग ने आमजनता के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र स्थापित किया है जहां पर खून तथा अन्य प्रकार की जांचों के साथ मुफ्त में दवा भी उपलब्ध कराई जाती है लेकिन अस्पताल की व्यवस्था आम आदमी के स्वास्थ्य की देखभाल के लिए पर्याप्त साबित नही हो रहा है। जानकारों की मानें तो सीएचसी में प्रतिदिन पांच सैकड़ा के लगभग रोगी आते हैं जिसके चलते जांच के लिए आने वाला केमिकल महज कुछ दिनों मे ही खत्म हो जाता है जिसके चलते मरीजो को जांच के लिए बाहर जाना पडता है जहां पर बैठे नीम हकीम महज कुछ देर में जांच रिपोर्ट देकर उनसे भारी रकम वसूल लेते है।

और इसी के चलते नगर के मुहल्ला दमदमा, टरननगंज सहित कई क्षेत्रों में अवैध पैथालाजी संचालित हो रही है। जिसमें टरननगंज बाजार एक मार्केट में संचालित हो रही पैथ लैव के पास अभी कोई लाईसेंस नही है उसने इसके लिए स्वास्थ्य विभाग से लाईसेंस बनवाने के लिए आवेदन किया था जिसके लिए अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. अरविंद भूषण ने उपजिलाधिकारी सुशील कुमार सिंह के साथ उक्त स्थल का निरीक्षण किया था और अपनी असहमत भी लगाई थी लेकिन बिना लाईसेंस के चल रहे इस पैथलैब मे अभी भी जाँचे हो रही है।

इसके अलावा विभिन्न नामी गिरामी पैथलाजी के नाम पर भी कयी जांच केन्द्र संचालित है और ऐसा भी नहीं है कि वह इसका संचालन चोरी व छुपकर कर रहे हो बल्कि वहां तो सब कुछ खुलेआम है लेकिन विभाग के पास अभी ऐसी कोई सूचना नही जिससे वह इन अवैध पैथलाजी के खिलाफ कार्यवाही कर सके। इस संबंध में जब चिकित्सा अधीक्षक डा. दिनेश गुप्ता से बात की गई तो उन्होंने कहा कि अस्पताल में सभी जाँचें उपलब्ध है किसी को बाहर जाने की जरूरत नहीं है।

पर उनके संज्ञान में नगर में महज रिलायबल पैथलाजी के पास लाइसेंस है और अगर बाकी के पास नहीं है तो वह शीघ्र ही जाँच कराएगे। डा. विशाल सचान के मुताबिक ज्यादातर जांचें गलत आ रही हैं जिसके चक्कर में फंसकर मरीज देर में ठीक हो रहे हैं। लेकिन लोग बगैर लाइसेंस और मानकों को दरकिनार कर चल रही अवैध पैथालाजी से जांच करा रहे हैं।

डीएम ने की जनपदीय स्वास्थ्य समिति की मासिक समीक्षा, दिए निर्देश

● संस्थागत प्रसव बढ़ाने पर सभी एमओआईसी दें विशेष ध्यानः जिलाधिकारी

●गर्भवती महिलाओं व बच्चों का शत प्रतिशत करायें टीकाकरण

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के अध्यक्षता में जनपदीय स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की बैठक माँ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। सर्वप्रथम गत बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। समीक्षा में संस्थागत प्रसव बढ़ाने, मातृत्व मृत्यु दर में कमी करने, जननी सुरक्षा योजना का लाभ देने, गर्भवती महिलाओं व बच्चों के शत प्रतिशत टीकाकरण कराने के निर्देश दिए गए। डीएम ने मातृत्व मृत्यु के सम्बन्ध में कहा कि इसके कारणों का पता करेंए यदि लापरवाही के कारण कोई क्षति पायी जाये तो सम्बन्धित की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यवाही की जाये। डीएम ने सभी एमओआईसी को संस्थागत प्रसव बढ़ाने व आशाओं के मानदेय का समय से भुगतान कराने के निर्देश दिये। अभियान चलाकर अस्पतालों के लाइसेंस की जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की जाये।

डीएम ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। आरबीएसके टीम कमजोर बच्चों का चिन्हांकन कर प्रभावी कार्यवाही करे। वर्तमान में मच्छर जनित विभिन्न बीमारियों के सम्बन्ध में विशेष सतर्कता बरती जायेए आने वाले सभी मरीजों की जांच की जाये। टीकाकरण, आभा आईडी, टीवी, तम्बाकू उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा कर दिशा निर्देश दिए गए। बैठक में तृतीय पक्ष डब्ल्यू एचओए यूनिसेफ द्वारा किए गए सर्वे की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए गए।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संडीला का राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की टीम ने किया निरीक्षण

संडीला (हरदोई)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन नई दिल्ली से आई हुई टीम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र संडीला तथा उपकेन्द्र सोम का निरीक्षण किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन भारत सरकार की ओर से निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. सरोज कुमार के नेतृत्व में डॉ. कौसतुभगिरी तथा इनकी राज्य इकाई से अनूप श्रीवास्तव एवं डॉ. अताउर्रब, महाप्रबंधक सामुदायिक कम्युनिटी प्रक्रिया की टीम ने सबसे पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बेगमगंज का निरीक्षण किया। टीम ने विशेष रूप से लेबर रूम, ओटी, दवा वितरण, टेस्टिंग यूनिट, सीएचसी की देखरेख और सफ़ई व्यवस्था तथा स्वास्थ्य सुविधाओं और शासकीय योजनाओं के कार्यानवन को देखा और बाद में इसकी समीक्षा भी की। सीएचसी अधीक्षक डॉ. शरद वैश्य द्वारा सीएचसी के बेहतरीन रखरखाव एवं उनकी कार्यप्रणाली की मुक्तकंठ इसे प्रशंसा की। उन्होंनें रोगियों से भी अलग अलग बात करके चिकित्सालय द्वारा दी जा रही सुविधाओं के विषय में पूछा। इसके बाद इस टीम ने स्वास्थ्य उपकेन्द्र सोम का भी निरीक्षण किया। दूसरी ओर एसडीएम डॉ. अरुणिमा श्रीवास्तव ने उपमुख्य चिकित्साधिकारी जीतेन्द्र श्रीवास्तव के साथ आरबी हॉस्पिटल बेगमगंज का सघन निरीक्षण किया। हालांकि निरीक्षण के दौरान क्या कमियां या अच्छाईयां पाई गयीं इस विषय में मीडिया को कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

सीएचसी का निरीक्षण करती हुई भारत सरकार की टीम

स्वच्छ घर स्वामियों व सफाई मित्रों को किया सम्मानित

● जनप्रतिनिधियों व कर्मियों ने की स्वच्छता ही सेवा अभियान में सहभागिता

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

स्वच्छ घर स्वामियों को सम्मानित करते सभासद प्रतिनिधि।

शासनादेश के अनुपालन में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर तक चलाये जा रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत पालिकाध्यक्षा मुन्नी देवी गुप्ता एवं अधिसाषी अधिकारी अनिल पंडित के निर्देशन में सभासदों द्वारा स्वच्छ घर स्वामियों व सफ़ाई मित्रों को सम्मानित कर उत्साहबर्धन किया गया। इस दौरान उन्होनें कहा कि स्वच्छता में ईश्वर का वास होता है।

शुक्रवार को 155 घण्टे के महा अभियान के दौरान शासन से प्राप्त निर्देशों के अनुसार नगर पालिका परिषद के वार्ड संख्या 15 सरोजनी नगर सहित प्रत्येक वार्ड में प्रधान लिपिक आरपी सिंह की देखरेख में तीन स्वच्छ घर स्वामियों को सम्मानित किया गया एवं वार्ड में कार्यरत सफ़ाई मित्रों में से दो सफ़ाई मित्रों को भी सम्मानित किया गया। पालिका कार्यालय में अधिसाषी अधिकारी ने बताया कि पूरे अभियान में कुल 75 नागरिकों एवं 50 सफ़ाई मित्रों को सम्मानित किया गया है।

इस दौरान विभिन्न स्थानों पर सभासद प्रतिनिधि दीपक गुप्ता, धर्मेन्द्र गुप्ता उर्फ बडे, आजम सिददीकी, आजाद चक, चरणजीत, सुरेन्द्र कुमार, परमजीत, सिराज अहमद, शहंशाह, संतोष गुप्ता उर्फ मुल्लू, निर्मल श्रीवास्तव, विपिन चौरसिया, भैयालाल दुवे, सुनील कुमार सैनी उर्फसोनू, देवेन्द्र सिंह यादव, जितेन्द्र कुमार, दिनेश चन्द्र गुप्ता सहित अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

विद्युत करंट की चपेट में आकर बेसडी गांव में किसान की मौत

असोथर (फतेहपुर)। बिजली विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की लचर नीति के चलते ज्यादातर ग्रामीण फीडरो में जर्जर ढीले तार लगे हुए हैं जिसकी चपेट में आकर शुक्रवार की सुबह एक नवयुवक किसान की मौत हो गयी है जिसके बाद परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है वहीं परिजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस शव का पंचनामा भर कर पोस्ट मार्टम हाउस भेज दिया है। बताते चलें कि विद्युत उपकेंद्र असोथर के गाजीपुर फीडर में बेसडी को जानें वाली 11000 हाई-टेंशन लाइन का तार जमीन से सिर्फछः सात फुट कि ऊंचाई में है किसानों की शिकायत के बाद भी जर्जर तार को न ऊंचा नहीं किया गया और न ही बदला गया जिसकी चपेट में शुक्रवार की सुबह 09 बजे नवयुवक कृषक अंकित यादव 22 वर्ष अपने खेतों में चारा काटने गया था घास का बोझ सर में रखकर घर जा रहा था तभी अंकित का हाथ हाई-टेंशन लाइन में छू गया जिसके बाद वह बेहोश होकर जमीन पर गिर गया आसपास मौजूद कृषक, चरवाह आनन-फानन घायल अंकित को घर ले गये जिसके बाद परिजनों ने निजी वाहन से सदर अस्पताल में ले जाकर भर्ती किया गया। जहां डाक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद मृतक के पिता हरिओम यादव, माता सुमित्रा देवी, पत्नी रीता देवी, भाई रामू, राजू का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। मृतक की 04 साल पहले रहिमापुर मिचकी में शादी हुई थी। एक साल का नौनिहाल लड़का बबलू है। मृतक अंकित यादव के चचेरे भाई रामप्रताप पुत्र सुमेर सिंह यादव ने असोथर थाने में तहरीर देकर विद्युत विभाग के ऊपर लापरवाही का आरोप लगाते हुए न्याय की गुहार लगाई है। रामप्रताप का कहना है, कि विद्युत उपकेंद्र असोथर में कई बार शिकायत करके तार बदलकर ऊंचाई पर बांधने की मांग की गयी थी लेकिन जिम्मेदारो के द्वारा ध्यान नहीं दिया गया।

विवाह के एक साल बाद ही महिला की फांसी लगाने से मौत

● मृतका के स्वजनों नें हत्या का आरोप लगाया

फर्रुखाबाद। विवाह के एक साल बाद ही विवाहिता ने संदिग्ध हालत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। ससुरालीजन विवाहिता को एक निजी अस्पताल लेकर गये जहाँ डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतका के स्वजनों नें हत्या करनें का आरोप लगाया है। थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के हैबतपुर गढिया कांशीराम कालोनी निवासी पवन राजपूत का बीते साल पूर्व अस्तबल तराई निवासी सतीश की पुत्री 20 वर्षीय शिवानी के साथ हुआ था। पवन शहर एक मॉल में नौकरी करता है। दोपहर को शिवानी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

जैसे ही ससुरालीजनो को पता चला कि शिवानी ने फांसी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया है। विवाहिता शिवानी को फंदे से उतार कर नाला मछरटटा स्थित एक अस्पताल ले गये। जहां पर चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया । जिससे ससुरालीजन विवाहिता शिवानी का शव वापस घर लौट गये। ससुरालीजनो ने मृतका के स्वजनों को सूचना दी। सूचना मिलने पर मृतिका शिवानी की माँ मंजू देवी,दादी तारावती चाचा सुधीर आदि मौके पर आ गये। उन्होंने बेटी की हत्या किये जानें का आरोप लगाया। सूचना परर थाना मऊ दरवाजा एस ओ भोलेंद्र चतुर्वेदी,अमृतसर सीओ रविंद्र नाथ राय,चौकी इंचार्ज राघवेन्द्र सिंह, उपनिरीक्षक नरसिंह, फिल्ड यूनिट की टीम मौके पर पंहुची। घटना की जांच पड़ताल की। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका के परिवार वालों ने लगाया हत्या का आरोप

मायके पक्ष के लोगो ने बताया कि किसी बात को लेकर कहा सुनी हो गयी थी। विवाद गहरा गया तो शिवानी नाराज होकर अपने मायके चली गयी। दादी तारावती ने शिवानी को समझा बुझाकर ससुराल भेज दिया। चाचा सुधीर ने आरोप लगाया कि हमारी भतीजी को गला दबाकर हत्या की गयी है। लड़के की माता ने बताया लड़के का फोन आया तो हम नीचे रहते हैं। ऊपर जाकर देखा तो गेट बंद था। पड़ोसी ने देखा विंडो में कि वह शिवानी जमीन पर पडी हुई थी तो पड़ोसियों ने अंदर से जाकर किवाडखुलवाए और आनन फानन में शिवानी को बेहोशी की हालत में अल्पताल ले गये। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया । लड़की के परिजनों ने मेरी बहू को और मुझे सबको मारा पीटा। मौके पर थाना मऊ दरवाजा दरोगा रागविंदर सिंह फोर्स के साथ पहुंचे मृतका के पति पवन राजपूत व ससुर दयाराम राजपूत को पक पकड़कर थाने ले आए। सनी कनौजिया नायब तहसीलदार मौके पर पहुंचे। मृतका के परिजडनो ने बताया कि शिवानी राजपूत का विवाह के1 वर्ष पूर्व पति पवन राजपूत 20 वर्ष पुत्र दयाराम राजपूत के साथ निवासी कटरी रामपुर थाना मऊ दरवाजा हुआ हुआ था। पवन के तीन भाई हैं बड़े भाई संदीप 32 वर्ष दूसरा भाई राहुल 27 वर्ष पवन 25 वर्ष मेगा मॉल में काम करता है। मृतका के पिता सतीश राजपूत दिल्ली में पुल का काम करते हैं। मृतका की तीन बहने एक छोटा भाई और माता मंजू है।

क्विक न्यूज

बारिश की भेट चढ़ा तेलान बाबा का मेला व दंगल

असोथर (फतेहपुर)। ब्लाक क्षेत्र के ग्राम सरकंडी खास स्थित प्राचीन तेलान बाबा मन्दिर के निकट दंगल व मेला का आयोजन इस बार खराब मौसम के कारण नहीं हो पाया। मुख्य आयोजक (दंगल व मेला कमेटी अध्यक्ष संतोष द्विवेदी ने बताया कि मौसम खराब होने और लगातार बारिश के चलते इस प्राचीन परम्परा को ओपचारिक रूप से सिर्फ़बच्चों की 05 कुश्ती कुश्तियां करवाकर निर्वाहित किया जा सका है, जिसमें विजई बाल पहलवानों को पुरस्कृत किया गया। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष इस परम्परा को और वृहद रूप से निर्वाह किया जायेगा। इस मौके पर प्रमुख रूप से जनार्दन त्रिपाठी, ननकवा अवस्थी, देवी दयाल निषाद, रामचंद्र सक्सेना, राकेश अवस्थी, राजेश मिश्रा, चेतन त्रिपाठी, सुशील अवस्थी, बबलू सिंह, वीर कारण सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहें।

बच्चे को समोसा में जहर मिलाकर खिलाया हुई मौत

असोथर (फतेहपुर)। असोथर थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर मजरे सरकंडी गांव की रहने वाली महिला गुड़िया देवी ने थाना पुलिस को तहरीर दिया और आरोप लगाया कि उसकी शादी वीरेंद्र निषाद के साथ 5 साल पहले हुई थी। शादी के तीन साल बाद पति और ससुराल वाले दहेज कम लाने की बात कहकर मारपीट करते थे। तीन साल पहले मुझे मारपीट कर घर से निकाल दिया उस समय मैं गर्भवती थी। उसके बाद मैंने एक बच्चे को जन्म दिया जिसका नाम अयंक रखा। मेरा पति 8 दिन पहले मुझे लेकर आया और साथ रखने की बात कही। दो दिन पहले सभी लोगों ने एकराय होकर मेरे बेटे और मुझे मारने की बात और 26 सितंबर की सुबह 8 बजे पति ने मुझे लाठी डंडे से बहुत मारा उसके बाद शाम को करीब 3 बजे के आस पास मेरे पुत्र को सास ने समोसा में जहर देकर खिला दिया जब मुझे जानकारी हुई तो डॉक्टर के पास लेकर गई तो डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जब मृत बच्चे को लेकर घर आई तो पति और देवर ने जबरन बच्चे के शव को छीनकर ले जाकर यमुना नदी में फेंक दिया। जबकि मैं पोस्टमार्टम कराने के लिए कह रही थी। उसके बाद मुझे भी घर से निकाल दिया। महिला ने आरोप लगाया कि इस मामले में थाना पुलिस ने कोई सुनवाई नही किया। इस मामले में कार्यवाहक थाना प्रभारी राजेन्द्र कुमार यादव ने बताया कि तहरीर मिली है। इस मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है। चौकी प्रभारी सरकंडी इस मामले को देख रहे है। दोषी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी।

आकाशी बिजली गिरने से 14 बकरियों की मौत

असोथर (फतेहपुर)। असोथर थाना क्षेत्र के भैरवा गांव में शाम 04 बजे आकाशी बिजली गिरने से 14 बकरियों की मौत। जंगल बकरी चराने गए थे। वही अचानक गलत चमक के साथ बारिश शुरू हो गई अचानक श्याम 4.00 बजे काशी बिजली गिरी लल्लू की 6 बकरियां मोर मलिक के 4बकरी खालिक की चार बकरिया आकाशी बिजली के चपेट में आ गई और मौके पर ही मौत हो गई बकरी पलकों का लाखों का हुआ नुकसान।

बहन के घर गये वृद्ध ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

फर्रुखाबाद। बहन के घर गये आये वृद्ध नें फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घर सूचना मिलने परक पर मृतक के परिजनों में चीखपुकार मच गयी। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। राजेपुर थाना क्षेत्र ग्राम दहेलिया निवासी 70 वर्षीय प्रकाश अग्निहोत्री 20 दिन पूर्व अपने गाँव से अपनी बहन पुन्ना पत्नी रामू कनकपुर रूपापुर हरदोई के घर गए थे। सुबह 6 बजे प्रकाश अपनी बहन पुन्ना से गाँव जाने की कहकर निकले थे। कुछ समय बाद उसका शव ग्राम रूपापुर के निकट ही नीम के पेड़ में प्लास्टिक की रस्सी से फांसी पर झूलता मिला।

भैंस चराने गया युवक लापता

संडीला (हरदोई)। घर से पशु चराने के लिए गया एक व्यक्ति 12 दिन पूर्व लापता हो गया। इस व्यक्ति की पत्नी ने पुलिस को तहरीर देकर अपहरण कर हत्या की आशंका जताई है। जानकारी के अनुसार थाना अतरौली के अंतर्गत ग्राम नंदाखेड़ा निवासी रामनाथ विगत 16 सितंबर को गोमती नदी के किनारे अपनी भैंस चराने गया था और फिर वहां से वापस नहीं लौटा। घरवालों ने उसकी तमाम तलाश की लेकिन उसका कहीं कोई पता नहीं चला। इसके बाद रामनाथ की पत्नी फूलमती ने थाना अतरौली जाकर पुलिस को तहरीर दी कि उसकाए उसके जेठ जगन्नाथ से विवाद चल रहा है और विगत 31 अगस्त को जगन्नाथए प्रकाशए राजाराम आदि ने रामनाथ की हत्या की धमकी दी थी। फूलमती ने आशंका व्यक्त की कि इन लोगों ने ही अपहरण कर रामनाथ की हत्या कर दी है। यह मामला दर्ज करने के बाद पुलिस ने पकरा के जंगल में सर्च अभियान चलाया लेकिन रामनाथ का कोई पता नहीं चला। पुलिस लगातार रामनाथ की तलाश कर रही है।

एचटी लाइन की चपेट में आकर युवक की मौत

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के ग्राम बेसड़ी में शुक्रवार की सुबह खेत से चारा लेकर घर आ रहे 20 वर्षीय युवक नीचे झूल रही एचटी लाइन की चपेट में आ गया। जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बेसड़ी गांव निवासी हरिओम का पुत्र अंकित शुक्रवार की सुबह छह बजे खेत चारा लेने गया था। वापस लौटते समय जब वह घर आ रहा था तभी नीचे झूल रही एचटी लाइन की चपेट में आ गया। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। परिजन उसे तत्काल सरकारी एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाए। जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि कई महीनों से तार झूल रहा है। जिसकी शिकायत कई बार की गई थी, लेकिन विद्युत विभाग की लापरवाही के चलते घटना घटित हो गई।

आदेशों के बावजूद मध्यान भोजन न बनवाने पर जिलाधिकारी नाराज़

● एफआईआर दर्ज कराने के आदेश

संडीला (हरदोई)। एक अशासकीय इंटर कॉलेज में मिड डे मील न बनवाए जाने को लेकर जिलाधिकारी ने कठोर रवैध अपनाते हुए कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं प्रबंधक के विरुद्ध एफ़आईआर के आदेश दिए हैं। जनता इंटर कॉलेज कछौना में काफ़ी समय से प्रबंधकीय विभाग चल रहा है और इसी के चलते कॉलेज की प्रशासनिक व्यवस्था अस्त व्यवस्त सी हो गयी है। इसी कारण इस इंटर कॉलेज में विगत 13 जुलाई 2024 से एमडीएम बनना बंद हो गया। जब इसकी सूचना मध्यान भोजन प्राधीकरण के द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक को दी गयी। जिविनि ने कॉलेज के प्रबंधक और प्रधानाचार्य से इस विषय में चर्चा करके बाकायदा उन्हें पत्र जारी किया कि कॉलेज में तत्काल प्रभाव से मिड.डे मील बनवाया जाए, लेकिन जिला विद्यालय निरीक्षक के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद बनना शुरू नहीं हुआ। जिला विद्यालय निरीक्षक ने इस सारे प्रकरण की जानकारी डीएम को दी। बताते हैं कि जिलाधिकारी ने विगत 20 अगस्त 2024 को कॉलेज की प्रिंसिपल को स्पष्ट निर्देश दिए कि कॉलेज में कक्षा 1 से 8 तक के छात्रों के लिए एमडीएम बनवाना शुरू किया जाए। डीएम के सख्त निर्देशों के बाद प्रधानाचार्य ने 31 अगस्त से 6 सितंबर तक मिड.डे मील बनवायाए लेकिन इसके बाद फिर एमडीएम बनना बंद हो गया। डीएम ने सख्त रवैया अपनाते हुए खण्ड शिक्षाधिकारी कछौना को इस मामले में कॉलेज की प्रिंसिपल और प्रबंधक के विरुद्ध एफ़आईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। खण्ड शिक्षाधिकारी ने डीएम के आदेश के बाद खण्ड शिक्षाधिकारी ने कोतवाली में एफ़आईआर दर्ज करने के लिए तहरीर दे दी हैए हालांकि अभी तक एफ़आईआर दर्ज होने की पुष्टि पुलिस ने नहीं की है।

मंत्री की अध्यक्षता में मत्स्य विभाग से योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

बाँदा। मंत्री मत्स्य विभाग उप्र डॉ. संजय कुमार निषाद की अध्यक्षता एवं जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद की उपस्थिति में सर्किट हाउस सभागार में मत्स्य विभाग से योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने मत्स्य पालकों का पंजीकरण कराये जाने तथा मत्स्य पालकों का बीमा कराये जाने के निर्देश दिये। सहकारी समितियों को और अधिक सक्रिय किये जाने तथा समितियों में रजिस्टेशन के लिए प्राप्त होने वाले आवेदनों का एक रजिस्टर बनाये जाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री मत्स्य पालक योजना तथा प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अन्तर्गत पात्र एवं गरीब मछुवा समुदाय के लोगों को योजना से लाभान्वित कराये जाने के निर्देश दिये। मत्स्य पालकों के लिए रोजगार बढाने के लिए कार्यवाही किये जाने के निर्देश मत्स्य विभाग के अधिकारियों को दिये। लीड बैंक मैनेजर को मत्स्य पालकों के लिए कैम्प लगाकर एक सप्ताह में केसीसी बनाये जाने तथा कैम्प का व्यापक प्रचार.प्रसार कराये जाने के निर्देश दिये। कडे निर्देश दिये कि मत्स्य विभाग से संबंधित संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में पात्र मत्स्य पालकों को प्राथमिकता पर पारदर्शिता के साथ लाभ प्रदान किया जाएए इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जायेगी।

मत्स्य पालकों को मत्स्य पालन हेतु तालाबों के पट्टों का आवंटन सम्बन्धित ग्राम व क्षेत्र में बृहद स्तर पर प्रचार कर आवंटित करने के निर्देश मत्स्य विभाग के अधिकारियों को दिये। निर्देशित किया कि मत्स्य पालन के लिए पोखरों में कब्जा व अतिक्रमण नही होने पाये। मत्स्य पालकों को नाव दिये जाने की योजना के अन्तर्गत गुणवत्तायुक्त नाव दिये जाने के निर्देश दिये। मछुवा कल्याण कोश तथा मछुवा आवास योजना के अन्तर्गत गरीब एवं पात्र मत्स्य पालकों का चयन करते हुए योजना का लाभ प्रदान कराये जाने के निर्देश दिये। मत्स्य पालकों को गम्भीर बीमारी में आयुष्मान योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किये जाने हेतु कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में सीएमओ को निर्देश दिये।

डिप्टी सीवीओ ने चिकित्सक का रोका वेतन महोबा के गौशालाओं की प्रशंसा की

संवाददाता। हमीरपुर

चित्रकूटधाम मंडल के पशु चिकित्सा विभाग के प्रभारी अपर निदेशक (एडी) एवं सीवीओ हमीरपुर ने कल बांदा व महोवा जिले का औचक निरीक्षण किया जिसमे गुणवत्ता पूर्वक आईजीआरएस की शिकायतों का निस्तारण न होने पर डिप्टी सीवीओ बबेरु व एक डाक्टर का बेतन अग्रिम आदेशों तक रोक दिया है। उन्होने गौबंश महोवा की जमकर प्रशंसा की है.

जानकारी के मुताबिक प्रभारी एडी चित्रकूटधाम मंडल डा अरविंद कुमार ने सबसे पहले महोवा जिले की कई गौशालाओं व पशु अस्पतालों का निरीक्षण किया जिसमे ज्यादातर बिभागीय काम ओके मिला गौवश सभी स्वस्थ पाये गये,सिंधन कला में 418 गौबंश पाये गये जो सभी संरक्षित है। इसी प्रकार केंद्र कनवाडा बांदा का निरीक्षण किया जिसमे 431 गौबंश पाये गये सभी गौबंश स्वस्थ है। चारा पानी की व्यवस्था उचित पायी गयी है। एडी ने बताया कि बबेरु अस्पताल का निरीक्षण किया गया जिसमे डाक्टर संतोष कुमार तथा अतर्रा के डाक्टर निर्मल गुप्ता का कार्य संतोषजनक नही पाया गया है आईजीआरएस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्वक निदान नही किया गया था लिहाजा दोनो डाक्टरों का बेतन अग्रिम आदेश तक रोक दिया गयाहै दोनो डाक्टरों से जवाब तलब किया गया है। एडी का कहना है कि इसके बाद वह चित्रकूट व हमीरपुर जिले की सभी गौशालाओं का सघन निरीक्षण करेगे जो भी कर्मी काम में लापरवाही करेगा उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जायेगी। उन्होने सभी पशु चिकित्सको से कहा है कि कोई भी गौवंश सडको पर नही बैठेगा सभी को गौशालाओं में बंद किया जाये किसी भी किसान की फसल का भी नुकसान नही होना चाहिये।

जनपद में गॉधी जयंती के अवसर पर आयोजित किये जाए विभिन्न कार्यक्रमः एडीएम

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह के निर्देशन में एडीएम प्रशासन अमित कुमार की अध्यक्षता में 02 अक्टूबर को गांधी जयन्ती समारोह को सम्मानपूर्वक आयोजित किये जाने के सम्बन्ध में बैठक मॉ मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में सम्पन्न हुई। एडीएम ने कहा कि सभी राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाये, कार्यालयोंए विद्यालयों में महात्मा गांधी जी के चित्र का अनावरण व माल्यार्पण किया जाये। गांधी जी के जीवन.संघर्ष उनकी देश.सेवा, उनके जीवन.मूल्यों पर प्रकाश डाला जाये। विशेष रूप से निर्बलों एवं कमजोरों के कल्याण संबंधी अन्त्योदय की उनकी अवधारणा, भावनात्मक एकता राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के सम्बन्ध में उनके विचारों को प्रसारित किया जाये। स्कूलों और कॉलेजों में गांधीवादी जीवन.दृष्टि का प्रचार तथा गांधी जी के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विद्यार्थियों की वाद.विवाद प्रतियोगिता एवं गोष्ठी आयोजित की जाये।

32 लाख कीमत के मोबाइल बरामद मालिकों को सौंपे

फतेहपुर। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से चोरी गए मोबाइल धारकों के शिकायती पत्रों पर कार्रवाई करते हुए सर्विलांस पुलिस टीम ने इलेक्ट्रानिक सर्विलांस के माध्यम से ट्रेस कर 125 मल्टीमीडिया मोबाइलों को बरामद कर लिया जिन्हें शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने अपने हाथों उनके मालिकों को सौंपने का काम किया। साथ ही बरामदगी करने वाली सर्विलांस टीम को भी एसपी ने पच्चीस हजार रूपए का ईनाम देकर हौसला अफ्जाई की है। बताते चलें कि विभिन्न थाना क्षेत्रों के अंतर्गत आए दिन मोबाइल गिरने व चोरी की घटनाएं होती रहती हैं। मोबाइल स्वामियों ने इसकी शिकायत एसपी समेत सर्विलांस सेल से की थी। सर्विलांस सेल व पुलिस टीम ने माह सितंबर में संयुक्त प्रयास करके जनपद में खोए व गुमशुदा मोबाइलों को इलेक्ट्रानिक सर्विलांस के माध्यम से ट्रेस कर जनपद व आस-पास के जनपदों से विभिन्न कंपनियों के कुल 125 मल्टीमीडिया मोबाइल सेटों को बरामद कर लिया। जिनकी कीमत लगभग 32 लाख रूपए हैं। शुक्रवार को रिजर्व पुलिस लाइन के सम्मेलन कक्ष में बरामदशुदा मोबाइल सेटों को पुलिस अधीक्षक ने उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया। एसपी के हाथों मोबाइल पाकर स्वामियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। सभी ने एसपी समेत सर्विलांस सेल की भूरि-भूरि प्रशंसा की। एसपी ने इस बड़ी कामयाबी पर सर्विलांस सेल टीम को पच्चीस हजार रूपए का ईनाम देकर सम्मानित किया। मोबाइल वितरण के दौरान क्षेत्राधिकारी सदर सुशील दुबे भी मौजूद रहे। बरामदगी करने वाली सर्विलांस सेल टीम में निरीक्षक तारा सिंह पटेल, हेड कांस्टेबल रविन्द्र प्रताप सिंह, कांस्टेबल सनत कुमार पटेल, शिवसुन्दर यादव, अजय यादव, अंकुश बाबू के अलावा अन्य थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ शामिल रहे।

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने बदली ग्रामीण भारत की तस्वीरः सीएमओ

संवाददाता। लखीमपुर.खीरी

अयुष्मान भारत.प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने ग्रामीण भारत के स्वास्थ्य सेवाओं की तस्वीर बदल दी है। आयुष्मान भारत योजना का उददेश्य गरीब एवं वंचित परिवारों को बेहतर एवं सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। इसके तहत 05 लाख रूपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जाता हैए जिससे गम्भीर बिमारियों के इलाज में मदद मिलती है।

इस योजना से गरीब एवं वंचित लोगों को सरकारी एवं चिंहित निजी अस्पतालों में गम्भीर बिमारियों जैसे हृदय रोगए कैंसरए किडनी की बिमारियां आदि के इलाज में बहुत मदद मिल रही है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि माह सितम्बर में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के 06 वर्ष एवं आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के 03 वर्ष पूर्ण हो रहे है।

इस उपलक्ष्य में दिनांक 20 सितम्बर से 30 सितम्बर 2024 तक आयुष्मान पखवाडा चलाया जाना सुनिश्चित किया गया है। जिसमे फ्रंटलाइन वर्कर एएनएमए आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्री के द्वारा क्षेत्र में व्यापक प्रचार.प्रसार कर आयुष्मान भारत योजना के बारे में जन मानस को जागरूक किया जा रहा है। साथ ही पात्र लाभार्थियों यथा 47372 वरिष्ठ नागरिक ;जिनकी उम्र 60 साल से अधिक हैए पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारक हैए राशन कार्ड में सभी सदस्य 60 साल से अधिक उम्र के हैद्ध व 06 अथवा उससे अधिक यूनिट वाले पात्र गृहस्थी राशन कार्ड धारक ;309577 लाभार्थियोद्ध का आयुष्मान भारत कार्ड बनाया जायेगा।

उच्चतम न्यायालय ने राजोआना की याचिका पर केंद्र और पंजाब सरकार से जवाब मांगा

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में दोषी ठहराए गए बलवंत सिंह राजोआना की उस याचिका पर केंद्र, पंजाब सरकार और अन्य से जवाब मांगा है, जिसमें उसकी दया याचिका पर निर्णय लेने में अत्यधिक देरी के कारण उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदलने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। राजोआना ने उच्चतम न्यायालय से अनुरोध किया है कि प्रतिवादी प्राधिकारियों को उसकी ओर से दायर दया याचिका पर निर्णय लेने में अत्यधिक देरी के कारण उसकी मौत की सजा को आजीवन कारावास में बदला जाए। याचिका में कहा गया है कि इसलिए उसकी रिहाई के लिए निर्देश जारी किया जाए।

उच्चतम न्यायालय ने पिछले वर्ष तीन मई को राजोआना को सुनाई गई मौत की सजा को उम्रकैद में बदलने से इनकार कर दिया था। उच्चतम न्यायालय में दायर अपनी नई याचिका में राजोआना ने कहा है कि उसने कुल मिलाकर लगभग 28 साल और आठ महीने की सजा काटी है, जिसमें से 17 साल उसने मौत की सजा का सामना कर रहे दोषी के रूप में काटी है। राजोआना पंजाब पुलिस में कांस्टेबल था और उसे 31 अगस्त, 1995 को चंडीगढ़ में पंजाब सिविल सचिवालय के बाहर हुए विस्फोट मामले में दोषी पाया गया था। इस घटना में तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह तथा 16 अन्य लोग मारे गए थे। एक विशेष अदालत ने राजोआना को जुलाई, 2007 में मौत की सजा सुनाई थी। उसकी याचिका पर 25 सितंबर को न्यायमूर्ति बी. आर. गवई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सुनवाई हुई।

पीठ में न्यायमूर्ति पी. के. मिश्रा और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन भी शामिल थे। पीठ ने कहा, नोटिस जारी किया जाता है और इस पर चार नवंबर को जवाब दाखिल किया जाए। राजोआना ने अपनी याचिका में कहा है कि मार्च 2012 में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने उसकी ओर से क्षमादान का अनुरोध करते हुए संविधान के अनुच्छेद 72 के तहत एक दया याचिका दायर की थी।

याचिका में कहा गया है कि एक साल से अधिक समय बीत चुका है, जब उच्चतम न्यायालय ने सक्षम प्राधिकारी को उसकी ओर से दायर दया याचिका पर विचार करने और उस पर आगे निर्णय लेने का निर्देश दिया था। याचिका में एक अलग मामले में उच्चतम न्यायालय के पिछले साल अप्रैल के आदेश का हवाला दिया गया है, जिसमें अदालत ने सभी राज्यों और उपयुक्त प्राधिकारियों को लंबित दया याचिकाओं पर जल्द से जल्द और बिना किसी देरी के फैसला करने का निर्देश दिया था। इसमें कहा गया, उपरोक्त निर्देशों के बावजूद, याचिकाकर्ता की दया याचिका को लंबित रखा गया है।

लोकपाल ने पत्रकारों से मान्यता के लिए आवेदन करने, ड्रेस कोड का पालन करने को कहा

नई दिल्ली। लोकपाल ने इसके कामकाज को कवर करने के वास्ते पत्रकारों से मान्यता के लिए आवेदन मांगे हैं और पात्रता मानदंडों की एक सूची जारी की है जिसमें इसके परिसर में आने के दौरान मीडियाकर्मियों के लिए एक ड्रेस कोड शामिल है। पत्रकारों के पास अधिवक्ता अधिनियम के तहत बार भारतीय विधिज्ञ परिषद से मान्यता प्राप्त कानूनी डिग्री होनी चाहिए। यदि पत्रकार या संवाददाता के पास किसी मान्यता प्राप्त विवि से स्नातक की डिग्री है तो लोकपाल अध्यक्ष द्वारा उचित मामलों में इस शर्त को माफ या शिथिल किया जा सकता है। इच्छुक पत्रकारों के पास किसी भी संवैधानिक अदालत की घटनाओं और कार्यवाही की रिपोर्टिंग करने का कम से कम पांच साल का अनुभव हो। इच्छुक पत्रकारों के पास दैनिक समाचारपत्र या राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय समाचार एजेंसी या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रतिष्ठान में रिपोर्टिंग का कम से कम पांच साल का अनुभव होना चाहिए। साढ़े तीन साल का अनुभव किसी संवैधानिक अदालत की घटनाओं और कार्यवाही की रिपोर्टिंग का होना चाहिए। लोकपाल में कानूनी संवाददाता के रूप में मान्यता के लिए इच्छुक और पात्र पत्रकारों/ संवाददाताओं से संलग्न प्रोफार्मा में आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि परिपत्र जारी होने से 30 दिन है। मान्यता के बाद श्रमजीवी पत्रकार/ संवाददाता द्वारा पालन की जाने वाली शर्तों का उल्लेख करते हुए मानदंडों में कहा गया है कि एक मान्यता प्राप्त संवाददाता, अस्थाई/नियमित, कार्यालय के माहौल के अनुरूप औपचारिक पोशाक में लोकपाल परिसर का दौरा करेगा।

डीयू, कॉलेजों ने लिंगदोह समिति के दिशानिर्देशों की अनदेखी की: डूसू चुनाव पर दिल्ली उच्च न्यायालय

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और इसके कॉलेजों के अधिकारी लिंगदोह समिति के दिशानिर्देशों के सही मायने को समझने में विफल रहे हैं, जिनमें छात्र संघ चुनावों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और मुद्रित पोस्टरों के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई है। अदालत ने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय और कॉलेजों के अधिकारियों ने लिंगदोह समिति के दिशानिर्देशों की अवहेलना की है। नामित मुख्य न्यायाधीश मनमोहन और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने 26 सितंबर के अपने आदेश में ए टिप्पणियां कीं। इसे शुक्रवार को उच्च न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड किया गया।

अदालत ने अपने इस आदेश के जरिए पोस्टर, होर्डिंग हटाए जाने और भित्तिचित्रों को मिटाए जाने तथा सार्वजनिक संपत्ति को पूर्व रूप में लाने तक दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनावों की मतगणना रोक दी है। डूसू चुनाव के लिए शुक्रवार को यहां विश्वविद्यालय के उत्तरी और दक्षिणी परिसरों (नॉर्थ और साउथ कैम्पस) में कड़ी सुरक्षा के बीच मतदान जारी है। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, मतों की गिनती शनिवार को होनी थी।

पीठ ने कहा, इस अदालत को ऐसा भी लगता है कि दिल्ली विश्वविद्यालय और डीयू के कॉलेजों के वरिष्ठ प्रबंधन इस अदालत द्वारा स्वीकार किए गए लिंगदोह समिति के दिशानिर्देशों के वास्तविक महत्व और आवश्यकता को समझने में लापरवाही बरत रहे हैं। रिकॉर्ड पर रखे गए वीडियो और तस्वीरों को देखने के बाद, अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया उसका मानना है कि डूसू और डीयू के कॉलेज के चुनावों में धन एवं बाहुबल का व्यापक उपयोग हुआ है जो लिंगदोह समिति के दिशानिर्देशों का उल्लंघन है।

पीठ ने कहा, इस अदालत का मानना है कि चुनाव, जिसे लोकतंत्र का त्योहार माना जाता है, को धनशोधन और सार्वजनिक संपत्ति के विरूपण के त्योहार में बदल दिया गया है। कुछ मायनों में, यह शिक्षा प्रणाली की विफलता को दर्शाता है। अदालत ने दिल्ली विश्वविद्यालय को विरूपण सामग्री हटाने में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), सरकारी विभागों और दिल्ली मेट्रो सहित नगर प्राधिकारों द्वारा किए गए खर्च का भुगतान करने का भी निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि विवि को इसके बाद, लिंगदोह समिति के दिशानिर्देशों के अनुसार उम्मीदवारों से राशि वसूलने का अधिकार होगा।

धर्म परिवर्तन पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की टिप्पणी हटाई, आरोपी को जमानत दी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय की उस टिप्पणी को फैसले से हटा दिया कि यदि धार्मिक आयोजनों, जहां धर्मांतरण होता है, को नहीं रोका गया तो देश की बहुसंख्यक आबादी एक दिन अल्पसंख्यक बन जाएगी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कैलाश नामक व्यक्ति को जमानत देते हुए यह आदेश पारित किया, जिसके खिलाफ उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की धारा 365 (किसी व्यक्ति को गुप्त रूप से और गलत तरीके से बंधक बनाने के इरादे से अपहरण करना) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

शीर्ष अदालत ने आरोपी को यह कहते हुए राहत दी कि वह 21 मई, 2023 से हिरासत में है। पीठ ने कहा, हम स्पष्ट करते हैं कि उच्च न्यायालय द्वारा की गई सामान्य टिप्पणियों का वर्तमान मामले के तथ्यों पर कोई असर नहीं था और इसलिए, मामले के निस्तारण के लिए उनकी आवश्यकता नहीं थी। इन टिप्पणियों को उच्च न्यायालय या किसी अन्य अदालत में किसी अन्य मामले या कार्यवाही में उद्धृत नहीं किया जाएगा। इससे पहले दो जुलाई को, उच्च न्यायालय ने जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए इन आरोपों पर गौर किया था कि आवेदक उत्तर प्रदेश के हमीरपुर से लोगों को धर्मांतरण के लिए दिल्ली में एक धार्मिक समागम में ले जा रहा था और कहा था, अगर इस प्रक्रिया को जारी रखने की अनुमति दी गई, तो इस देश की बहुसंख्यक आबादी एक दिन अल्पसंख्यक हो जाएगी...। उच्च न्यायालय ने आरोपी को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा था कि इस तरह का धर्मांतरण संविधान के खिलाफ है, जो केवल अंतरात्मा की स्वतंत्रता और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार-प्रसार की अनुमति देता है।

उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान सरकार से बहाल आयुष चिकित्सकों का वेतन जारी करने को कहा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राजस्थान सरकार को उन सेवानिवृत्त सरकारी आयुष चिकित्सकों का लंबित वेतन एक सप्ताह के भीतर जारी करने का शुक्रवार को निर्देश दिया जिन्हें उच्च न्यायालय के फैसले के बाद बहाल किया गया था। न्यायालय ने पूछा कि आयुष चिकित्सकों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों किया गया। इससे पहले राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख किया था। सरकार ने अपनी अपील में कहा था कि एलोपैथिक चिकित्सकों और चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणालियों से जुड़े चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की आयु अलग-अलग नहीं हो सकती।

एलोपैथिक चिकित्सकों की कमी को ध्यान में रखते हुए राजस्थान सरकार ने 31 मार्च, 2016 से उनकी सेवानिवृत्ति की आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी थी जिसके कारण सरकारी आयुष (आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी) चिकित्सकों की ओर से याचिकाएं दायर की गई थीं। सरकार द्वारा नियुक्त आयुष चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष ही रही।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि राज्य के सभी सरकारी चिकित्सकों के लिए सेवानिवृत्ति की आयु समान होनी चाहिए। आयुष चिकित्सकों की शिकायतों पर विचार करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा था कि यदि वे 31 मार्च, 2016 के बाद सेवानिवृत्त हुए तो उन्हें 62 वर्ष की आयु तक सेवा में माना जाएगा। प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने शुक्रवार को उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ राज्य सरकार की अपीलों पर गौर किया। पीठ ने तब अप्रसन्नता जाहिर की जब आयुष चिकित्सकों के वकील ने कहा कि हालांकि उन्हें सेवा में वापस ले लिया गया है, लेकिन उनके वेतन के भुगतान में पांच महीने की देरी हुई है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, वे सभी चिकित्सक के रूप में काम कर रहे हैं। आयुर्वेद के साथ यह सौतेला व्यवहार क्यों...आपने वेतन जारी क्यों नहीं किया? पीठ ने सरकार से एक सप्ताह के भीतर वेतन जारी करने को कहा।

पीठ ने वकील से राज्य में चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की आयु से संबंधित मुद्दे से उत्पन्न मामलों का एक चार्ट तैयार करने को कहा। उच्चतम न्यायालय 19 जुलाई को उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली राजस्थान सरकार की अपील पर विचार करने के लिए सहमत हो गया था जिसमें कहा गया था कि एलोपैथिक चिकित्सकों और चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणालियों से जुड़े चिकित्सकों की सेवानिवृत्ति की आयु अलग-अलग नहीं हो सकती। इसने राज्य सरकार की अपील पर आयुष चिकित्सकों को नोटिस जारी किया था। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय में अवमानना का सामना कर रहे अधिकारियों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्वाई नहीं करने के सॉलिसिटर जनरल के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया था। उच्च न्यायालय ने आदेश दिया था, जो लोग 60 वर्ष की आयु तक पहुंचने पर सेवानिवृत्त हो गए हैं, लेकिन 62 वर्ष की आयु पूरी नहीं की है, उन्हें तुरंत सेवा में बहाल किया जाए।

उच्चतम न्यायालय ने ऐतिहासिक फैसलों के सारांश के साथ वेब पेज शुरू किया

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अपने महत्वपूर्ण निर्णयों का सारांश उपलब्ध कराने के लिए एक नया वेब पेज शुरू किया है। इस संबंध में एक बयान में कहा गया, वेब पेज लैंडमार्क जजमेंट समरीज नागरिकों के लिए सुविज्ञ सूचना देने, कानूनी जागरूकता को बढ़ावा देने और कानून के साथ सार्वजनिक जुड़ाव को बढ़ाने के अदालत के व्यापक लक्ष्य के अनुरूप न्यायालय के महत्वपूर्ण निर्णयों कोके व्यापक लक्ष्य के अनुरूप न्यायालय के महत्वपूर्ण निर्णयों को समझना आसान बनाता है। उच्चतम न्यायालय के फैसले देश भर में सार्वजनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं। बयान में कहा गया, इसलिए न्यायालय अपने निर्णयों को सभी नागरिकों के लिए सुलभ बनाने के महत्व को पहचानता है। जटिल कानूनी भाषा और लंबे फैसले नागरिकों को न्यायालय के काम और निर्णयों को समझने में बाधा बन सकते हैं।

पौष्टिक आहार कार्यक्रम आयोजित

लखनऊ। एक सेहतमंद राष्ट्र के लिए नागरिकों के जीवन को बदलने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुएए स्वास्थ्य और कल्याण आवश्यकताओं का समर्थन करने वाली एक अग्रणी कंपनी एमवे इंडिया ने पूरे देश में लक्षित उपायों के साथ राष्ट्रीय पोषण माह मनाया। एमवे इंडिया ने राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान पोषण.आधारित लक्षित उपायों के माध्यम से देश भर में 30000 वितरकों और उनके ग्राहकों को इस कार्यक्रम से जोड़ा ।एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक, रजनीश चोपड़ा ने इस अवसर परबोलते हुए कहाए श्चूंकि पोषण संबंधी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैंए इसलिए संतुलितपोषण को सभी के लिए सुलभ और व्यावहारिक बनाना अत्यावश्यक हो गया है।इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च ;आईसीएमआरद्ध की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत मेंबीमारी के बोझ में 56.4:योगदान अस्वास्थ्यकर आहार का है।

एक नया साहसिक कार्यक्रम

वाराणसी। दुनिया भर में कृषि के क्षेत्र में अग्रणी कॉर्टेवा एग्रीसाइंस एक व्यापक कार्यक्रम शुरू कर रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य 2030 तक भारत की एग्री.वैल्यू चेन में 2 मिलियन वूमेन ;महिलाओंद्ध की मदद करना है। इस कार्यक्रम के तहत कॉर्टेवा का लक्ष्य महिलाओं की सहायता कर और उपकरण एवं संसाधन प्रदान करते हुए उन्हें एक किसानए शोधकर्ता और उद्यमी बनने में मदद करना है। इस पहल की शुरुआत के अवसर परए कॉर्टेवा एग्रीसाइंस के साउथ एशिया प्रेसिडेंट सुब्रतो गीड ने कहाए ष्महिलाएं ग्रामीण जीवन और कृषि की रीढ़ हैं। कॉर्टेवा खेती के बेहतर तरीकोंए शिक्षा और टिकाऊ खेती के तरीके उपलब्ध कराते हुए महिलाओं की आय और उनकी जिंदगी को बेहतर बनाने का प्रयास कर रहा है।

डीआरएचपी दाखिल किया:वाराणसीरू एम एंड बी इंजीनियरिंग लिमिटेड ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ;सेबीद्ध के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस ;डीआरएचपीद्ध दाखिल किया है। कंपनी 325 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों के नए निर्गम और 328 करोड़ रुपये तक के ऑफर फॉर सेल के जरिए फंड जुटाने की योजना बना रही है।

आरजी कर के पूर्व प्राचार्य के खिलाफ आरोप गंभीर, फांसी की सजा हो सकती है: अदालत

कोलकाता। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जुड़े मामलों की सुनवाई करने वाली एक विशेष अदालत ने कोलकाता स्थित आरजी कर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष को जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि उसके खिलाफ गंभीर आरोप हैं जिनके साबित होने पर फांसी की सजा तक हो सकती है। सीबीआई ने नौ अगस्त को सरकारी अस्पताल में एक चिकित्सक से कथित बलात्कार और हत्या के मामले में सबूतों से छेड़छाड़ और प्राथमिकी दर्ज करने में देरी के आरोप पर घोष और ताला पुलिस थाने के पूर्व प्रभारी अभिजीत मंडल को गिरफ्तार किया था।अदालत ने 25 सितंबर को सुनाए गए अपने आदेश में कहा कि केस डायरी से ऐसा प्रतीत होता है कि केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा जांच की प्रक्रिया जोरों पर है। घोष की जमानत याचिका को खारिज करते हुए अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एस डे ने कहा कि आरोप गंभीर प्रकृति के हैं और यदि ए साबित हो जाते हैं तो इसमें मृत्युदंड की सजा हो सकती है, जो दुर्लभतम मामलों में दी जाती है। न्यायाधीश ने कहा कि अदालत की राय है कि आरोपी को जमानत पर रिहा करना समता के सिद्धांत का उल्लंघन होगा। उन्होंने आदेश में कहा कि एक व्यक्ति दूसरों की मदद से अपराध कर सकता है और अन्य आरोपियों को घटना स्थल पर मौजूद रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। अदालत ने अभिजीत मंडल की जमानत याचिका भी खारिज कर दी। इसने 30 सितंबर तक दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेजने के सीबीआई के अनुरोध को स्वीकार कर लिया।

हवारा को पंजाब की जेल में स्थानांतरित करने का अनुरोध

याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा गया

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को बब्बर खालसा के आतंकवादी जगतार सिंह हवारा की याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा। हवारा 1995 में पंजाब के तत्कालीन मुख्यमंत्री बेअंत सिंह की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। हवारा ने खुद को दिल्ली की तिहाड़ जेल से पंजाब की किसी जेल में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने हवारा की याचिका पर केन्द्र, दिल्ली और पंजाब सरकारों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हवारा 31 अगस्त, 1995 को चंडीगढ़ में सिविल सचिवालय के प्रवेश द्वार पर हुए विस्फोट में सिंह की हत्या से संबंधित मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। इस घटना में 16 अन्य लोग भी मारे गए थे।

उच्चतम न्यायालय में दायर याचिका में कहा गया है कि जेल में हवारा का आचरण ठीक रहा है, सिवाय एक कथित घटना को छोड़कर जिसमें वह 22 जनवरी 2004 को जेल में सुरंग खोदकर फरार हो गया था और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। पीठ ने हवारा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्विस से पूछा, आप (हवारा) सुरंग खोदने में कैसे सफल रहे? गोंजाल्विस ने कहा, आज, मुख्य घटना को हुए लगभग 30 साल और जेल से भागने की घटना को हुए 20 साल हो गए हैं।

पीठ ने उनकी याचिका पर नोटिस जारी किया और इसे चार सप्ताह बाद सुनवाई के लिए निर्धारित किया।

अदालत ने आठ वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के मामले में व्यक्ति को दोषी करार दिया

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने आठ वर्षीय बच्ची से 2016 में दुष्कर्म किए जाने के मामले में एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए कहा कि पीड़िता की गवाही सबूतों से मेल खाती है, जिनमें सच्चाई है और अन्य साक्ष्यों से भी इसका मिलान हुआ है। अदालत ने कहा कि झूठे आरोप लगाने की कोई संभावना ही नहीं है क्योंकि माता-पिता दुष्कर्म का झूठा आरोप लगाकर अपनी नाबालिग बेटी की प्रतिष्ठा को दांव पर नहीं लगाएंगे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बबीता पुनिया व्यक्ति के खिलाफ मामले की सुनवाई कर रही है जो तीन अप्रैल 2016 को राष्ट्रीय राजधानी में बच्ची से दुष्कर्म करने का आरोपी है। विशेष लोक अभियोजक श्रवण कुमार बिश्नोई ने बताया कि जब बच्ची एक गली से गुजर रही थी तभी आरोपी ने उसे अपने घर के अंदर खींच लिया तथा दरवाजा बंद कर दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। उन्होंने बताया कि पीड़िता का बयान विश्वसनीय और एक जैसा है। न्यायाधीश ने 23 सितंबर को सुनाए गए अपने 62 पन्नों के फैसले में कहा, पीड़िता की गवाही को ध्यान में रखते हुए मुझे लगता है कि उसके बयान में सच्चाई है। उसके बयान न केवल विश्वसनीय हैं, बल्कि सभी विवरणों पर भी खरे उतरते हैं। अदालत ने बचाव पक्ष के वकील की उस दलील को खारिज कर दिया, जिसमें पीड़िता द्वारा आरोपी की ठीक से नहीं पहचानने की बात कही गई थी।न्यायाधीश ने कहा, यह अदालत इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकती कि वह एक ऐसी बच्ची के मामले की सुनवाई कर रही है, जो यौन उत्पीड़न की शिकार है। कथित घटना के समय, वह लगभग आठ साल की थी और उसकी गवाही छह साल से अधिक समय के अंतराल के बाद नौ दिसंबर 2022 को दर्ज की गई। अदालत ने कहा, आरोपी लंबे समय से न्यायिक हिरासत में है और दो मामलों में मुकदमे का सामना कर रहा है, जिनमें एक दुष्कर्म का और दूसरा एक बाल पीड़ित की हत्या का मामला है। आरोपी को स्क्रीन पर दिखाया गया था और यह आम बात है कि समय बीतने के साथ हुलिया बदल जाता है। अदालत ने कहा कि गलत पहचान की कोई संभावना नहीं थी और आरोपी की पहचान पूरी तरह साबित हो चुकी है। अदालत ने आरोपी को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा छह (यौन उत्पीड़न) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376 (दुष्कर्म), 342 (गलत तरीके से बंधक बनाना) और 363 (अपहरण) के तहत दोषी करार दिया।सजा की अवधि पर दलीलें बाद में पेश की जाएंगी।

पेज 1 का शेष

सुप्रीम कोर्ट ने...

अदालत में उपस्थित हुए सीएक्यूएम के अध्यक्ष राजेश वर्मा ने पीठ को बताया कि उन्होंने पंजाब और हरियाणा के जिला उपायुक्तों के साथ बैठक की है, जहां पर पराली जलाने की घटनाएं सामने आई हैं।शीर्ष अदालत ने 24 सितंबर को आयोग से कहा था कि वह सुनवाई की अगली तारीख (27 सितंबर) को इस मुद्दे पर उठाए गए कदमों की जानकारी दे। शीर्ष अदालत ने इस मामले में पहले कहा था कि सर्दियों के दौरान दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण में वृद्धि का एक कारण पराली जलाना भी है। पिछली सुनवाई के दौरान 27 अगस्त को शीर्ष अदालत ने कर्मचारियों की कमी के कारण दिल्ली और एनसीआर के राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को अप्रभावी करार दिया था और राष्ट्रीय राजधानी एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए जिम्मेदार निकाय से यह बताने के लिए कहा था कि वह प्रदूषण एवं पराली जलाए जाने की स्थिति से निपटने के लिए क्या उपाय कर रहा है।शीर्ष अदालत ने आश्चर्य जताते हुए कहा था कि रिक्तियों के कारण दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों से प्रतिनिधित्व की कमी है, ऐसे में सीएक्यूएम द्वारा गठित सुरक्षा और प्रवर्तन पर उप-समिति कैसे कार्य करेगी।न्यायालय ने एनसीआर के पांच राज्यों को संबंधित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में रिक्त पदों को 30 अप्रैल 2025 से पहले भरने का निर्देश दिया है।

बिहार में...

बारिश होने की उम्मीद है। बुलेटिन में कहा गया है कि पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, गोपालगंज, सीवान, सारण, वैशाली, पटना, जहानाबाद, मधुबनी और भोजपुर जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने कहा कि इन जिलों में अगले 24 घंटों में 'हल्के से मध्यम स्तर की बाढ़' आने का खतरा है। प्रभावित जिलों से बड़ी संख्या में लोगों को निकालकर राहत शिविरों में पहुंचाया गया है।शिमला मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश के लिए 'येलो' अलर्ट जारी किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि बारिश के बाद हिमाचल प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग 707 समेत कुल 47 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गई हैं। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, सिरमौर में सबसे ज्यादा 25 सड़कें बंद हैं, जिनमें शिमला जिले के हाटकोटी और सिरमौर जिले के पोंटा साहिब को जोड़ने वाली एनएच 707, कांगड़ा में दस, मंडी में आठ, कुल्लू में दो और किन्नौर और शिमला जिलों में एक-एक सड़क बंद है।

भाजपा का...

के 'एकाधिकार मॉडल' ने देश में नौकरियां छीन ली हैं। बुधवार को जम्मू में अखिल भारतीय व्यवसायिक कांग्रेस (एआईपीसी) द्वारा आयोजित 'डोगरी धाम विद आरजी' कार्यक्रम का वीडियो साझा करते हुए राहुल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के एक युवा स्टार्ट-अप मालिक की आंखों में निराशा भारत के अधिकांश उद्यमियों और छोटे व्यवसाय मालिकों के संघर्ष को दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'खराब जीएसटी और नोटबंदी जैसी अक्षम नीतियों के माध्यम से छोटे और मध्यम उद्योगों पर व्यवस्थित हमले ने भारत को एक उत्पादक अर्थव्यवस्था से उपभोक्ता अर्थव्यवस्था में बदल दिया है। इस दर पर हम न तो चीन के साथ प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और न ही सभी भारतीयों के लिए समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं।' उन्होंने कहा कि भारत इससे बेहतर का हकदार है। अपनी रैली में शाह ने भ्रष्टाचार, आरक्षण और अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर भी कांग्रेस पर हमला किया, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसे वापस लाना चाहती है। शाह ने दावा किया कि 5 अक्टूबर को होने वाले चुनावों के बाद भाजपा तीसरी बार हरियाणा में सत्ता में लौटेगी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा, भाजपा सरकार में कोई डीलर या दलाल नहीं है, जबकि दामाद का सवाल ही नहीं है।राहुल गांधी की हालिया अमेरिका यात्रा का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि जब भी उन्हें कुछ 'बकवास' बोलना होता है तो वह अमेरिका में 'ऊल जलूल' कहते हैं। शाह ने राहुल पर आरोप लगाया कि वह एससी, एसटी और ओबीसी का आरक्षण खत्म करने की बात कह रहे हैं। शाह ने पार्टी अनुशासन तोड़कर निर्दलीय चुनाव लड़ रहे कुछ बागियों का मुद्दा भी उठाया और रेवाड़ी के लोगों से अपील की कि वे केवल भाजपा के चुनाव चिह्न वाले उम्मीदवारों को ही वोट दें। उन्होंने लोगों से भाजपा उम्मीदवार लक्ष्मण यादव (रेवाड़ी), कृष्ण कुमार (बावल) और अनिल यादव (कोसली) को चुनाव में विजयी बनाने की अपील की। वहीं ??हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 'प्रचंड बहुमत' मिलने की भविष्यवाणी करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि मुख्यमंत्री पद के लिए अंतिम फैसला पार्टी हाईकमान द्वारा लिया जाएगा और यह उन्हें स्वीकार्य होगा। कांग्रेस में अंदरूनी कलह को लेकर प्रधानमंत्री द्वारा किए गए हमले के बारे में पूछे जाने पर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई आंतरिक दरार नहीं है और कांग्रेस एकजुट है।

कानपुर...

पार्क स्टेडियम से लगभग 1,500 मीटर दूर है, जहां भारत टेस्ट मैच में बांग्लादेश से भिड़ रहा है। पुलिस ने कहा कि उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ भी किया और मांग की कि शुक्रवार को शुरू होने वाला मैच रद्द कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल सहित दक्षिणपंथी समूहों के नेतृत्व में विरोध के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी तुरंत जुट गए। प्रदर्शनकारियों को स्टेडियम की ओर बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अंकिता शर्मा के नेतृत्व में भारी पुलिस बल को मौके पर भेजा गया।

धमाकों से ...

विस्थापित हुए हैं। उससे पहले हमास द्वारा इजराइल में घुसकर तबाही मचाए जाने के बाद इजराइल और हमास के बीच लड़ाई शुरू हुई थी। लेबनान ने कहा है कि इस समयावधि में उसकी सीमा पर कुल 1540 लोग मारे गए हैं।अमेरिका, फ्रांस और अन्य सहयोगी देशों ने 21 दिनों के संघर्ष विराम का संयुक्त आह्वान किया है। लेबनान के विदेश मंत्री ने संघर्ष विराम प्रयासों का स्वागत किया एवं इजराइल द्वारा लेबनान के सीमावर्ती गांवों में मचाई जा रही सुनियोजित तबाही की निंदा की। इजराइली वाहनों को टैंक और बख्तरबंद वाहनों को लेबनान से सटी देश की उत्तरी सीमा पर ले जाते हुए देखा गया।

दुनियाभर के...

अनेक संभावनाएं हैं। अयोध्या जैन तीर्थंकरों की जन्मस्थली है, काशी की पावन धरा पर अनेक जैन तीर्थंकर अवतरित हुए थे। कुशीनगर की पावा नगरी जैन तीर्थंकरों की पावन धरा के रूप में आज भी हमारे लिए पूज्य बनी हुई है। विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन प्रयागराज कुंभ दुनियाभर के श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। ऐसे ही हेरिटेज टूरिज्म की दृष्टि से देखें तो झांसी में लक्ष्मीबाई का किला, बांदा में कालिंजर का किला, आगरा का लालकिला और रेड फोर्ट, फतेहपुर सीकरी, प्रयागराज का किला, रामनगर वाराणसी का किला, मिर्जापुर में चुनार किला और लखनऊ का इमामबाड़ा के रूप में एक लंबी परंपरा है। ईको टूरिज्म का तो यूपी हब ही है। चाहे दुधवा हो, चूका हो, कतर्नियाघाट, हस्तिनापुर, सूर्य सरोवर, सोनभद्र का सलखन, ओखला बर्ड सेंचुरी हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार पर्यटकों की सुविधा और रुचि के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। आज यूपी अपनी बेहतरीन कनेक्टिविटी के लिए जाना जाता है। रोड, रेल, वाटर और एयर कनेक्टिविटी हमारे पास मौजूद है। आज हम विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर झांसी में समारोह से जुड़ रहे हैं, तो वहीं 2025 में मकर संक्रांति से लेकर 26 फरवरी तक प्रयागराज में लगने वाले महाकुंभ में भी दुनियाभर के 40 करोड़ श्रद्धालु भाग लेकर यूपी की इस अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के प्रति पूरे विश्व को आकर्षित करेंगे।

दुर्गा पूजा ...

पकड़ी गई ज्यादातर मछलियाँ गंगा, कोलाघाट और दीघा से आती हैं, लेकिन पद्मा हिल्सा जैसी कोई चीज़ नहीं है। फंडा यह है कि जितनी अधिक मछलियाँ --- जो समुद्र से आती हैं --- नदी के माध्यम से ऊपर की ओर तैरती हैं ... उतनी ही अधिक स्वादिष्ट होने की संभावना है। वे याद करते हुए कहते हैं जब कोई फरक्का बांध नहीं था, तो मछलियाँ वाराणसी या यहाँ तक कि इलाहाबाद तक तैर जाती थीं, लेकिन आज ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा, आप इसे भाप में पका सकते हैं, आप इसे खसखस ??के साथ, सफेद सरसों के पेस्ट के साथ, प्याज और अदरक के साथ पका सकते हैं, एक साधारण करी बना सकते हैं या इसे केले या हल्दी के पत्तों में लपेट कर बस भाप में पका सकते हैं ... इसका स्वाद किसी भी दिन स्वर्ग जैसा होता है। वे कहते हैं कि कीमतें 1000 रुपये से नीचे आनी चाहिए 'ताकि गरीब आदमी भी दुर्गा पूजा के दौरान हिल्सा का स्वाद ले सके।'

एमएसपी का पूरा मतलब भी जानते हैं राहुल : शाह

● हरियाणा के किसानों के लिए केंद्रीय योजना का लाभ 4000 रुपए बढ़ाने का वादा किया

भाषा। रेवाड़ी-कुरुक्षेत्र

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को वादा किया कि अगर उनकी पार्टी पांच अक्टूबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों में फिर से सत्ता में आती है तो हरियाणा के किसानों के लिए केंद्र की किसान सम्मान निधि योजना का लाभ 6,000 रुपए से बढ़ाकर 10,000 रुपए प्रति वर्ष किया जाएगा। भाजपा के वरिष्ठ नेता शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर शुक्रवार को निशाना साधते हुए पूछा कि क्या वह एमएसपी का पूरा मतलब भी जानते हैं? साथ ही उन्होंने कहा कि हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 24 फसलें खरीद रही है। रेवाड़ी, अंबाला और कुरुक्षेत्र जिलों में रैलियों को संबोधित करते हुए शाह ने वादा किया कि आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त इलाज की सीमा पांच लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा तीसरी बार हरियाणा में सत्ता में लौटेगी। उन्होंने भ्रष्टाचार, आरक्षण और अनुच्छेद 370 के मुद्दे पर कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि कांग्रेस इसे (अनुच्छेद 370 को) जम्मू कश्मीर में वापस लाना चाहती है। शाह ने किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि कुछ गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) ने राहुल बाबा से कहा है कि एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) के नाम पर उन्हें वोट मिलेंगे। उन्होंने पूछा, राहुल बाबा आप एमएसपी का पूरा मतलब जानते हैं? क्या आप ए भी जानते हैं कि कौन-सी रबी की फसल है और कौन-सी खरीफ की फसल है? किसानों और अग्निवीर मुद्दों को लेकर गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कांग्रेस नेता को झूठ की फैक्टरी करार दिया। शाह ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार एमएसपी पर 24 फसलें खरीद रही है। उन्होंने कहा, हरियाणा के कांग्रेस नेता बताएं कि कौन सा कांग्रेस शासित राज्य इतनी फसलें खरीद रहा है। उन्होंने केंद्र की किसान सम्मान निधि योजना का जिक्र करते हुए कहा, आज मैं कहना चाहता हूं कि आप (मतदाता) भाजपा की सरकार बनाएं। वर्तमान में किसानों को 6,000 रुपए मिल रहे हैं।

कांग्रेस के चुनावी वादों से हरियाणा की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा: गहलोत

भाषा। चंडीगढ़

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा हरियाणा के लोगों के लिए दी जा रही गारंटी से न तो राज्य की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और न ही कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। गहलोत ने पत्रकारों से कहा कि ए गारंटी व्यापक विचार-विमर्श और वित्तीय विशेषज्ञों से परामर्श के बाद दी गई हैं। कांग्रेस ने हमेशा जनता से चर्चा करने, उनके विचारों को समझने और आम नागरिकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर योजनाएं बनाने की नीति अपनाई है। उन्होंने कहा कि एक बार ए गारंटी लागू हो जाएं तो हरियाणा एक आदर्श राज्य के रूप में उभरेगा। गहलोत ने इस दावे को खारिज कर दिया कि कांग्रेस ने केवल विधानसभा चुनाव जीतने के लिए हरियाणा के लोगों से बड़े-बड़े वादे किए हैं। राजस्थान में किए कार्यों का उदाहरण देते हुए गहलोत ने कहा कि हरियाणा के लोगों को दी गई कई गारंटी राजस्थान में पहले ही लागू की जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में 25 लाख रुपए तक की मुफ्त स्वास्थ्य सेवा योजना सफल तरीके से लागू की गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को फिर से लागू किया गया है।

विवक न्यूज

बिहार के 13 जिलों में भारी बारिश का अनुमान, अचानक बाढ़ की चेतावनी

पटना। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को बिहार के कुछ हिस्सों में भारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है और अगले 24 घंटों में राज्य के 13 जिलों में अचानक बाढ़ के खतरे की चेतावनी जारी की है। आईएमडी की ओर से जारी बुलेटिन के अनुसार पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुज़फ़्फ़रपुर, गोपालगंज, सीवान, सारण, वैशाली, पटना, जहानाबाद, मधुबनी और भोजपुर जिलों में भारी बारिश की संभावना है। विभाग ने चेतावनी दी है कि इन जिलों में अगले 24 घंटों में अचानक बाढ़ आने का ख़तरा पैदा हो गया है। आईएमडी के ताज़ा पूर्वानुमान के मद्देनज़र राज्य के आपदा प्रबंधन विभाग (डीएमडी) ने इन 13 जिलों के प्रशासन को अलर्ट मोड पर रहने और स्थिति को संभालने के लिए सभी निवारक उपाय करने को कहा है। डीएमडी ने शुक्रवार को इस संबंध में इन 13 जिलों के जिलाधिकारियों को पत्र लिखा है।

छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले में झारखंड के आईएएस अधिकारी समेत कई के खिलाफ मामला दर्ज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) एवं आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने झारखंड के एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी समेत सात लोगों के खिलाफ झारखंड में शराब नीति में बदलाव कर झारखंड सरकार के खजाने को भारी नुकसान पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। एसीबी के अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि झारखंड के रांची निवासी विकास कुमार की शिकायत के आधार पर सात सितंबर को आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि जिन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, उनमें पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा, व्यवसायी अनवर ढेबर, छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक अरुणपति त्रिपाठी, आईएएस अधिकारी और छत्तीसगढ़ के पूर्व आबकारी आयुक्त निरंजन दास तथा अरविंद सिंह (सभी छत्तीसगढ़ के), झारखंड के पूर्व आबकारी सचिव विनय कुमार चौबे (1999 बैच के झारखंड कैडर के आईएएस) और नोएडा के व्यवसाई विधु गुप्ता शामिल है। अधिकारियो ने बताया कि इसके अलावा मेसर्स सुमित फैसिलिटीज के निदेशक, मैनपावर एजेंसियां, शराब आपूर्तिकर्ता एजेंसियां और अन्य के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। टुटेजा, ढेबर, त्रिपाठी, दास और सिंह छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाले में भी आरोपी है, जिसकी जांच प्रवर्तन निदेशालय और छत्तीसगढ़ की एसीबी,ईओडब्ल्यू कर रही है। छत्तीसगढ़ में कथित शराब घोटाला राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान सामने आया था।

पीसी बोर्ड स्टॉक स्प्लिट पर करेगा विचार

नई दिल्ली। पीसी ज्वेलर्स लिमिटेड भारत की अग्रणी और सबसे तेजी से बढ़ती ज्वेलरी रिटेल चेन में से एक, ने घोषणा की है कि कंपनी का बोर्ड 30 सितंबर को एक बैठक करेगा, जिसमें मौजूदा 10 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन / विभाजन पर विचार किया जाएगा। इस संबंध में अंतिम निर्णय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा लिया जाएगा, और इसके आधार पर कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में आवश्यक परिवर्तन किए जाएंगे। हाल ही में, कंपनी ने घोषणा की थी कि कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ने कंपनी द्वारा प्रस्तुत वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बकाया देनदारियों को निपटाने के लिए ओटीएस का विकल्प चुना था। अनुमोदित ओटीएस की शर्तों में नकद और इक्विटी घटक, बंधक संपत्तियों और प्रतिभूतियों की रिलीज़ शामिल है। इसके अलावा, कंपनी ने यह भी सूचित किया कि 6 सितंबर, 2024 को उसे आयकर विभाग से 67.54 करोड़ रुपये की धनवापसी प्राप्त हुई।कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में एक उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जहां उसने ग्राहकों का विश्वास और सद्भावना फिर से हासिल की है। इससे उसकी टॉपलाइन और मुनाफे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (लीड बैंक) ने भी दिल्ली के माननीय एनसीएलटी के समक्ष दायर कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) को वापस लेने के लिए आवेदन किया था। यह याचिका माननीय एनसीएलटी, दिल्ली द्वारा 30 अप्रैल, 2024 को खारिज कर दी गई थी। कंपनी को विश्वास है कि उसकी कानूनी परेशानियां जल्द ही समाप्त हो जाएंगी और अब वह विकास और मुनाफे के मार्ग पर अग्रसर है।

इंटरनेट की सुविधा से वंचित गाँवों में भी पहुँच कैंपेन

मुंबई। माता.पिता साथ मिलकर बच्चों की परवरिश करते हैं ;विकास के लिए दोनों ज़रूरत है और इसी विषय पर वर्तमान में जारी चर्चा के तहतए ब्रिटानिया मिल्क बिकिस ने ग्रुप एम की मीडिया सर्विस एजेंसीए माइंडशेयर इंडिया के साथ मिलकर अनोखा कैंपेनपरवरिश की बात पापा त्रिपाठी के साथ को लॉन्च किया है। बच्चों की परवरिश में माता.पिता की भूमिकाओं के बारे में सार्थक चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए शुरू किया गया यह कैंपेन बिल्कुल अनोखा है जिसमें परंपरा और टेक्नोलॉजी का बेहतरीन तालमेल दिखाई देता है। ब्रिटानिया के चीफ़ मार्केटिंग ऑफिसर अमित दोशी कहते हैं कि ब्रिटानिया मिल्क बिकिस ने लंबे समय से मातापिता को सहज पहुंच वाले टूल्स उपलब्ध कराकर उनकी सहायता की है जिसमें बच्चों की बेहतर परवरिश के तरीकों में मदद करने वाले एडेंगप्पा जैसे कैंपेन भी शामिल हैं। श्परवरिश की बात पापा त्रिपाठी के साथ कैंपेन के ज़रिये हमने टेक्नोलॉजी को भरोसे के साथ जोड़ा है और एक कदम आगे बढ़कर बच्चों की परवरिश की साझा जिम्मेदारियों के बारे में खुली चर्चा को प्रोत्साहन दिया है। इस कैंपेन में सभी चीजों को शामिल करने वाले टेक सॉल्यूशंस का उपयोग किया गया हैए और इसे कम कनेक्टिविटी वाले इलाकों में अलग.अलग तबके के ग्राहकों तक पहुँचने के लिए सुनियोजित तरीके से तैयार किया गया है।

गोल्ड कोस्ट इलेक्ट्रिकल्स का एक वर्ष पूरा

कानपुर। गोल्ड कोस्ट इलेक्ट्रिकल्स एसएनआरजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का मुख्य ब्रांड हाल ही में जिम कॉर्बेट में अपने वार्षिक कार्यक्रम में अपनी उपलब्धियों का जश्न मनाया। इस कार्यक्रम में भारत भर से 100 से अधिक प्रमुख व्यापार भागीदार शामिल हुए जिनमें डीलरए वितरक और स्टॉकिस्ट शामिल थे। यह न केवल एक उत्सव था बल्कि यह जोड़ों के लिए एक मंच भी थाए जहां उन्होंने एक.दूसरे के साथ संवाद किया ज्ञान साझा किया और अपने व्यक्तिगत विकास के अनुभवों पर चर्चा की। मजबूत संबंध और उपलब्धियांरू यह अवसर गोल्ड कोस्ट इलेक्ट्रिकल्स की वृद्धि में महत्वपूर्ण मजबूत बंधनों को याद दिलाता है। कंपनी ने अपने विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए व्यापार भागीदारों को सराहा। गोल्ड कोस्ट इलेक्ट्रिकल्स के लिए ये सहयोग इसकी वृद्धि और सफलता के लिए आवश्यक रहे हैं। कंपनी की साझेदारी.आधारित व्यापार रणनीति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दर्शाते हुएए समारोह में एक प्रतीकात्मक रोशनी समारोह भी आयोजित किया गया। पुरस्कार और मान्यता समारोह के दौरान चेयरमैन राकेश कुमार और प्रबंध निदेशक निखिल गोयल ने कंपनी के व्यापार भागीदारों को सौ से अधिक पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए। कंपनी की सफलता को अपने भागीदारों के मेहनत और प्रतिबद्धता का परिणाम माना गयाए जिन्हें इन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

क्लेम सेटलमेंट रेश्यो के साथ आईसीआईसीआई सबसे आगे

मुंबई। आईसीआईसीआइ प्रूडेंशियल लाइफइंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए 99.35 प्रतिशत का क्लेम सेटलमेंट रेश्यो हासिल किया है, जो देश की सभी लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में सबसे अधिक है। ध्यान देने योग्य बात है कि कंपनी के पास क्लेम सेटल करने लिए केवल 1-2 दिन का औसत समय था। साथ हीए इस अवधि के दौरान डेथ क्लेम्स के लिए कंपनी कुल 381.24 करोड़ रुपए का भुगतान करने में सफल रही। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफइंश्योरेंस में कस्टमर सर्विस के चीफऑपरेशन्स ऑफिसर अमीश बैंकर ने कहा कि कमाने वाले सदस्य की मृत्यु की स्थिति में लाइफइंश्योरेंस परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करता है। इसलिए हम हर क्लेम को सावधानी और तेजी से संभालते हैं। हमारा मानना है कि हमारा क्लेम सेटलमेंट रेश्यो इंडस्ट्री में सबसे अच्छा है। इस अवधि के दौरान हमने 381.24 करोड़ रुपए के क्लेम्स सेटल किए। क्लेम सेटलमेंट रेश्यो में हम इंडस्ट्री में लगातार अग्रणी रहे हैं। उदाहरण के लिएए वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में हमारा क्लेम सेटलमेंट रेश्यो 97.94 प्रतिशत थाए वित्त वर्ष 2024 की दूसरी तिमाही में यह 98014 प्रतिशत थाए वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में यह 98.52 प्रतिशत तक पहुँच गया और पूरे वित्त वर्ष 2024 के लिए यह 99.17प्रतिशत था।हमारी श्क्लेम फॉर श्योर सर्विस पहल सभी आवश्यक दस्तावेज़ प्राप्त होने के सिर्फएक दिन के भीतर ही सभी योग्य डेथ क्लेम्स सेटल करने का वादा करती है।

कपिल शो में दिखेंगे साउथ व नार्थ के सितारे

मुंबई। नेटफ्लिक्स पर द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीज़न 2 की शानदार शुरुआत हो चुकी है और अभी बहुत सारे एपिसोड आने बाकी हैं! इस वीकेंड पर हमें नॉर्थ और साउथ के बॉलीवुड सितारों का एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन देखने को मिलेगा जो एक मजेदार शाम के लिए एक साथ आएंगे। कपिल ने एनटीआर सैफअली खान और जान्हवी कपूर के साथ काफी मजेदार बातचीत कीए जिसमें कुछ मजेदार किस्से सामने आए। ऐसा ही एक मज़ेदार किस्सा शेयर करते हुएए जान्हवी कपूर ने अपने एक सहेली के साथ फेक डेट करने के लिए लड़कों की तरह कपड़े पहने थे ऐसी अफवाहों के बारे में खुलासा किया। ऐसी और भी मज़ेदार कहानियाँ सुनने के लिएए द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीज़न 2 देखना न भूलें इस शनिवार रात 8 बजे केवल नेटफ्लिक्स पर! जान्हवी कपूर ने कपिल के साथ यह मजेदार किस्सा शेयर किया। असल में मेरी एक सहेली का ब्रेकअप हुआ थाए और वो अपने एक्स ब्वॉयफ्रेंड को जलाने की कोशिश कर रही थी। इसलिए मैंने एक सच्चे.व ादार दोस्त की तरह मदद करने के लिए उसे सुझाव दिया कि मैं अपनी एक स्वेटशर्ट पहनती हूँ और वह अपने इंस्टाग्राम पर उसका बैकशॉट फोटो पोस्ट करे ताकि उसका एक्स.बॉयफ्रेंड इस तस्वीर को देखे और हैरान रह जाए कि उसकी प्रोफाइल पर वह लड़का कौन है जिसके साथ वह ब्रेकअप के एक हफ्ते बाद ही छुट्टियां मनाने स्विस आल्प्स घूमने गई है।

जियो.ब्रिटिश पेट्रोलियम के 500वें ईवी.चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन

मुंबई। जियो.ब्रिटिश पेट्रोलियम के नेटवर्क में सबसे अधिक फास्ट.चार्जिंग स्टेशनों की हिस्सेदारी है। जिसमें 480 किलोवाट सार्वजनिक चार्जर श्रेणी शामिल है। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के निदेशक अनंत मुकेश अंबानी और बीपी के सीईओ मरे ऑकिनक्लॉस ने जियो.ब्रिटिश पेट्रोलियम के 500वें पल्स ईवी.चार्जिंग स्टेशन का उद्घाटन किया। जो कि जियो और बीपी के बीच एक ईंधन और मोबिलिटी जॉइंट वेंचर है। यह स्टेशन बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स बीकेसी मुंबई में स्थित नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र, जियो वर्ल्ड प्लाज़ा और जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर के मेहमानों को चार्जिंग की सुविधा प्रदान करेगा। यह स्टेशन भारत में 5,000वें जियो.ब्रिटिश पेट्रोलियम चार्जिंग पॉइंट की स्थापना का प्रतीक भी है। जियो.ब्रिटिश पेट्रोलियम ने पिछले एक साल में अपने ईवी.चार्जिंग स्टेशनों के नेटवर्क का तेजी से विस्तार किया हैए जो 1,300 से बढ़कर 5,000 हो गए हैं।

21,000 छात्राओं को छात्रवृत्ति

मुंबई। मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की पैरेंट कंपनी और देश के अग्रणी कारोबारी समूह मलाबार ग्रुप ने बीकेसीए मुंबई के भारत डायमंड बोर्स में आयोजित एक कार्यक्रम में साल 2024 के नेशनल स्कॉलरशिप प्रोग्राम की घोषणा की। यह घोषणा समूह की प्रमुख सीएसआर पहल मलाबार नेशनल स्कॉलरशिप प्रोग्राम के लिए अहम मील का पत्थर है, जो लड़कियों की शिक्षा को सपोर्ट करने को लेकर समूह की प्रतिबद्धता को दिखाता हैण् केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कार्यक्रम का उद्घाटन कियाण् इस कार्यक्रम में मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद मलाबार के एमडी ;इंडिया ऑपरेशन्स अशेर ओ मलाबार ग्रुप के वाइस चेयरमैन अब्दुल सलाम के पी भी उपस्थित थे।

श्रीराम की ओर से मेले का आयोजन

कानपुर। श्रीराम समूह की प्रमुख कंपनी श्रीराम फाइनैंस लिमिटेड ने सितंबर 28 और 29, को कानपुर में एक टू-व्हीलर एक्सचेंज और लोन मेला आयोजित किया है। श्रीराम फाइनैंस ने यह एक्सचेंज और लोन मेला हीरो, सुजुकि, यामाहा, टीवीएस, रॉयल एनफील्ड के साथ मिल कर आयोजित किया है । इस मेले आयोजन ग्राहकों के लिए सुविधाजनक, आसान और कुशल तरीके से टू-व्हीलर लोन उपलब्ध कराने तथा इस त्यौहार के सीजन में उनके सपनों का टू-व्हीलर खरीदने में उनकी सहायता करने के लिए किया गया है। इस पहल के बारे में बताते हुए, एक्जिक्यूटिव डायरेक्टर-मार्केटिंग सुश्री एलिजाबेथ वेंकटरमन, ने कहा कित्योहारों का सीजन नए वाहनों की खरीदारी के लिए एक शुभ समय होता है। श्रीराम फाइनेंस एक एक्सचेंज और लोन मेला आयोजित कर रहा है, जिसमें ग्राहकों को नया टू-व्हीलर खरीदने या अपने टू-व्हीलर को बदलने का अवसर दिया जा रहा है।

एक्सिस बैंक स्टार्टअप के लिए धन देगा

नई दिल्ली। भारत में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने आज अपने न्यू इकोनॉमी ग्रुप एनईजी के तहत स्टार्ट.अप के लिए अपने कॉर्पोरेट क्रेडिट कार्ड सूट को लॉन्च करने की घोषणा की। उद्यमियों के लिए तैयार किए गए ये कार्ड यात्रा और कार्यालय संबंधी कार्यों पर किए गए खर्च और विक्रेता भुगतान को सुव्यवस्थित करने में मदद करते हैंए जिससे स्टार्ट.अप को अनेक विकल्पों के साथ अपने व्यवसाय को आसानी से आगे बढ़ाने की स्वतंत्रता मिलती है। इस अभिनव पेशकश में संस्थापकों के लिए तैयार एक एक्जीक्यूटिव कॉर्पोरेट क्रेडिट कार्ड और खर्च प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के लिए डिज़ाइन किया गया एक परचेज रिवार्ड क्रेडिट कार्ड शामिल है। इस लॉन्च के साथए एक्सिस बैंक के न्यू इकोनॉमी ;एनईजी ने अनुकूलित वित्तीय समाधानए विशेषज्ञता और सहायता प्रदान करके स्टार्ट.अप को आगे बढ़ाने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत किया है।

झारखंड में भारी भ्रष्टाचार, बिना पैसे के कुछ नहीं होता: शिवराज

भाषा। रांची

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को झारखंड की झामुमो नीत गठबंधन सरकार पर विभिन्न योजनाओं के लिए राज्य को भेजे गए केंद्रीय धन का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और कहा कि मनरेगा के लिए मिले धन के उपयोग की जांच शुरू की जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) नीत सरकार पर सीधा हमला करते हुए उसे पेपर लीक सरकार करार दिया और उस पर युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। लातेहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन रैली को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा, झारखंड में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार है, बिना पैसे के यहां कुछ नहीं होता। हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार ने विभिन्न योजनाओं के लिए आए केंद्रीय धन का जमकर दुरुपयोग किया। हम मनरेगा में अनियमितताओं की गहन जांच शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि लोग झामुमो नीत गठबंधन को उसके कुशासन के लिए कभी माफ नहीं करेंगे। उन्होंने मतदाताओं से इस वर्ष के अंत में होने वाले 81 सदस्ईय झारखंड विधानसभा के चुनावों में इस सरकार को सत्ता से बाहर करने का आग्रह किया।चौहान ने कहा, आबकारी पुलिस भर्ती अभियान के दौरान कुव्यवस्था के कारण 16 युवकों की मौत हो गई। हेमंत सोरेन सरकार के अत्याचार, आतंक और कुशासन के कारण लोग लगातार भय में जी रहे हैं।उन्होंने कहा, पूरा देश देख रहा है कि कैसे झामुमो झारखंड के युवाओं को सुनहरे भविष्य के सपने दिखाकर उनकी सांसें छीन रही है। सत्ता के मद में अंधी हो चुकी सरकार को युवाओं का दर्द, उनकी बेबसी नहीं दिख रही।

लालू प्रसाद और उनके परिवार ने रेलवे में नौकरियों के बदले जमीन के रूप में अवैध लाभ प्राप्त किया: ईडी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने यहां की एक अदालत से कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार के सदस्यों ने भारतीय रेलवे में नौकरियों के बदले जमीन के रूप में अवैध लाभ अर्जित किया। ईडी ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष इस मामले में दायर अपने पूरक आरोपपत्र में ए दलीलें दीं। अदालत ने 18 सितंबर के अपने आदेश में प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को भी तलब किया था, जिन्हें जांच एजेंसी ने आरोपी के रूप में नामित नहीं किया है।न्यायाधीश ने कहा, अदालत को प्रथम दृष्टया और समन के चरण में आवश्यक जांच के मानक के मद्देनजर यह निष्कर्ष निकालने के लिए बाध्यकारी आधार मिलता है कि तेज प्रताप यादव भी अधिग्रहण और अपराध की आय को छिपाने में शामिल थे और इस प्रकार वर्तमान पूरक शिकायत पर तलब किए जाने के लिए उत्तरदाई हैं। उन्होंने प्रसाद के छोटे बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को भी तलब किया।न्यायाधीश ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री प्रसाद, उनके दोनों बेटों और अन्य को सात अक्टूबर को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया।न्यायाधीश ने पहले इस मामले में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री और प्रसाद की पत्नी राबड़ी देवी और उनकी दो बेटियों – मीसा भारती और हेमा यादव को तलब किया था।

जगन को तिरुमला जाने से नहीं रोका गया : नायडू

भाषा। अमरावती

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को कहा कि युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सुप्रीमो वाईएस जगन मोहन रेड्डी ऐसा दावा कर रहे हैं जैसे अधिकारियों ने उन्हें तिरुमला मंदिर जाने से रोका है। नायडू ने पूछा कि क्या उन्हें (जगन को) मंदिर नहीं जाने के लिए कोई नोटिस दिया गया था।नायडू ने तिरुपति भगवान वेंकटेश्वर मंदिर में अनुष्ठान करने की योजना को स्थगित करने के जगन के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हर धार्मिक स्थान की अपनी परंपराएं और रीति-रिवाज होते हैं और जो कोई भी पूजा स्थल पर जाना चाहता है उसे वहां अपनाए जाने वाले मानदंडों का सम्मान करना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि जगन का यह कहना कि वह अपनी आस्था को साबित करने वाले घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए बगैर भी तिरुमला मंदिर जा चुके हैं, उन्हें उस गलती को दोहराने का अधिकार नहीं देता। मुख्यमंत्री ने कहा, मुझे नहीं पता कि उनके (जगन) तिरुमला न जाने के पीछे का क्या कारण था, लेकिन वे ऐसा दावा कर रहे थे जैसे उन्हें रोका गया हो और नोटिस जारी किया गया हो। मैं आपसे सीधे पूछ रहा हूं। क्या आपको कोई नोटिस दिया गया है? क्या किसी ने आपसे वहां न जाने के लिए कहा? ऐसी खबरें आ रही थीं कि वाईएसआरसीपी, जगन के मंदिर दौरे को लेकर लोगों को जुटाने के लिए सूचना फैला रही थी ताकि पुलिस को प्रतिबंध लगाने पर मजबूर होना पड़ा।नायडू ने कहा, परंपराओं और रीति-रिवाजों का सम्मान किया जाना चाहिए।

जगन मोहन रेड्डी ने तेदेपा, भाजपा पर निशाना साधा, अपना तिरुमाला दौरा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किया

अमरावती (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के विपक्षी दल युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने तिरुपति भगवान वेंकेटेश्वर मंदिर का अपना निर्धारित दौरा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया है। इस मंदिर मे प्रवेश से पहले अपनी आस्था स्पष्ट करने की आंध्र प्रदेश के सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों की मांग के बीच उन्होने यह घोषणा की।चर्चा का केंद्र बने (जगन के) इस दौरे की घोषणा उनकी पार्टी द्वारा आहूत राज्यव्यापी मंदिर प्रार्थना अनुष्ठान के तहत की गई थी ।

आर.जी. कर मामला : सीबीआई को अपराध स्थल की सटीक पहचान के लिए 3डी मैपिंग रिपोर्ट का इंतजार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता स्थित सरकारी आर.जी. कर अस्पताल में महिला चिकित्सक से कथित बलात्कार के बाद उसकी हत्या मामले की जांच कर रही एजेंसी केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को अपराध स्थल की सटीक पहचान करने के लिए आपातकालीन वार्ड भवन की 3डी लेजर मानचित्रण रिपोर्ट का इंतजार है। एक वरिष्ठ सीबीआई अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर तय किया जा सकेगा कि महिला चिकित्सक को कहां यातना दी गई और उसकी हत्या की गई। पहचान गुप्त रखने की शर्त पर अधिकारी ने पीटीआई-भाषा को बताया कि केंद्रीय एजेंसी को उम्मीद है कि 3डी मैपिंग रिपोर्ट आने पर साक्ष्यों से जानबूझकर छेड़छाड़ करने का खुलासा होने की उम्मीद है। एजेंसी के एक अन्य सूत्र ने पुष्टि की कि 30 सितंबर को अगली सुनवाई के दौरान उच्चतम न्यायालय में पेश की जाने वाली जांच की वस्तु स्थिति रिपोर्ट में सीबीआई अपने निष्कर्ष भी पेश करेगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश के बाद सीबीआई आरजी कर अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और उसकी हत्या की जांच कर रही है।

रेरिख की दुनिय काव्य में, पुस्तक का विमोचन

नई दिल्ली। आज दिल्ली केरशियन हाउस मेंएक विशेष समारोह में प्रेरिख की दुनिया काव्य में शीर्षक से एक अनूठी पुस्तक का विशिष्ठ अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। यह पुस्तक महान रूसी कलाकार विचारक,वैज्ञानिक, लेखक, कवि और दार्शनिक . निकोलाय रेरिख के जन्म की 150वीं वर्षगाँठ को समर्पित है। रेरिख की सभी रचनाएँ जैस ेचित्रकला ँए कविताएँ परी कथाएँए लेख, निबंध इत्यादि एक ही महासागर की तरंगों केसमान हैंए जो एक दसर ू ेके पूरक हैं। पुस्तक की लेखिका प्रोफे सर मीता नारायणए रूसी भाषा की अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वान हैं। जिनकी लिखी अनेक पुस्तकें दनिु या भर के अनेक विश्विद्यालयों मेंपढ़ाई जाती हैं। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के रूसी अध्ययन केंद्र की पूर्वप्रोफे सर व अध्यक्षा नेरेरिख के व्यक्तित्व के एक अनछुए पक्षए उनके काव्य को अंग्रेज़ी और हिन्दी मेंप्रकाशित करकेसाहित्य जगत की अनुपम सेवा की है। रेरिख की दनिु याए काव्य में रेरिख के प्रारंभिक जीवनए उनकी रचनात्मक कलाए भारत के साथ उनकोध्यात्मिक संबंधों उनकी दार्शनिक अवधारणाओं और कला और संस्कृति के प्रति उनके अटूट प्रेम सेअवगत कराती है। इसमेंहिमालय पर्वतमाला व भारत की आध्यात्मिक पहचान पर रेरिख द्वारा उके रेगयेअनेक मनभावन चित्र भी दियेगयेह, जो हमेंउनकी रचनात्मक प्रतिभा को समझनेमेंमदद करतेहैं। एक कवि के रूप में निकोलाय रेरिख विश्व के इतिहास मेंएक प्रसिद्ध शख्सियत हैंए इसलिए पुस्तक का मुख्य भाग रूसी भाषा सेअंग्रेज़ी और हिंदी में उनकी कविताओं के अनुवाद को समर्पित है। रेरिख की कविताओं के अनुवाद पहलेभी हुए हैंए लेकिन इस बार किए गए अनुवाद, अद्भुतद्ध चित्रों केसाथ उनकी कविताओं के मर्मऔर रस को और अधिक सहज और सघन बनातेहैं। प्रोफे सर मीता नारायण भारत और विदेशों मेंरूसी भाषाशास्त्र के क्षेत्र को बढ़ावा देने और मजबूत करनेमेंउनके योगदान के लिए पुश्किन मेडल ;2019द्ध सेसम्मानित हैंऔर उनकी यह पुस्तक रूस और भारत के बीच संबंधोंको मजबूत करनेमेंउनके योगदान को और आगेबढ़ाएगी।

लाइसेंस मुक्त वॉकी-टॉकी भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बढ़ता हुआ ख़तरा

मुंबई। भारत में बिना लाइसेंस वाली वॉकी-टॉकी का उपयोग बढ़ गया है और यह भारत सरकार के लिए एक गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय बन गया है। मुख्य रूप से चीनी कंपनियों द्वारा निर्मित, ये उपकरण भारत और म्यांमार के दूरदराज इलाकों में ही नही, बल्कि महानगरीयों में भी सक्रिय विद्रोही समूहों, माओवादियों और सैन्य,.विरोधी बलों द्वारा पसंद किए जाते हैं। उनके बढ़ते उपयोग ने राष्ट्रव्यापी असुरक्षा को उजागर कर दिया है और स्थानीय समुदायों और राष्ट्रीय सुरक्षा दोनों के लिए खतरा पैदा कर दिया है। इस खतरे पर सावधानीपूर्वक विचार करने से पता चलता है कि इन बिना लाइसेंस वाले वॉकी टॉकी उपकरणों का उपयोग राष्ट्र.विरोधी गतिविधियों में लगे समूहों के बीच अधिक प्रचलित हैए क्योंकि ये उपकरण बहुत सस्ते हैंए आसानी से उपलब्ध हैं और इनके साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। इनकी कीमतें 1,800 रुपये से लेकर 16,000 रुपये तक हैं। यह वॉकी.टॉकी छत्तीसगढ़ के जंगलों या उत्तर पूर्वी सीमावर्ती क्षेत्रों के कठोर वातावरण में भी सक्षम रहते हैं। इन उपकरणों के साथ एक बड़ी चिंता यह है कि इनके तकनीक के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। सरकार द्वारा निर्धारित 0.5 वॉट की सीमा से आगे जाकर इनकी क्षमता 5 वॉट या उससे भी ज्यादा तक बढ़ाई जा सकती है। इससे उनकी सीमा बढ़ जाती है और लंबी दूरी तक संचार संभव हो जाता है। यह अवैध हेरफेर विद्रोही समूहों को रणनीतिक लाभ देता हैए जिससे उन्हें हमलों का समन्वय करने और सुरक्षा बलों द्वारा पता लगाने से बचने की अनुमति मिलती है। इन उपकरणों का डिज़ाइन बहुत सरल है। इसलिए कम तकनीकी ज्ञान वाले व्यक्ति भी इन उपकरणों को संभाल और उपयोग कर सकते हैं। इन वॉकी.टॉकी का बढ़ता उपयोग केवल एक तकनीकी समस्या नही है, यह भारत सरकार के लिए एक वित्तीय और परिचालन समस्या भी है। अवैध उपकरणों का बढ़ता प्रसार राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए डिज़ाइन किए गए नियामक ढांचे को भी खत्म कर देता है।

मक्सी में हिंसा मप्र भाजपा के सदस्यता अभियान के कारण हुई: दिग्विजय

भाषा। शाजापुर (मध्यप्रदेश)

वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने शुक्रवार को कहा कि मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले के मक्सी में इस सप्ताह हिंसा सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यता अभियान के कारण हुई। भाजपा ने सिंह के आरोपों को निराधार और भ्रामक करार दिया। मक्सी में बुधवार रात करीब 9.30 बजे दो समूहों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात लोग घायल हो गए थे। दोनों समूहों के सदस्यों ने पत्थर फेंके और आग्नेयास्त्रों का इस्तेमाल किया। जिला अधिकारियों के अनुसार, हिंसा सोमवार को दो समूहों के बीच हुए टकराव का नतीजा थी। मक्सी जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर है। सिंह ने संवाददाताओं से कहा, मक्सी में हुई घटना पूरी तरह से भाजपा के सदस्यता अभियान के दौरान डाले जा रहे दबाव का नतीजा थी। लोगों से खुलेआम कहा जा रहा है कि वे भाजपा के सदस्य बनें या सीने में गोली खा लें। सिंह ने 2024 के लोकसभा चुनाव में राजगढ़ से चुनाव लड़ा था, लेकिन असफल रहे थे। वे अमजद खान के परिजनों से मिलने के बाद मीडिया से बात कर रहे थे। खान की मौत झड़प में गोली लगने से हुई थी, खान के भाई अनवर ने सिंह को घटना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सिंह ने मक्सी के पुलिस अधीक्षक और निरीक्षक के तबादले के साथ ही जेल में बंद खान के कुछ रिश्तेदारों को रिहा करने की मांग की। राज्यसभा सदस्य ने मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से हिंसा की न्यायिक जांच का आदेश देने का भी अनुरोध किया। सिंह ने आरोप लगाया, "जब एक व्यक्ति मक्सी पुलिस निरीक्षक के पास (सोमवार को) शिकायत दर्ज कराने गया, तो उस पर मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया। अगले दिन, जब उसके परिजन शाजापुर (जहां एसपी कार्यालय स्थित है) में शिकायत दर्ज कराने गए, तो उनके साथ मारपीट की गई और उनके घर को जलाने की तैयारी की गई।" इस पर पलटवार करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष अशोक नायक ने कहा, "दिग्विजय सिंह का बयान पूरी तरह से निराधार और भ्रामक है। हमारा सदस्यता अभियान लोकतांत्रिक है, आम लोगों से जुड़ा है और राष्ट्रहित में है।"

हिजबुल्ला पर हमले जारी रखेंगे : नेतन्याहू

● यूएन में कहा इजराइल अपने लक्ष्य हासिल होने तक नहीं रुकेगा

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र में शुक्रवार को विश्व के नेताओं से कहा कि लेबनान से लगी सीमा पर अपने लक्ष्यों को हासिल करने तक उनका देश हिजबुल्ला पर हमले जारी रखेगा। उनके इस बयान से, क्षेत्रीय युद्ध को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय समर्थन वाले संघर्ष विराम की उम्मीदें घट गई हैं। नेतन्याहू ने कहा कि उनकी सरकार उस इलाके (लेबनान) से रोजाना रॉकेट दागे जाने को अब बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा, इजराइल को इस खतरे को खत्म करने और अपने नागरिकों को सुरक्षित उनके घर भेजने का पूरा अधिकार है। और हम ठीक यही कर रहे हैं... हम हिजबुल्ला पर हमले करना जारी रखेंगे, जब तक कि हमारे सभी उद्देश्य पूरे नहीं हो जाते। नेतन्याहू ने कहा, जरा सोचिए, यदि आतंकवादी एल पासो और सैन डियागो को भूतहा शहरों में बदल दे... अमेरिकी सरकार कब तक उसे बर्दाश्त करेगी? उन्होंने कहा कि फिर भी इजराइल लगभग एक साल से इस असहनीय स्थिति को बर्दाश्त कर रहा है लेकिन मैं आज यहां यह कहने आया हूं: बस बहुत हो गया। नेतन्याहू ने सात अक्टूबर 2023 को इजराइल की धरती पर हुए हमास के हमले के प्रति अपने देश की जवाबी कार्वाई का बचाव किया। हमास के हमले की प्रतिक्रिया में चलाए गए इजराइली सैन्य अभियान ने गाजा पट्टी को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने कहा, इस साल मैं यहां नहीं आना चाहता था। मेरा देश अपना अस्तित्व बचाने के लिए युद्ध लड़ रहा है। लेकिन जब कई वक्ताओं द्वारा इस मंच से मेरे देश पर लगाए गए झूठे आरोप और (उसकी) बदनामी को मैंने सुना, तो यहां आने और सच्चाई को सामने लाने का फैसला किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इजराइल शांति चाहता है, लेकिन ईरान के बारे में कहा, यदि आप हम पर हमला करेंगे, तो हम आप पर हमला करेंगे। उन्होंने एक बार फिर, क्षेत्र की कई समस्याओं के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया। नेतन्याहू ने कहा कि लंबे समय तक दुनिया ईरान को खुश करने में लगी हुई है और यह तुष्टीकरण समाप्त होना चाहिए। गाजा की हमास सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बृहस्पतिवार को जारी नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, इजरायल के हमलों में 41,500 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं और 96,000 से अधिक घायल हुए हैं। नेतन्याहू ने कहा, यह युद्ध अब समाप्त हो सकता है। बस इतना कि हमास आत्मसमर्पण कर दे, अपने हथियार डाल दे और सभी बंधकों को रिहा कर दे। लेकिन यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो हम लड़ेंगे, जब तक कि हमें पूर्ण विजय नहीं मिल जाती। उन्होंने कहा कि इसका कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि इजराइली सेना ने हमास के 90 प्रतिशत रॉकेट नष्ट कर दिए हैं और उसकी आधी सेना को मार दिया है या पकड़ लिया है। हाल के दिनों में, इजराइल ने अपना ध्यान लेबनान की सीमा पर केंद्रित किया है, जहां वह हिजबुल्ला के चरमपंथियों को निशाना बना रहा है और नागरिकों को भी हताहत कर रहा है। इस तरह, इजराइल दो मोर्चों पर लड़ रहा है, एक तो गाजा पट्टी में और दूसरा लेबनान से लगी सीमा पर।

भीषण धमाकों से बेरूत दहला, हिजबुल्ला के मुख्यालय पर हवाई हमले जारी

भाषा। बेरूत

इजराइली सेना ने शुक्रवार को कहा कि उसने बेरूत में हिजबुल्ला के केंद्रीय मुख्यालय पर एक हवाई हमला किया, जहां एक भीषण विस्फोट के कारण चार इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं तथा आसमान में नारंगी और काले रंग के धुएं का गुबार छा गया। बेरूत के उपनगर दाहिया में यह हमला, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा संयुक्त राष्ट्र को संबोधित करने के कुछ ही समय बाद हुआ। नेतन्याहू ने अपने संबोधन में संकल्प लिया कि हिजबुल्ला के खिलाफ इजराइल का अभियान जारी रहेगा। विस्फोट से कुछ समय पहले, उपनगर में हिजबुल्ला के एक वरिष्ठ कमांडर सहित तीन सदस्यों की अंत्येष्टि के लिए हजारों लोग एकत्र हुए थे। हमले में हताहत हुए लोगों के बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं मिली है। इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि इसने आवासीय इमारतों के नीचे स्थित हिजबुल्ला के मुख्यालय को निशाना बनाया। हिजबुल्ला के अल-मनार टेलीविजन के अनुसार, विस्फोट में चार इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं। रिपोर्ट में कहा गया है कि विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इससे बेरूत से लगभग 30 किलोमीटर उत्तर में स्थित इमारतें भी हिल गईं। विस्फोट स्थल की ओर एंबुलेंस को जाते देखा गया।

ट्रंप और जेलेंस्की की न्यूयॉर्क में बैठक

न्यूयार्क। यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन को लेकर बढ़ते सवालो के बीच राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की।जेलेंस्की ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का जिक्र करते हुए कहा, मुझे लगता है कि हमारा एक समान विचार है कि यूक्रेन में युद्ध को रोकना होगा और पुतिन नही जीत सकते। शुक्रवार को एक सम्मेलन कक्ष में एक साथ पहुंचने के बाद ट्रंप ने कहा, हम आज भी एक साथ है और यह बहुत अच्छा संकेत है। यह बैठक न्यूयॉर्क मे ट्रंप टॉवर में हो रही है। इससे एक दिन पहले ट्रंप की डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने यूक्रेन के नेता से मुलाकात की थी और अटूट समर्थन व्यक्त किया था। ट्रंप यूक्रेन के लिए अमेरिकी समर्थन की आलोचना करते रहे है तथा वाशिंगटन को अपनी सेना को हथियार और धन मुहैया कराने के लिए राजी करने के लिए जेलेंस्की को सेल्समैन कहकर उपहास उड़ाते रहे है।

अभिनेत्री स्मिथ का निधन

लंदन। हैरी पॉटर और डाउनटन एबे मे अपने किरदार से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मैगी स्मिथ का 89 वर्ष की आयु मे निधन हो गया। अभिनेत्री की जनसंपर्क अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। मैगी स्मिथ ने 1969 मे द प्राइम ऑफ मिस जीन ब्रॉडी के लिए ऑस्कर जीता और डाउनटन एबे मे विधवा काउंटेस ऑफ ग्रांथम के रूप मे 21वी सदी मे एक बार फिर प्रशंसकों के दिलो मे जगह बनाई।

डीएचएल एक्सप्रेस वैश्विक स्तर पर देगा सेवाएं

ग्लोबल। दुनिया की अग्रणी अंतरराष्ट्रीय एक्सप्रेस सेवा प्रदाता डीएचएल एक्सप्रेस ने मूल्य समायोजन की घोषणा की जो 01 जनवरी 2025 से प्रभावी होगी। भारत में यह औसत वृद्धि दर 6.9 प्रतिशत होगी। डीएचएल एक्सप्रेसए दक्षिण एशिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष . आरएसण् सुब्रमण्यन ने कहा कि हम भू.राजनीतिक गतिशीलता और आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के रसद परिदृश्य पर चल रहे प्रभाव के बावजूद वैश्विक स्तर पर स्थिर और भरोसेमंद सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वार्षिक मूल्य समायोजन के साथए हम अपने नेटवर्क में निवेश करना जारी रख सकते हैं ताकि इसकी दृढ़ और अनुकूलन क्षमता को बढ़ाया जा सकेए जिससे बाहरी परिस्थितियों की परवाह किए बिना हमारे ग्राहकों के व्यवसायों के लिए निरंतर कार्य कर सके। डीएचएल एक्सप्रेस द्वारा कीमतों को वार्षिक आधार पर समायोजित किया जाता हैए जिसमें मुद्रास्फीति और मुद्रा गतिशीलता के साथ.साथ नियामक और सुरक्षा उपायों से संबंधित प्रशासनिक लागतों को ध्यान में रखा जाता है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्राधिकरण नियमित रूप से 220 से अधिक देशों और क्षेत्रों में इन उपायों को अद्यतन करते हैंए जहां डीएचएल एक्सप्रेस सेवाएं प्रदान करता है।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुतारेस, महासभा अध्यक्ष यांग से मिले

भाषा। न्यूयॉर्क

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस और संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के नए अध्यक्ष फिलेमोन यांग से अलग-अलग मुलाकात की तथा विविधता में एकता , शांति एवं मानव कल्याण के यांग के दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए पश्चिम एशिया और यूक्रेन में संघर्ष जैसे वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। जयशंकर संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में भाग लेने के लिए अमेरिका में हैं और उन्होंने बृहस्पतिवार को महासभा के सत्र से इतर गुतारेस तथा यांग से मुलाकात की। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में गुतारेस से मुलाकात करने के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के साथ बात करना हमेशा खुशी की बात होती है। भविष्य के लिए समझौते, बहुपक्षवाद में सुधार, एआई, जलवायु कार्वाई, पश्चिम एशिया और यूक्रेन मुद्दे पर चर्चा की। बैठक पर महासचिव के प्रवक्ता के कार्यालय द्वारा जारी संदेश में कहा गया कि गुतारेस ने संयुक्त राष्ट्र के साथ भारत के सहयोग की सराहना की। दोनों नेताओं ने 22-23 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित भविष्य के शिखर सम्मेलन और इसके कार्यान्वयन, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भूराजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की। वे सुरक्षा परिषद को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने तथा समकालीन दुनिया की वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने के लिए इसे विस्तारित करने पर भी सहमत हुए। अगले वर्ष संयुक्त राष्ट्र के 80 वर्ष पूरे होने पर यह समझौता वैश्विक संस्थानों में सुधार, सतत विकास लक्ष्यों पर कार्वाई के लिए आगे बढ़ने, जलवायु कार्वाई और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग सहित अन्य क्षेत्रों की आवश्यकता को रेखांकित करता है। हालांकि, इसमें इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कार्यों की समयसीमा शामिल नहीं है।

तुर्किए के राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र में नहीं किया कश्मीर का जिक्र, गाजा पर किया ध्यान केंद्रित

न्यूयॉर्क। तुर्किए के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने साल 2019 में अनुच्छेद 370 निरस्त किए जाने के बाद से पहली बार इस साल संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में अपने संबोधन में कश्मीर का जिक्र नही किया। इस साल मंगलवार को दिए गए लगभग 35 मिनट के अपने संबोधन में उन्होने गाजा की मानवीय संकट पर ध्यान केंद्रित किया, जहां हमास के खिलाफ इजराइल के हमलों में 40 हजार से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। संविधान के तहत जम्मू-कश्मीर को मिला विशेष दर्जा 2019 मे वापस लिए जाने के बाद एर्दोआन ने हर साल यहां यूएनजीए सत्र मे दुनियाभर के नेताओं के सामने कश्मीर का उल्लेख किया था। इस दौरान उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच वार्ताएं किए जाने का समर्थन किया था।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने यूएनजीए में फिर उठाया कश्मीर का मुद्दा

संयुक्त राष्ट्र। पाकिस्तान ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया और कहा कि भारत को अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को हटाने के फैसले को वापस लेना चाहिए और मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए उसके (पाकिस्तान) साथ बातचीत करनी चाहिए। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र की आम बहस में 20 मिनट से अधिक के अपने संबोधन में जम्मू कश्मीर का मुद्दा उठाया साथ ही अनुच्छेद 370 और आतंकवादी संगठन हिज्बुल मुजाहिदीन के आतंकवादी बुरहान वानी का संदर्भ दिया। शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर के बारे में विस्तार से बात करते हुए कहा कि फलस्तीन के लोगों की ही तरह जम्मू कश्मीर के लोगों ने भी अपनी आजादी और आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए एक सदी तक संघर्ष किया है। शरीफ ने अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त करने के भारत के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि स्थाई शांति सुनिश्चित करने के लिए भारत को अगस्त 2019 के एकतरफा और अवैध कदमों को वापस लेना होगा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा प्रस्तावों तथा कश्मीरी लोगों की इच्छाओं के अनुरूप जम्मू कश्मीर के मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान के लिए बातचीत शुरू करनी होगी। शरीफ ने आरोप लगाया कि शांति की दिशा में आगे बढ़ने के बजाय भारत जम्मू-कश्मीर पर सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू करने की अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे हट गया है।

ब्रिटेन के पीएम स्टॉर्मर ने यूएनएससी में भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन किया

भाषा। लंदन

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में भारत की स्थाई सदस्यता की दावेदारी का समर्थन किया है। स्टॉर्मर से पहले अमेरिका और फ्रांस के नेताओं ने यूएनएससी में भारत की स्थाई सदस्यता का समर्थन किया था। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में बृहस्पतिवार को अपने संबोधन के दौरान, स्टॉर्मर ने वैश्विक बहुपक्षीय प्रणाली को अधिक उत्तरदाई बनाने के लिए सुनिश्चित सुधारों का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यूएनएससी में भारत, जापान, ब्राजील और जर्मनी को स्थाई सदस्य बनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही निर्वाचित सदस्यों के लिए और अधिक सीटें बढ़ानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह ऐसा निकाय हो जो कार्वाई करने के लिए तैयार रहे, न कि राजनीति की वजह से पंगु बना हो। जुलाई के आम चुनावों के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में यूएनजीए में अपना पहला संबोधन देते हुए लेबर पार्टी के नेता ने ब्रिटेन के दृष्टिकोण में बदलाव की भी रूपरेखा तैयार की। इससे पहले, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने भी बुधवार को संयुक्त राष्ट्र को अधिक कुशल और प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने के लिए यूएनएससी में स्थाई सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन किया था।

इंडोनेशिया में अवैध सोने की खान के भूस्खलन की चपेट में आने से 15 की मौत

पडांग (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप में अनधिकृत रूप से सोने का खनन कर रहे लोगों के मूसलाधार बारिश के चलते हुए भूस्खलन की चपेट में आने से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दर्जनों की संख्या में लोग लापता बताए जा रहे हैं। स्थानीय आपदा शमन एजेंसी कार्यालय के प्रमुख इरवान एफेंदोई ने कहा कि पश्चिम सुमात्रा प्रांत के सूदूर सोलोक जिले में स्वर्ण निकालने के लिए खुदाई कर रहे लोग भूस्खलन के कारण आस-पास के पहाड़ी इलाके से बहकर आए कीचड़ और अन्य तरह के मलबे में दब गए। कम से कम 25 लोग अब भी दबे हुए हैं।

अमेरिका के दक्षिण में हेलेन तूफान के साथ बारिश, बिजली भी गुल

क्रॉफोर्डविले। अमेरिका के फ्लोरिडा में हेलेन तूफान के तट पर दस्तक देने से भारी तूफानी लहरें उठी और लाखों उपभोक्ताओं के घरों में बिजली गुल हो गई। बाढ़ग्रस्त घरों में फंसे लोगों को बचाने के लिए शुक्रवार को आपातकालीन दल यहां पहुंचा और मौसम संबंधित घटना में कम से कम छह लोगों के मारे जाने की खबर है। तूफान ने बृहस्पतिवार की देर रात बिग बेंड ग्रामीण क्षेत्र में 225 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से निरंतर हवाओं के साथ मछुआरों के गांव और छुट्टी मनाने के ठिकाने में दस्तक दी और उत्तरी कैरोलिना तक बाढ़ आ गई। इस बीच जॉर्जिया के एक प्रांत में लगभग पूरी तरह से बिजली गुल रही।सोशल मीडिया मंच पर वीडियो में दिखाया गया कि तूफान प्रभावित पेरी, फ्लोरिडा में बारिश के बीच इमारतों का कुछ हिस्सा ढह रहा है। पेरी से करीब 193 किलोमीटर दक्षिण में सिट्रस प्रांत में बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने के लिए शुक्रवार सुबह पहला बचाव दल नावों पर रवाना हो गया। फ्लोरिडा, जॉर्जिया और दक्षिण कैरोलिना में लगभग 40 लाख घर और व्यवसायिक प्रतिष्ठान बिना बिजली के थे। फ्लोरिडा में एक साइनबोर्ड के कार पर गिर जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और तूफान के आने पर दक्षिण जॉर्जिया में संभावित बवंडर में दो लोगों के मारे जाने की खबर है। उत्तरी कैरोलिना के चार्लोट और दक्षिण कैरोलिना के एंडरसन प्रांतों में घरों पर गिरे पेड़ों से मौतें हुई हैं।

क्विक न्यूज

शेख हसीना सरकार के खिलाफ आंदोलन पूर्व नियोजित था: यूनुस

न्यूयार्क। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने कहा कि देश में हाल में हुआ छात्र आंदोलन पूर्वनियोजित था और इसके कारण शेख हसीना को सत्ता से बाहर होना पड़ा था। क्लिंटन ग्लोबल इनिशिएटिव की वार्षिक बैठक में छात्रों का परिचय कराते हुए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित यूनुस ने कहा कि तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग के खिलाफ आंदोलन की योजना बनाई गई थी। बैठक मे अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने यूनुस का स्वागत किया। यूनुस (84) ने बांग्लादेशी छात्र नेताओं का परिचय कराते हुए कहा, संपूर्ण क्रांति के पीछे इन्ही लोगो का दिमाग माना जाता है। वे किसी अन्य युवा व्यक्ति की तरह दिखते है, आप उन्हे पहचान नही पाएंगे। लेकिन जब आप उन्हे कार्य करते हुए देखेंगे, जब आप उन्हें बोलते हुए सुनेंगे, तो आप कांप जाओगे। उन्होंने पूरे देश को हिलाकर रख दिया। यूनुस ने विशेष रूप से छात्र कार्यकर्ता महफूज अब्दुल्ला की ओर इशारा किया और कहा कि इस इस क्रांति के पीछे उनका दिमाग था। उन्होंने कहा, वह बार-बार इससे इनकार करते है, उन्होंने मुझे नही बल्कि कई अन्य लोगो को बताया है लेकिन इस तरह उन्हें पहचाना जाता है कि पूरी क्रांति के पीछे उनका ही दिमाग है। उन्होंने कहा कि जब पिछली सरकार ने उनके खिलाफ कार्वाई की तो प्रदर्शनकारी छात्र साहसपूर्वक गोलियो के खिलाफ खड़े हो गए थे। उन्होंने कहा कि देश मे सभी ने नए बांग्लादेश का समर्थन किया।

फरवरी में जुटेंगे इलेक्ट्रिकल उद्योग से जुड़े उद्योगपति

यूपी। इंडियन इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन इम्मा ने इलेक्ट्रिकल एवं संबंधित उद्योग के लिए क्वालिटी कैंपेन का आयोजन किया। इम्मा आगामी 26 से 28 फरवरी 2025 में इलेक्रामा का आयोजन करेगा। यह आयोजन ग्रटर नोएडा में किया जाएगा। इसकी जानकारी इम्मा के चेयरमैन सुनील सांघवी ने दी। इस अवसर पूर्व चेयरमैन हमजा, डीजी चारू माथुर भी उपस्थित रहीं। इसका जिसका उद्देश्य उपकरण निर्माण उद्योग में गुणवत्ता,सुरक्षा और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करना है। इंडियन इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रोनिक्स मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन की यह पहल भारत के विद्युत उपकरण निर्यात को बढ़ावा देती है, जो वर्तमान में 12 बिलियन डॉर पर है। अनिश्चित राजनीतिक परिस्थितियों और चाइना प्लस 1 पॉलिसी के मद्देनज़र मैनुफैक्चरिंग में चीन के विकल्पों की तलाश के बीचए भारत निर्माण के मुख्य गंतव्य के रूप में उभर रहा है और मेक इन इंडिया पर विशेष रूप से ध्यान दिया जा रहा है। यह पहल विद्युत उपकरणों एवं कम्पोनेन्ट्स के निर्माण में गुणवत्ता के मानक स्थापित करने की प्ष्म्ड। की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैए और सरकार के आत्मनिर्भर भारत दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है।यूपी सरकार के दृष्टिकोण के अनुसार विकास को समर्थन प्रदान कर रही है और इसी के मद्देनज़र उर्जा सेक्टर में रु 75000 करोड़ का निवेश किया गया है। एक अनुमान के मुताबिक राज्य में विद्युत की मांग 2028 तक 53,000 मेगावॉट तक पहुंच सकती हैए ऐसे में पावर सेक्टर तकनीकी प्रगति एवं विकास को नई गति प्रदान करेगी। सुनील सिंघवी प्रेज़ीडेन्टए ने आज के प्रतिस्पर्धी दौर में गुणवत्ता के महत्व पर ज़ोर देते हुए कहा कि आज के दौर के उपभोक्ता अन्तर्राष्ट्रीय मानकों से युक्त गुणवत्तापूर्ण प्रोडक्ट्स की मांग करते हैं। आयोजन चौथी बार ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में किया जा रहा है। यहा 16वां संस्करण है। दुनिया के सबसे बड़े इस शो में 1100 से अधिक प्रदर्शक 400000 आगंतुक हिस्सा लेंगे। 15000 से अधिक बी2बी बैठकें होंगी 80 देशों से 600 से अधिक खरीददार पहुंचेंगे तथा 10 से अधिक देशों के पैविलियन होंगे।

कनाडा के सांसद ने कनिष्क बम विस्फोट की नए सिरे से जांच की मांग वाली याचिका की निंदा की

ओटावा। कनाडा मे भारतीय मूल के एक प्रमुख सांसद ने 1985 मे एअर इंडिया उड़ान 182 में हुए बम विस्फोट की नए सिरे से जांच की मांग वाली याचिका की आलोचना की तथा आरोप लगाया कि यह खालिस्तानी चरमपंथियो के षड्यंत्र सिद्धांतो को बढ़ावा देने वाला है।याचिका मे जांच की मांग इसलिए की गई है ताकि किसी विदेशी खुफिया एजेंसी की संलिप्तता का पता लगाया जा सके।मॉन्ट्रियल-नई दिल्ली एअर इंडिया कनिष्क उड़ान संख्या 182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया, जिससे विमान मे सवार सभी 329 लोग मारे गए। विमान में सवार अधिकतर लोग भारतीय मूल के कनाडाई थे।इस बम विस्फोट का आरोप सिख चरमपंथी उग्रवादियों पर लगाया गया था, जो 1984 में स्वर्ण मंदिर से आतंकवादियो को बाहर निकालने के लिए किए गए ऑपरेशन ब्लूस्टार के प्रतिशोध मे किया गया था।नेपियन क्षेत्र से सांसद चंद्र आर्य ने बृहस्पतिवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में कहा कि दो कनाडाई जांचो मे पाया गया है कि एअर इंडिया के विमान मे बम विस्फोट के लिए खालिस्तान चरमपंथी जिम्मेदार है।इस बम विस्फोट को कनाडा के इतिहास का सबसे बड़ा सामूहिक हत्याकांड बताते हुए आर्य ने कहा, आज भी, उस आतंकवादी हमले के लिए जिम्मेदार विचारधारा कनाडा में कुछ लोगो के बीच जीवित है। उन्होंने कहा, कनाडा की दो सार्वजनिक जांचों में पाया गया कि एअर इंडिया विमान मे बम विस्फोट के लिए खालिस्तानी चरमपंथी जिम्मेदार है। अब संसद के पोर्टल पर एक याचिका है जिसमे खालिस्तानी चरमपंथियों द्वारा प्रचारित षड्यंत्र के सिद्धांतो को बढ़ावा देने वाली एक नई जांच की मांग की गई है। बल गुप्ता नाम के एक शख्स की पत्नी उस हमले मे मारी गई थी। आर्य ने गुप्ता का हवाला देते हुए कहा, यह बेहद निराशाजनक है। यह पुराने घावो को फिर से हरा कर देता है। यह सब बकवास है। यह आतंकवादी गतिविधियो के लिए प्रचार और समर्थन हासिल करने का प्रयास है। याचिका मे कनाडा सरकार से कनिष्क बम विस्फोट की नए सिरे से जांच का आदेश देने की मांग की गई है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इसमे कोई विदेशी खुफिया एजेंसी शामिल थी।

कैथोलिक चर्च में यौन शोषण की घटनाओं को छिपाने के लिए बेल्जियम के प्रधानमंत्री पोप पर बरसे

ब्रसेल्स। बेल्जियम के प्रधानमंत्री ने कैथोलिक चर्च में यौन शोषण की घटनाओं को छिपाने की भयावह परिपाटी को लेकर पोप फ्रांसिस पर निशाना साधते हुए इस सिलसिले में ठोस कदम उठाने तथा पीड़िताओं के हितों को प्राथमिकता देने की मांग की है। प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू ने शुक्रवार को फ्रांसिस की यात्रा की शुरुआत के मौके पर यह बात कही। क्रू का भाषण, पोप की किसी विदेश यात्रा के दौरान उनपर अब तक दिए गए सबसे तीखे भाषणों में से एक था, जबकि राजनयिक प्रोटोकॉल के अनुसार सार्वजनिक भाषणों से आक्रोश को आमतौर पर दूर रखा जाता है। राजा फिलिप ने भी फ्रांसिस के लिए कड़े शब्दों का इस्तमाल किया था और उन्होने चर्च से प्रायश्चित करने और पीड़ितों को उबारने मे मदद करने के लिए अनवरत काम करने की मांग की थी। फ्रांसिस ने क्रू के भाषण के अंत में तालियां बजाईं और शुक्रवार को ही से उनके अकेले में मिलने की उम्मीद है। क्रू ने कहा, आज केवल शब्द पर्याप्त नही है। हमे ठोस कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने राजपरिवार के सदस्यो, चर्च के पदाधिकारियों, राजनयिकों और राजनेताओं समेत अन्य श्रोताओं के समक्ष कहा, पीड़ितों की आवाज सुनने की जरूरत है। उनको केंद्र में रखने की जरूरत है। उन्हे सच जानने का अधिकार है। दुराचार का पता लगाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जब कुछ गलत होता है तो हम उसे छिपाने की कोशिश नही कर सकते। चर्च का अपने अतीत से पाक-साफ होकर बाहर निकलना होगा। बेल्जियम के भयावह यौन शोषण कांड के खुलासे 25 साल से भी अधिक समय से सामने आ रहे है, जिसमे 2010 का एक बड़ा कांड भी शामिल है, जब देश मे सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले बिशप, ब्रुगेस बिशप रोजर वांगेलुवे को बिना किसी सजा के इस्तीफा देने की अनुमति दी गई थी। उन्होंने अपने भतीजे का 13 साल तक यौन शोषण करने की बात स्वीकार की थी।

उम्रदराज महिलाओं का कोई भविष्य नही, सौंदर्य के मानकों से जुड़े भय को दर्शाया

द सब्सटेंस फिल्म

भाषा। सिडनी

द सब्सटेंस फिल्म में एक पूर्व अभिनेत्री एलिजाबेथ स्पार्कल (डेमी मूर) का करियर बढ़ती उम्र के साथ एक टेलीविजन नेटवर्क पर एरोबिक्स का प्रशिक्षण देने वाली महिला के तौर पर सिमट कर रह जाता है और उसके 50वें जन्मदिन पर नेटवर्क का कार्यकारी अधिकारी हार्वे क्रैड उसे नौकरी से निकाल देता है। उम्रदराज महिलाओं का कोई भविष्य नहीं है- नौकरी से निकाल दिए जाने के बाद एलिजाबेथ एक हादसे का शिकार हो जाती है और अस्पताल में एक खूबसूरत युवा डॉक्टर उसे काला बाजार में उपलब्ध एक ऐसी दवा के बारे में बताता है, जिसे द सब्सटेंस के नाम से जाना जाता है और उसका एक ही इंजेक्शन व्यक्ति को युवा बना देता है। फिर से जवान दिखने के लिए बेताब एजिलाबेथ इस पदार्थ का सहारा लेती है जिससे उसके युवा संस्करण सु (मार्गेरेट क्याल्ले) का जन्म होता है। सब्सटेंस को लेने के कड़े नियम हैं। इसका एक नियम यह है कि एलिजाब्रे यह फिल्म नारी की सुंदरता और यौवन के प्रति उसकी सनक, उम्रदराज महिलाओं को नजरअंदाज किए जाने और हॉलीवुड की स्टार प्रणाली में महिलाओं की शारीरिक सुंदरता के अत्यधिक इस्तेमाल की समस्याओं का उठाती है। फिल्म निर्देशक कोरली फारगेट ने साक्षात्कारों में सौंदर्य से जुड़े इस मिथक पर निशाना साधा है कि एक महिला की अहमियत उसके रूप से जुड़ी होती है। साथ ही उन्होंने फिल्म के जरिए पुरुष की उस दृष्टि पर भी कटाक्ष किया है जो नारी के शरीर को पुरुषों के लिए एक वस्तु के रूप देखती है। द सब्सटेंस में दो चरित्रों के मूल भाव को दर्शाया गया है। शुरुआती दृश्य में, एक अंडे की जर्दी में एक सिरिंज लगाई जाती है जिससे वह दो भागों में विभाजित हो जाता है।

पौष्टिक आहार से फिट रहता है स्वास्थ्य

सेहतमंद राष्ट्र के लिए नागरिकों के जीवन को बदलने में मदद करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए स्वास्थ्य और कल्याण आवश्यकताओं का समर्थन करने वाली एक अग्रणी कंपनी एमवे इंडिया ने पूरे देश में लक्षित उपायों के साथ राष्ट्रीय पोषण माह मनाया। इस वर्ष के विषय सभी के लिए पौष्टिक आहार के साथ संरेखित इस पहल ने दैनिक पोषण आवश्यकताओं को पूरा करने वाले आहार के महत्व के बारे में समझ बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। इन उपायों ने स्वस्थ जीवन को प्राथमिकता देकर एक सेहतमंद भारत के निर्माण के कंपनी के दृष्टिकोण को मजबूत किया। संतुलित आहारए दिन की सही शुरुआत के लिए सुबह का पौष्टिक आहार, गुणवत्तापूर्ण उत्पादों द्वारा समर्थित आवश्यकता.आधारित पोषण संबंधी सिफ़ारिशें और खाना पकाने की स्वस्थ युक्तियों को बढ़ावा देकरमहीने भर चलने वाली इस पहल का उद्देश्य वितरकों को ज्ञान और जरूरी उपकरणों से लैस करना था ताकि वे खुद और अपने ग्राहकों को सूचित आहार विकल्प बनाने और स्थायीए स्वास्थ्यवर्धक आदतें बनाने में मदद कर सकें। एमवे इंडिया ने राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान पोषण.आधारित लक्षित उपायों के माध्यम से देश भर में 30,000 वितरकों और उनके ग्राहकों को इस कार्यक्रम से जोड़ा। एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक रजनीश चोपड़ा ने इस अवसर परबोलते हुए कहा कि श्चूंकि पोषण संबंधी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं इसलिए संतुलितपोषण को सभी के लिए सुलभ और व्यावहारिक बनाना अत्यावश्यक हो गया है। इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च की एक हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में बीमारी के बोझ में 56.4योगदान अस्वास्थ्यकर आहार का है। जीवनशैली आधारित बढ़ती बीमारियों और उपभोक्ता की बदलती जरूरतों के साथएपोषण को प्राथमिकता देना इष्टतम

57 प्रतिशत महिलाएँ रक्ताल्पता से पीड़ित

लोहा की कमी से होने वाली रक्ताल्पता आईडीए जैसी व्यापक स्वास्थ्य समस्या से निपटने के लिए पीएंड जी हेल्थ ने भारत के अग्रणी स्वास्थ्य सेवा संघों में से एक दृ फेडरेशन ऑफ ऑब्सटेट्रिक एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटीज ऑफइंडिया एफओजीएसआई के सहयोग से एक नया अभियान 12 का नाराश् शुरू कियाहै। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण एनएचएफएस.5 के नवीनतम आँकड़ों के अनुसार भारत में 57 प्रतिशत महिलाएँ रक्ताल्पता से पीड़ित हैं, जिसमें से कई मामलों पर तब तक ध्यान नहीं दिया जाता जब तक कि वे गंभीर नहीं हो जाते हैं। जागरूकता और कार्रवाई के बीच की खाई को पाटने के लिए 12 का नारा् तैयार किया गया है, जो 12 के एचबी स्तर को इष्टतम बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डालता हैए और विशेष रूप से महिलाओं की रक्ताल्पता को शुरुआत में ही पता लगाने और शिक्षा को लक्षित करता है।प्रॉक्टर एंड गैम्बल हेल्थ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक मिलिंद थट्टे ने जोर देते हुए कहा कि रक्ताल्पता हमारी आबादी के एक बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहा है, इसलिए शुरुआत में ही इसका पता लगाना और समय पर हस्तक्षेप करने के लिए सामूहिक प्रयास करना समय की माँग है। पीएंडजी हेल्थ का लिवोजेन हमारे देश के दूर.दराज के इलाकों में इसका पता लगानेए उपचार और प्रबंधन करने में ष्ना एनीमिया बस यात्राष् जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से इन प्रयासों में सबसे आगे रहा है।

बारिश के बीच आकाश दीप व अश्विन का जलवा

● दूसरा टेस्ट : भारत के खिलाफ बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 रन बनाए

स्कोरबोर्डः बांग्लादेश पहली पारीः जाकिर हसन का जायसवाल बो आकाश दीप 00, इस्लाम पगबाधा आकाश दीप 24,हक नाबाद 40, शंटोपगबाधा अश्विन 31, रहीम नाबाद 06, **अतिरिक्तः** 06, **कुल योग** : 35 ओवर मे तीन विकेट पर 107 रन, **विकेट पतन**: I-26, 2-29, 3-80, गेंदबाजी- बुमराह 9-4-19-0, सिराज 7-0-27-0, अश्विन 9-0-22-I, आकाश दीप 10-4-34-2

कानपुर। तेज गेंदबाज आकाश दीप (34 रन पर दो विकेट) अपनी शुरुआती स्पैल में प्रभावी रहे तो वही ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो को चलता कर बारिश से प्रभावित दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन शुक्रवार को भारत को मजबूत स्थिति में रखा। मौसम के पूर्वानुमान से पहले से ही बारिश की संभावना थी और शुरुआती दिन सिर्फ 35 ओवर को खेल संभव हो सका। दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने तीन विकेट पर 107 रन बना लिए थे। इस समय मुशफिकुर रहीम (छह) और मोमिनुल हक (40) क्रीज पर मौजूद थे। बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो ने इस दौरान अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन अश्विन की गेंद पढ़ने में नाकाम रहे और 31 रन बनाकर पगबाधा हो गए। बीती रात बारिश होने के कारण आउटफील्ड गीली हो गई थी जिससे दिन का खेल एक घंटे की देर से शुरू हुआ था। भारत ने अपनी अंतिम एकादश में कोई बदलाव नहीं किया जिससे स्थानीय स्पिनर कुलदीप यादव को एक बार फिर बाहर बैठना पड़ा। बादल की आंखमिचौली के बीच तेज गेंदबाजों की अनुकूल परिस्थितियों में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर बांग्लादेश को बल्लेबाजी का न्योता दिया। आकाशदीप वामहस्त बल्लेबाजों के लिए राउंड द विकेट गेंदबाजी करते हुए गेंद को दोनों ओर स्विंग कराने में सफल रहे। उनकी सटीक लाइन लेंथ से सामंजस्य बैठाने में बांग्लादेश के बल्लेबाजों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज ने शुरुआती ओवरों से ही बांग्लादेश के सलामी बल्लेबाजों जाकिर हसन (शून्य) और शदमन इस्लाम (24) को परेशान किया। हसन ने अतिरक्षात्मक रवैया अपनाया तो वहीं इस्लाम ने रन बनाने के मौकों को पूरी तरह से भुनाया। बुमराह की बाहर निकलती गेंदें कई बार स्टंप और बल्ले के बाहरी किनारे के करीब से गुजरी तो वहीं सिराज की गेंद बल्ले से टकरने के बाद स्लिप में खड़े क्षेत्ररक्षकों तक पहुंचने से पहले ही टप्पा खा गई।इस्लाम ने बुमराह के ओवर में दो चौके जड़कर दबाव कम किया तो वहीं दूसरे छोर से हसन ने 23 डॉट गेंदे खेली।नौवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आए आकाश दीप ने अपनी तीसरी गेंद पर ही हसन की 24 गेंद की पारी को खत्म किया। जायसवाल ने स्लिप में उनका शानदार कैच लपका। उन्होंने इसके बाद इस्लाम को भी पगबाधा किया।मैदानी अंपायर के नॉट आउट देने के बाद आकाश दीप ने कप्तान रोहित को डीआरएस लेने के लिए मनाया और उनका फैसला सही साबित हुआ। तीसरे अंपायर ने रीप्ले देखने के बाद इस्लाम को आउट करार दिया।शानदार लय में चल रहे शंटो ने दो चौके लगाकर दबाव को कम किया। उन्होंने इस दौरान रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ रिवर्स स्वीप का कारगर इस्तेमाल किया।लंच से पहले सत्र के आखिरी ओवर में बूंदाबांदी शुरू हो गई जिसके कारण पिच और मैदान को कवर से ढकना पड़ा। शुरुआती सत्र में सफलता से दूर रहे अश्विन ने दूसरे सत्र में शंटो को पगबाधा कर पहली सफलता हासिल की। मैदानी अंपायर ने गेंदबाज की अपील पर तुरंत अंगुली उठा दी लेकिन बांग्लादेश के कप्तान ने डीआरएस लेने का फैसला किया लेकिन यह कारगर नहीं रहा। इस दौरान अनुभवी मोमिनुल ने क्रीज पर समय बिताने के साथ आत्मविश्वास हासिल किया। उन्होंने आकाश दीप के ओवर में दो चौके लगाए। उन्होंने मिड ऑफ की ओर एक और शानदार चौके के साथ बांग्लादेश के रनों का शतक पूरा किया। खराब रोशनी के कारण दूसरे सत्र में सिर्फ नौ ओवरों के बाद खेल को रोकना पड़ा। खिलाड़ियों के पवेलियन में पहुंचते ही यहां बूंदाबांदी होने लगी जो बाद में तेज बारिश में बदल गई।

ब्रावो ने खेल के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया

केकेआर से मेंटोर के तौर पर जुड़े

भाषा। नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के दिग्गज हरफनमौला खिलाड़ी ड्वेन ब्रावो ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है। वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से मेंटोर (मार्गदर्शक) के तौर पर जुड़ेंगे जिससे चेन्नई सुपरकिंग्स के साथ उनका लंबे समय तक चला जुड़ाव खत्म हो गया।विश्व कप विजेता 40 साल के ब्रावो केकेआर में गौतम गंभीर की जगह लेंगे जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत के मुख्य कोच का पद संभालने के लिए यह भूमिका छोड़ दी थी।ब्रावो को चोट के कारण कैरेबियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र से बीच में ही हटना पड़ा था। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर लिखा, आज वह दिन है जब मैं उस खेल को अलविदा कह रहा हूं जिसने मुझे सब कुछ दिया है। उन्होंने लिखा, एक पेशेवर क्रिकेटर के रूप में 21 साल यह एक अविश्वसनीय यात्रा रही है। यह कई उतार-चढ़ाव से भरी हुई है। सबसे महत्त्वपूर्ण बात यह है कि मैं अपना सपना इसलिए जी सका क्योंकि मैंने इस खेल को हर कदम पर शत प्रतिशत दिया। उन्होंने कहा, मैं इस रिश्ते को जारी रखना चाहूंगा, लेकिन अब वास्तविकता का सामना करने का समय आ गया है। ब्रावो ने 2021 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था जबकि आईपीएल में उन्होंने अपना आखिरी मैच 2022 में खेला था। वह इसके बाद चेन्नई सुपरकिंग्स और अफगानिस्तान की टीम के साथ कोच के तौर पर जुड़े थे। वह आईपीएल में चेन्नई की टीम से 2011 मे जुड़े थे। उन्होंने इस फ्रैंचाइजी के साथ तीन खिताब जीते।

महिला टी20 विश्व कप के भारत-पाक मैच में शेरिडन और एजेनबैग होंगी मैदानी अंपायर

दुबई। ऑस्ट्रेलिया की एलोइस शेरिडन और दक्षिण अफ्रीका की लॉरेन एजेनबैग को अगले महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले महिला टी20 विश्व कप के भारत-पाकिस्तान मैच के लिए मैदानी अंपायर नियुक्त किया गया है। वेस्टइंडीज की जैकलीन विलियम्स छह अक्टूबर को दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में खेले जाने वाले इस अहम मैच की टेलीविजन अंपायर होंगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को तीन से 20 अक्टूबर तक होने वाले टूर्नामेंट के लिए मैच अधिकारियों की सूची जारी की। इस विश्व कप के लिए सभी मैच अधिकारी महिलाएं हैं। इसमें तीन रेफरी और 10 अंपायर शामिल हैं। भारत की ओर से जीएस लक्ष्मी मैच रेफरी, जबकि वृंदा राठी अंपायरिंग की भूमिका में होंगी।टूर्नामेंट का आगाज बांग्लादेश बनाम स्कॉटलैंड मैच से तीन अक्टूबर को होगा। भारतीय टीम चार अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेगी।

जैस्मिन डब्ल्यूपीजी टूर पर 13वां खिताब जीता

गुरुग्राम। बेंगलुरु की गोल्फर जैस्मिन शेखर ने शुक्रवार को यहां तीसरे और अंतिम दौर में मुश्किल हालात से उबरते हुए हीरो महिला प्रो गोल्फ के 13वें चरण में अपना पहला पेशेवर खिताब जीता। यह 19 वर्षीय गोल्फर कई टप्पा उप विजेता रह चुकी है। वह दो होल पहले चार शॉट से आगे चल रही थी। पिछले साल पेशेवर बनी युवा गोल्फर ने 17वें और 18वें होल में बोगी की लेकिन उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी हितशी बख्शी और स्नेहा दिलावड़ी उनके कार्ड के करीब नहीं पहुंच सकीं।

मेघा, तिजान विश्व जूनियर नेत्रहीन शतरंज में भारत के अभियान की अगुवाई करेंगे

बेंगलुरु। एशियाई पैरा खेल पदक विजेता मेघा चक्रवर्ती और तिजान गवार शनिवार से यहां नेत्रहीन और दृष्टिबाधितो के लिए शुरू हो रही 12वीं आईबीसीए विश्व जूनियर और महिला शतरंज चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। अखिल भारतीय नेत्रहीन शतरंज महासंघ के तत्वावधान में होने वाला नौ दिवसीय टूर्नामेंट पहली बार एशिया में खेला जा रहा है।

प्राणवी और त्वेसा की फ्रांस में औसत शुरुआत

ड्यूविले (फ्रांस)। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स और त्वेसा मलिक ने लैकोस्टे ओपन डी फ्रांस शुरुआती दौर में एक ओवर 72 के समान कार्ड के साथ औसत प्रदर्शन किए।बारिश के कारण मुश्किल परिस्थितियों में ए दोनों भारतीय खिलाड़ी संयुक्त रूप से 35वें स्थान पर है। प्राणवी चार बर्डी के मुकाबले पांच बोगी कर बैठी जबकि ने त्वेसा ने चार बोगी के मुकाबले तीन बर्डी लगाए। इंग्लैंड की बेल वार्डले, स्थानीय खिलाड़ी एम्मा ग्रेची और फॉर्म मे चल रही कर्स्टन रूडगेली तालिका में संयुक्त रूप से शीर्ष पर है।

युवराज संधू ताइपे में संयुक्त दूसरे स्थान पर

ताइपे। भारत के युवराज संधू ताइवान में एंगडर टीपीसी गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दौर सात अंडर 65 का शानदार कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है।युवराज ने शुरुआती चार होल मे तीन बर्डी लगाकर शानदार आगाज किया। उन्होने आखिरी सात होल मे पांच बर्डी और एक बोगी लगाकर 65 का कार्ड खेला।वह तालिका मे शीर्ष पर काबिज थाईलैंड के सुतीपत प्रतीप्तिएंचाई (आठ अंडर 64) से एक शॉट पीछे है।

क्रिकेट अंपायर अलीम डार अगले साल संन्यास लेंगे

इस्लामाबाद। आईसीसी के पूर्व एलीट अंपायर और तीन बार वर्ल्ड क्रिकेट अंपायर ऑफ द ईयर रह चुके अलीम डार पाकिस्तान के घरेलू सत्र के बाद 2025 में संन्यास लेंगे।वह 2003 से 2023 तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अंपायरों के एलीट पैनल में शामिल थे। वह अभी पाकिस्तान के एलीट पैनल में हैं और आईसीसी अंतरराष्ट्रीय पैनल मे पाकिस्तान के चार अंपायरो में शामिल है।

नीरज चोपड़ा ने खेलमंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक और डायमंड लीग फाइनल में दूसरा स्थान हासिल करने के बाद स्वदेश लौटे स्टार भालाफेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को खेलमंत्री मनसुख मांडविया से मुलाकात की। तोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता 26 वर्ष के चोपड़ा लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड एथलीट बनने के बाद शुक्रवार को स्वदेश लौटे।

अश्विन और जडेजा पर नतीजा निर्भर : मैक्सवेल

भाषा। नई दिल्ली

ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को लगता है कि आगामी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मेजबान टीम के बल्लेबाज भारत की शीर्ष स्पिन जोड़ी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा से किस तरह निपटते हैं। भारत ने 2018-19 और 2020-21 के दौरे पर ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी और अब टीम की निगाहें लगातार तीसरी श्रृंखला कब्जाने पर लगी हैं। बल्कि भारत एशिया का एकमात्र देश है जिसने टेस्ट श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर शिकस्त दी है। मैक्सवेल ने कहा कि अकसर अश्विन और जडेजा की जोड़ी खेल का नतीजा तय करती है। मैक्सवेल ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, मेरा मानना है कि लंबे समय तक अश्विन और जडेजा जैसे गेंदबाजों के खिलाफ खेलने के बाद ऐसा लगता है कि हमने लगातार इन दोनों का सामना किया है। और अकसर उनके खिलाफ हमारा प्रदर्शन मैच का नतीजा तय करता है। मैक्सवेल हालांकि अब ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट की योजना का हिस्सा नहीं हैं और 2017 में अपना अंतिम टेस्ट खेलने के बाद उन्होंने कहा कि उनके देश के बल्लेबाजों को भारत के सीनियर स्पिनरों के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी करनी होगी। अश्विन और जडेजा ने मिलकर 330 पारियों में 821 विकेट झटके हैं जिसमें से 50 दफा वे पांच विकेट झटक चुके हैं। उन्होंने कहा, अगर हम इन दोनों (अश्विन और जडेजा) के खिलाफ अच्छा खेलते हैं तो हम अच्छी स्थिति में होंगे। ए दोनों खिलाड़ी मेरे करियर में ज्यादातर समय गेंदबाजी करते रहे हैं। उन्होंने भारतीय तेज गेंदबाजी के अगुआ जसप्रीत बुमराह की भी प्रशंसा करते हुए कहा, और अब जसप्रीत बुमराह। मैं 2013 में मुंबई में आईपीएल में उनके पहले सत्र में वहां था और नेट्स में लगभग हर दिन उनका सामना करता था।

चोटिल ग्रीन का भारत से आगामी टेस्ट श्रृंखला में खेलना संदिग्ध

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन का शुक्रवार को भारत के खिलाफ आगामी पांच मैचो की टेस्ट श्रृंखला में खेलना संदिग्ध हो गया क्योंकि वह पीठ की चोट के कारण वह इंग्लैंड के मौजूदा दौरे से बाहर हो गए। बुधवार को चेस्टर ली स्ट्रीट में तीसरे मैच के बाद दर्द की शिकायत के बाद 25 वर्षीय ग्रीन इंग्लैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की वनडे श्रृंखला के अंतिम दो मैचो से बाहर हो गए। चोट के कारण उन्हें शुक्रवार को लॉर्ड्स में चौथे वनडे से भी बाहर कर दिया गया था। स्कैन से पीठ की चोट का पता चला है और ऑस्ट्रेलिया में और अधिक जांच के बाद उनकी संभावित वापसी तय की जाएगी। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार ऑस्ट्रेलिया पुरुष टीम के प्रवक्ता ने कहा कि चोट की गंभीरता और उसकी वापसी का समय तब तक पता नही चलेगा जब तक कि खिलाड़ी पर्थ मे नही पहुंच जाता।

कामिंडु मेंडिस ने ब्रैडमैन की बराबरी की, श्रीलंका ने गॉल टेस्ट में पकड़ मजबूत की

गॉल (श्रीलंका)। कामिंडु मेंडिस शुक्रवार को यहां डॉन ब्रैडमैन की बराबरी करते हुए सबसे तेज I,000 टेस्ट रन बनाने वाले संयुक्त रूप से तीसरे खिलाड़ी बन गए जिससे श्रीलंका ने दूसरे टेस्ट में न्यूजीलैंड पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली।श्रीलंका ने अपनी पहली पारी पांच विकेट पर 602 रन पर घोषित की और दूसरे दिन स्टंप तक न्यूजीलैंड के 22 रन तक दो विकेट झटक लिए। कामिंडु ने अपनी 13वीं ही टेस्ट पारी में I,000 रन की उपलब्धि हासिल की जिससे वह ब्रैडमैन की बराबरी पर आ गए जिन्होंने 1930 में इंग्लैंड के खिलाफ हेडिंग्ले में ऐसा किया था। इंग्लैंड के हर्बर्ट सुटक्लिफ और वेस्टइंडीज के महान एवर्टन वीक्स ने 12 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।कामिंडु ने लंच से पहले अपना पांचवां शतक लगाया और फिर उन्होंने रचिन रविंद्र की गेंद पर गेंदबाज के सिर के ऊपर से एक ऊंचा छक्का लगाकर अपना I,000वां रन पूरा किया। वह इस मील के पत्थर को हासिल करने वाले सबसे तेज श्रीलंकाई ही नहीं बल्कि सबसे तेज एशियाई खिलाड़ी भी बना गए। उन्होंने श्रीलंका के महान क्रिकेटर रॉय डायस (23 पारी) और भरत के विनोद कांबली (14 पारी) को पीछे छोड़ दिया।

क्विक न्यूज

अल्काराज और मेदवेदेव जीत से अगले दौर में, ड्रेजर ने जापान में हुर्काज को हराया

बीजिंग। दुनिया के नंबर तीन खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने शुक्रवार को यहां चीन ओपन के पहले दौर में जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड के खिलाफ सीधे सेट में 6-4, 6-4 से एकतरफा जीत हासिल की। दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने फ्रांस के एमपेट्शी पेरीकार्ड की गलतियों का फायदा उठाते हुए दोनों सेट में शानदार प्रदर्शन किया। इससे पहले डेनियल मेदवेदेव ने भी शुरुआती दौर में फ्रांस के अनुभवी गेल मोनफिल्स को 6-3, 6-4 से हराया था। लकी लूजर के तौर पर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले सेम्पन सफीउलिन ने तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता स्टेन वावरिंका को हराकर बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने 6-3 6-4 से जीत दर्ज की और वह अगले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त यानिक सिनर से भिड़ेंगे। छठी वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेट्टी और सातवी वरीयता प्राप्त करेन खाचानोव ने भी अगले दौर में प्रवेश किया। महिला वर्ग में, दूसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने फ्रांस की डायने पैरी को 6-I, 7-6 (4) से हराकर अपना खाता खोला। जेसिका का सामना अब 32वी वरीयता प्राप्त वेरोनिका कुडरमेतोवा से होगा, जिन्होंने चीन की वांग जिन्यू को 3-6, 6-4, 7-5 से हराया। चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए यूलिया पुतिनत्सेवा को 3-6, 6-4, 6-2 से हरा दिया। ओसाका तीसरे दौर में अमेरिका की कैटी वोलिनेट्स से टक्कर लेंगी। इससे पहले छठी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को चीनी वाइल्ड कार्ड झांग शुआई ने 6-4, 6-2 से हराया जबकि 12वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता सोफिया केनिन को 6-2, 6-3 से मात दी। वही दूसरी ओर जापान ओपन मे दूसरी वरीयता प्राप्त हुबर्ट हुर्काज तोक्यो में दूसरे दौर में अमेरिकी ओपन सेमीफाइनलिस्ट जैक ड्रेपर से 4-6, 4-6, से हार गए। इस टूर्नामेंट से शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज और तीसरी वरीयता प्राप्त कैस्पर रूड पहले ही बाहर हो गए है। गत चैंपियन बेन शेल्टन भी मारियानो नवोन को 6-4, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए है।

भारतीय अंडर-17 टीम सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में नेपाल से भिड़ेगी

थिम्पू। आत्मविश्वास से भरी भारत की अंडर-17 फुटबॉल टीम शनिवार को यहां सैफ अंडर-17 चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल मे नेपाल से भिड़ेगी।भारतीय टीम को इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट में अपनी शानदार फॉर्म बरकरार रखने की उम्मीद है जिसने बांग्लादेश को I-0 और मालदीव को 3-0 से शिकस्त दी तथा ग्रुप ए तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। नेपाल ने भूटान के खिलाफ अपने अंतिम मैच मे आखिर में किए गोल की बदौलत जीत हासिल कर ग्रुप बी तालिका में पाकिस्तान के बाद दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई।वही पाकिस्तान का सामना शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल मे बांग्लादेश से होगा। भारत को अपने मुकाबलो के बीच काफी आराम मिला जिसमे सेमीफाइनल की तैयारी के लिए उन्हे पूरे तीन दिन मिले।मुख्य कोच इश्फाक अहमद ने कहा कि खिलाड़ियों को मिले आराम से उन्हें उबरने और चोट मुक्त होने का मौका मिला।अहमद ने कहा, हम कृत्रिम टर्फ पर खेल रहे है तो थकान से उबरने मे मदद मिलती है। हर दिन टर्फ पर खेलना और ट्रेनिंग करना आसान नही है। इसका नकारात्मक असर पड़ता है। यहां हर दिन बारिश हो रही है और हम होटल तक ही सीमित है। कभी कभार आपके लिए यह अच्छी चीज होती है क्योंकि इससे आपको एक दूसरे के साथ समय बिताने का काफी मौका मिल जाता है जिससे मदद मिलती है।

सेल्सफोर्स रन मैराथन 2024 में जुटेंगे एथलीट

गुड़गाँव। सेल्सफोर्स रन मैराथन का तीसरा संस्करण गुडगाँव में शुरू हो गया है। जिसमें एक उज्जवल और कनेक्टेड भविष्य बनाने के लक्ष्य के साथ सेल्सफोर्स के कर्मचारियों, फ्यूचरफोर्स के इंटर्न्स ग्राहकों, और साझेदारों ने हिस्सा लिया। पिछले साल की अपार सफलता के बाद यह अभियान सेहतए सामाजिक दायित्व और समुदाय निर्माण की सेल्सफोर्स की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसमें हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों ने बच्चों की शिक्षा और ग्रीनिफिकेशन के समर्थन में दौड़ लगाई। इस साल सेल्सफोर्स का उद्देश्य दो महत्वपूर्ण उद्देश्यों, बच्चों की शिक्षा और ग्रीनिफिकेशन के लिए 2 करोड़ रुपये एकत्रित करना है। अंतरंग फाउंडेशन और ग्रीन यात्रा के सहयोग से सेल्सफोर्स का उद्देश्य इन क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। इस अभियान के अंतर्गत दो माह तक प्रि.रन का आयोजन किया गया थाए जिस दौरान सेल्सफोर्स के कर्मचारियों ने वर्चुअल प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया और हर शहर से प्रतिदिन दौड़ दर्ज की। अभी तक प्रि.रन में 3.5 लाख किलोमीटर से ज्यादा की दौड़ दर्ज की जा चुकी हैए जिससे मुख्य कार्यक्रम से पहले ही संकल्प का आधा लक्ष्य प्राप्त हो गया है। इस कार्यक्रम के बारे में संकेत अटल मैनेजिंग डायरेक्टर इंडिया ऑपरेशंस एवं टेक्नोलॉजी सेल्सफोर्स ने कहा कि सेल्सफोर्स रन में हो रही वृद्धि हमारी कंपनी के मूल्यों का परिणाम प्रदर्शित करती है। प्रिया अग्रवालएफाउंडर एवं डायरेक्टर अंतरंग फाउंडेशन ने कहा कि हमारा प्रयास रहता है कि हर पृष्ठभूमि का हर युवा अपनी पसंद के करियर के बारे में जागरुक और उसमें प्रवेश करने के लिए तैयार रहे।

मोटोरोला गेमिंग पर करेगा फोकस

लखनऊ। मोबाइल तकनीक और नवाचार में अग्रणी मोटोरोला ने फ्लिपकार्ट की द बिग बिलियन डेज़ सेल से पहले अपने सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोनों पर त्यौहारी छूट की घोषणा की है और नए रंगों के वेरिएंट पेश किए हैं। वीडियो चैटिंग, गेमिंग और बिंज.वॉचिंग के लिए पर्याप्त बैटरी प्रदान करता है। प्रदर्शन के लिहाज सेए मोटो जी64 5जी दुनिया के पहले मीडियाटेक डिमेंन्सिटी 7025 प्रोसेसर से लैस हैए जो 2'05हर्टज तक की फ्रीक्वेंसी वाले पावरफुल ऑक्टा.कोर प्रोसेसर के साथ आता है। मोटोरोला ने अपने हैलो कलर्स हैलो एआई अभियान के तहत इन नए रंगों को पेश किया है, जिसमें इसके प्रीमियमए स्टाइलिश और जीवंत स्मार्टफोनों के अद्वितीय डिज़ाइन और रंग शामिल है। नए रंगों के वेरिएंट मोटोरोला एज50 प्रोए मोटोरोला एज50 फ्यूजन मोटोरोला एज50 नियोमोटो जी85 5जी और मोटो जी64 5जी के लिए है और फ्लिपकार्ट डॉट कॉम पर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। ये उत्पाद 26 सितंबर से प्रारंभिक ग्राहकों के लिए और 27 सितंबर से द बिग बिलियन डेज़ सेल के दौरान सभी ग्राहकों के लिए विशेष रूप से फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध होंगे। मोटोरोला एज50 प्रो दुनिया का पहला एआई.पावर्ड प्रो.ग्रेड कैमरा है, जिसका कलर आउटपुट पैन्टोन द्वारा प्रमाणित है,और अब यह कैनेल बे कलर में भी उपलब्ध होगा। मोटोरोला एज50 प्रो में सेगमेंट की बेहतरीन चार्जिंग टेक्नोलॉजी हैए जिसमें 125 वाट टर्बो पावर चार्जिंगए 50वाट वायरलेस चार्जिंग और 10वाट रिवर्स पावर शेयरिंग शामिल है। मोटोरोला के एज पोर्टफोलियो को और मजबूत करते हुएए मोटोरोला एज50 फ्यूजन को अब एक कभी न देखी गई केवल 19,999 रुपये की प्रभावी कीमत पर खरीदा जा सकता है।

त्रिसा और गायत्री की जोड़ी सेमीफाइनल में, श्रीकांत हारे

भाषा। मकाऊ

भारत के किदाम्बी श्रीकांत शुक्रवार यहां मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल से बाहर हो गए लेकिन त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की महिला जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची। मई में लगी चोट से वापसी कर रहे छठे वरीय श्रीकांत पुरुष एकल मुकाबले में हांगकांग के निग का लोंग एंगस के खिलाफ लय हासिल करने में संघर्ष करते दिखे और महज 31 मिनट में 16-21 12-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।त्रिसा और गायत्री की तीसरी वरीय जोड़ी ने महिला युगल क्वार्टरफाइनल में चीनी ताइपे की छठी वरीय सु यिन हुई और लोन जिह युन की जोड़ी को 21-12 21-17 से शिकस्त दी। टूर्नामेंट में भारतीयों में अब बस त्रिसा और गायत्री की जोड़ी की ही चुनौती बची है। सेमीफाइनल में उनका सामना सिएह पेई शान और हुंग एन जु की चीनी ताइपे की जोड़ी से होगा।

भारत एएफसी अंडर-20 एशियाई कप क्वालीफायर में ईरान से 0-1 से हारा

विएंतियाने (लाओस)। भारत को शुक्रवार को यहां एएफसी अंडर-20 एशियाई कप क्वालीफायर के अपने दूसरे ग्रुप मैच में चार बार की चैम्पियन ईरान से 0-। से हार का सामना करना पड़ा।
मैच के ज्यादातर हिस्से में मजबूत प्रतिद्वंद्वी ईरान को गोल से दूर रखने के बाद भारतीय टीम ग्रुप जी मैच में 88वें मिनट में एक गोल गंवा बैठी जब युसेफ माजराह गोलकीपर प्रियांश दुबे को चौंकाते हुए गोल दाग दिया।एशियाई फुटबॉल में पारंपरिक रूप से मजबूत टीम के खिलाफ भारतीय टीम का प्रदर्शन सराहनीय था।दो मैचों में तीन अंक लेकर भारत की अंडर-20 टीम ने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने और टूर्नामेंट में आगे बढ़ने की उम्मीदों को जीवंत रखा है। दस ग्रुप की शीर्ष टीमें, दूसरे सर्वश्रेष्ठ स्थान पर रहने वाली पांच टीम चीन में होने वाले एएफसी अंडर-20 एशियाई कप 2025 के लिए क्वालीफाई करेंगी। भारत अभी 4-2 के गोल अंतर से ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। अब टीम रविवार को अपने अंतिम मैच में मेजबान लाओस से भिड़ेगी। लाओस अपने पहले मैच में ईरान से 0-8 से हार गया था। ईरान छह अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर बना हुआ है।

इंडियन ओपन एथलेटिक्स : पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में देखने को मिलेगा रोमांचक मुकाबला

पटना। सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी मणिकांत होबलीधर और अनिमेष कुजूर की अगुआई में धावक शनिवार को इंडियन ओपन अंडर-23 एथलेटिक्स प्रतियोगिता के चौथे चरण के शुरूआती दिन मुख्य आकर्षण होंगे। तीन दिवसीय प्रतियोगिता यहां पाटलिपुत्र खेल परिसर में आयोजित की जाएगी।
पुरुषों की 100 मीटर दौड़ के लिए 89 प्रविष्टियां आई हैं जिसके लिए नौ हीट होंगी। कर्नाटक के हेबलीधर के नाम सीनियर राष्ट्रीय 100 मीटर का रिकॉर्ड है जो उन्होंने पिछले साल 10.23 सेकेंड का समय निकालकर बनाया था। उन्हें हालांकि कुजुर से कड़ी चुनौती मिलेगी।

विद्यालय बॉक्सिंग मे चमके छात्र

लखनऊ। लखनऊ मांटेसरी इंटर कॉलेज के संयोजन में जनपदीय विद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन केडी सिंह बाबू स्टेडियम में किया गया। प्रतियोगिता बालक और बालिका दो वर्गों में खेली गई बालक वर्ग में तीन आयु वर्ग शामिल रहे जिनमें अंडर 14, 17 और 19 तथा बालिका वर्ग में दो आयु वर्ग 17 और 19 शामिल रहे। प्रतियोगिता में जनपद के 25 विद्यालयों ने प्रतिभाग किया जिसमें बालक और बालिका मिलाकर कुल 90 खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की स प्रतियोगिता का आरंभ अमीर उद दौला इस्लाम इस्लामिया डिग्री कॉलेज के प्रधानाचार्य दिलशाद अहमद अंसारी ने किया। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर नासिर कुरेशी बच्चों की हौसला अफजाई के लिए मौजूद रहे। उभरते हुए खिलाड़ी की ट्रॉफी बाल निकुंज स्कूल के सुधांशु को प्राप्त हुई। बालकों के वर्ग में विजेता ट्रॉफी बाल निकुंज विद्यालय को प्राप्त हुई जबकि उपविजेता ट्रॉफी लखनऊ मांटेसरी इंटर कॉलेज के खाते में गई। बालिकाओं में विजेता ट्रॉफी सेंट मेरी को प्राप्त हुई जबकि उपविजेता बाल निकुंज विद्यालय रहा।

एसएसआईपीएल की जीत में चमके मयंक

लखनऊ। धारदार गेंदबाजी के बाद मैन ऑफद मैच मयंक वर्मा 67 के नाबाद अर्धशतक से एसएसआईपीएल ने तृतीय राजेश सिंह स्मारक टी.20 नाइट कॉरपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट में आर एंड एस क्लब को 6 विकेट से पराजित किया। कॅरियर क्रिकेट स्टेडियम पर आर एंड एस क्लब ने 19.4 ओवर में 130 रन बनाए। विवेक सिंह ;82 रनए 50 गेंदए 4 चौकेए 7 छक्के ने अर्धशतक जड़ा। एसएसआईपीएल से मोनू यादव को तीन जबकि अजय सिंह बिष्ट व गौरव सिंह को 2.2 विकेट मिले। जवाब में एसएसआईपीएल ने 17.5 ओवर में 4 विकेट पर 133 रन बनाकर मैच जीत लिया। जीत में मयंक ने 48 गेंदों पर 4 चौके व 2 छक्के से नाबाद 67 रन बनाए। अनुपम सिंह ने 26 रन का योगदान किया।

डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर में भारत ने छह स्वर्ण सहित 27 पदक जीते

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने युवा टेबल टेनिस खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन के बूते सऊदी अरब के दम्मम में डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर प्रतियोगिता में छह स्वर्ण सहित 27 पदक जीते। लड़कियों ने अंडर-19 और अंडर-15 वर्गों में सभी पोडियम स्थान हासिल किए। इससे भारत ने सात रजत और 14 कांस्य पदक भी अपने नाम किए। भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) ने विज्ञप्ति में कहा कि प्रतियोगिता में टेबल टेनिस की दिग्गज टीमों के प्रमुख खिलाड़ी शामिल नहीं थे लेकिन देश के खिलाड़ियों ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। लड़कियों के अंडर-19 वर्ग में भारत की सुहाना सैनी, तनीषा कोत्चा, सयाली वानी और प्रीथा वर्तिका ने क्लीन स्वीप किया।लड़कों की अंडर-19 स्पर्धा में अंकुर भट्टाचार्जी ने रजत जीता जबकि पीबी अभिनंद और जोश मोदी ने कांस्य पदक अपनी झोली में डाले।वहीं लड़कों की अंडर-17 श्रेणी में प्रियानुज भट्टाचार्य को चीनी ताइपे के लियू शिह-मिंग से करीबी अंतर से हारने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि अभिनंद ने एक और कांस्य पदक हासिल किया। ए म हंसिनी ने सिंड्रेला दास को हराकर लड़कियों का अंडर-17 फाइनल जीता तो दिव्यांशी बोमिक और जेनिफर वर्गीज ने क्रमशः कांस्य पदक जीते। लड़कों की अंडर-15 श्रेणी में भारत के सार्थक आर्य ने कांस्य पदक हासिल किया और वहीं लड़कियों की इसी श्रेणी में काव्या भट्ट, हंसिनी, सिंड्रेला और दिव्यांशी ने क्लीन स्वीप किया।मिश्रित युगल अंडर-19 स्पर्धा में हमवतन मुथु राजशेखरन-जेनिफर वर्गीज को हराकर मोदी-तनीषा की जोड़ी ने स्वर्ण पदक जीता जबकि कांस्य पदक भारत की ही सार्थ मिश्रा-सयाली वानी और सुहाना सैनी-दिव्यांश श्रीवास्तव की दो जोड़ियों को मिला।

राज्य संघों ने एआईटीए अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास का प्रस्ताव रखा

भाषा / कानपुर

अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) से सम्बद्ध आठ राज्य टेनिस संघों ने अध्यक्ष अनिल जैन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का प्रस्ताव रखते हुए 28 सितंबर को नई दिल्ली में एक एक्स्ट्राऑर्डिनरी जनरल मीटिंग (ईजीएम) बुलाई है।एआईटीए की ईजीएम उसी दिन बुलाई गई है जिस दिन उसे अपनी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के आयोजन के साथ चुनाव कराने हैं। इस चुनाव के नतीजे घोषित नहीं किए जा सकते हैं और उन्हें सीलबंद लिफाफे में दिल्ली उच्च न्यायालय को सौंपा जाना है। जैन भारतीय जनता पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं। उन पर महासंघ से अपने व्यक्तिगत इस्तेमाल के खर्च पर कई बार परिवार के साथ विदेश यात्रा पर जाने का आरोप है। असम, गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर, हरियाणा महाराष्ट्र, पंजाब, तमिलनाडु और त्रिपुरा अविश्वास प्रस्ताव का प्रस्ताव रखने वाली राज्य इकाइयों में शामिल हैं। अविश्वास प्रस्ताव अगर पारित हो जाता है तो जैन एआईटीए अध्यक्ष नहीं रहेंगे। भारतीय टेनिस के इतिहास में कभी भी महासंघ के प्रमुख को इस तरह से नहीं हटाया गया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोन: 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादक: शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं।